



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 7] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 13, 1982 (माघ 24, 1903)

No. 7] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 13, 1982 (MAGHA 24, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय

का. एवं प्र. स. विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1982

सं. 20014/104/76-प्रशा.-1—महाराष्ट्र राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त महाराष्ट्र पुलिस के अधिकारी श्री जी. एस. भिराशी को दिनांक 31-12-81 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, बम्हई स्वेच्छा में सरकारी नौकरी से अपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

दिनांक, 23 जनवरी 1982

सं. पी. एफ. -जे-39/66-प्रशा.-5—3 महीने के नोटिस की अवधि समाप्त हो जाने पर, दिनांक 5-1-1982 के अपराह्न से श्री जे. जी. अलीमबनदामी, उप-विधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, बम्हई स्वेच्छा में सरकारी नौकरी में सेवा-निवृत्त हो गए।

सं. ए-20014/159/77-प्रशा.-1—महाराष्ट्र राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी श्री पी. एस. देशमुख को दिनांक 31-12-81 के अपराह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कॅन्थ, बम्हई शास्त्र में अपने कार्यभार से मुक्त कर दिया गया।

दिनांक 25 जनवरी 1982

सं. ए-19035/3/80-प्रशा.-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण

ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना अपने प्रमाण से श्री टी. मुद्रिन राव, अपराध सहायक को प्रोल्नित पर दिनांक 15-1-82 से दिनांक 30-1-82 तक 16 दिन की अवधि के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तत्वर्थ आधार पर स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

हीरो ए. शहानी
प्रशासनिक अधिकारी (लखा)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिवेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल
नई दिल्ली-11002, दिनांक 19 जनवरी 1982

सं. ओ. दो. 1581/81-स्थापना—राष्ट्रपति जी ने डा. किशोर सेन लशकर कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी. डी. ओ. एड-11) 49 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का य. -पद दिनांक 13-11-1981 के अपराह्न में स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 21 जनवरी 1982

सं. ओ. दो. 1575/81-स्थापना—महानिवेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा. (कुमारी) साधना गुप्ता को 4-1-1982 के पूर्वीहन से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तत्वर्थ रूप में नियुक्त किया रहा।

दिनांक 25 जनवरी 1982

सं. ओ. दो. 220/69-स्थापना-1—राष्ट्रपति ने श्री जी. वी. राव, उप-पुलिस अधीक्षक को के. एर. पू. बल की सेवाओं से 4-7-1981 (अपराह्न) को अशक्त घोषित कर दिया है।

सं. ओ. दो. 1155/73-स्थापना-1—राष्ट्रपति, श्री हरिश कामथ के., उप-पुलिस अधीक्षक, के. एर. पू. बल का त्याग पत्र 26-11-1981 (अपराह्न) से स्वीकार करते हैं।

सं. ओ. दो. 1589/81/स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर रनवीर सिंह को 15-1-1982 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में किन्तु चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए. के. सूरी
सहायक निदेशक
(स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय अद्योगिक सुरक्षा बल

नई विल्ली-110019, दिनांक 12 जनवरी 1982

सं. ई-16013(1)/1/81-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर श्री मदन गोपाल, आई. पी. एस. (प. बं. 64) ने श्री बनजीत राण सूर आई. पी. एस. (एम. टी. 54) के स्थान पर 21 दिसम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से के. औ. सु. ब., वी. एस. एल. बोकारो, के उप महानिरीक्षक व सुरक्षा प्रभुत्व के पद का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री सूर ने विल्ली में स्थानांतरित होने पर उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया है।

सुरेन्द्र नाथ
महानिदेशक

भारत के महापंचीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 जनवरी 1982

सं. 11/2/80-प्रशा.-1—इस कार्यालय की तारीख 3 दिसंबर, 1980 की समसंब्यक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, बिहार सिविल सेवा के अधिकारी श्री नागेश्वर प्रसाद की बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशालय से उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा तदर्थ आधार पर नियुक्ति की अवधि को तारीख 30 अप्रैल, 1982 तक की और अवधि के लिए या जब तक कि पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो अवधि पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्री प्रसाद का मुख्यालय हजारीबाग में होगा।

सं. 11/74/80-प्रशा.-1—इस कार्यालय की तारीख 26 नवम्बर, 1980 की समसंब्यक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति केरल सिविल सेवा के अधिकारी श्री पी. भासकरन नायर की केरल, त्रिवेन्द्रम में जनगणना कार्य निदेशालय में उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि को तारीख 1 दिसम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से 30 नवम्बर, 1982 तक की एक वर्ष की और अवधि के लिए सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्री नायर का मुख्यालय कोट्टायम में होगा।

3. श्री नायर की सेवाएँ 30-11-1982 से पहले किसी भी समय नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर बिना कारण बताए रख्द की जा सकती है।

दिनांक 21 जनवरी 1982

सं. 11/37/80-प्रशा.-1—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत श्री आर. ई. चौधरी की बम्बई में तारीख 30 नवम्बर, 1981 को हर्ष मृत्यु की सखेद घोषणा करते हैं।

दिनांक 22 जनवरी 1982

सं. 10/25/81-प्रशा.-1—राष्ट्रपति, उडीसा, भूवनेश्वर में जनगणना कार्य निदेशालय के अन्वेषक श्री सी. आर. मोहन्स्ती को उसी कार्यालय में तारीख 28 दिसम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अनधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पदान्वेष्टि द्वारा पूर्णतया अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियमित करते हैं।

2. श्री मोहन्स्ती का मुख्यालय भूवनेश्वर में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति सम्बन्धित अधिकारी को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रशान नहीं करते। तदर्थ तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर उनकी सेवाएँ उस ग्रेड में विरचिता और अग्रे उच्च पद पर पदान्वेष्टि के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रख्द किया जा सकता है।

पी. पद्मनाभ
भारत के महापंजीकार

श्रम मंत्रालय

श्रम व्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 13 फरवरी 1982

सं. 23/3/81-सी. पी. आई.—दिसम्बर, 1981 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) नवम्बर, 1981 के स्तर से 2 अंक घट कर 460 (चार सौ साठ) रहा। दिसम्बर, 1981 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 559 (पाँच सौ उन्नासठ) आता है।

आनन्द स्वरूप भारतवाज
निदेशक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय गुजरात

अहमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1982

महालेखाकार गुजरात के अधीन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्यों को उनकी नामावली के सामने दर्शाए गए, दिनांक से लेकर अगला

आदेश मिलैने तक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थाना-पत्त लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति दंने की कृपा की है।

1. श्री वो० कृष्णमूर्ति ग्रहमदाबाद कार्यालय 1-1-82 पूर्वाह्नि से
2. श्री ए० सन्कानम् " "
3. श्रो एच०एस० प्रभर " "
4. श्री आर० कृष्णमूर्ति " "
5. श्री सी० एम० निपाठी " "
6. श्रा एम० एन० त्रिवेदी राजकोट कार्यालय " "

उपर्युक्त पदोन्नतियाँ तदर्थ आधार पर 1980 के विशेष दीवानी सिविल आवेदन पत्र संख्या 735 में गुजरात उच्च न्यायालय के अंतिम आवेदों की प्राप्ति की शर्तों पर की जाती है।

सी. वी. अब्धानि
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)
कार्यालय,

महालेखाकार का कार्यालय (प्रथम),
आन्ध्र प्रदेश

हैम्पराबाद-500 476, दिनांक 19 जनवरी 1982

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/467—श्री न. गमराव, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश सेवा में निवृत्त हैं, दिनांक 31-12-81 अपराह्न।

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/467—श्री एस. वी. रंगनाथन, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश, सेवा से निवृत्त हैं दिनांक 1-1-82 पूर्वाह्नि।

रा. हरिहरल
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

लेखा परीक्षा निदेशक का कार्यालय

द. म. रेलवे

सिकन्दराबाद, दिनांक 23 जनवरी 1982

मं. एय./एसमि./ XIII/59—1. निदेशक, लेखा परीक्षा द. म. रेलवे, सिकन्दराबाद, प्रवरण ग्रेड के अनुभाग अधिकारी श्री एस. एच. निरलीकर को वेतनमान 840-40-100-द. रो. 40-1200 रु. में स्थानापत्त लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नति प्रदान करते हैं, यह पदोन्नति सिकन्दराबाद में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख अर्थात् 29-9-1981 से प्रभावी है।

2. निदेशक, लेखा परीक्षा द. म. रेलवे सिकन्दराबाद, प्रवरण ग्रेड के अनुभाग अधिकारी श्री एस. एम. अन्नपूर्णीराव का, उनके वरिष्ठों के दावों पर विना प्रभाव डाले, वेतनमान 840-40-1000 द. रो. 40-1200 रु. में स्थानापत्त लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप ये पदोन्नति प्रदान करते हैं, यह पदोन्नति कार्यभार ग्रहण करने की तारीख अर्थात् 23-9-1981 से प्रभावी है।

लेखा परीक्षा निदेशक, दीक्षण मध्य रेलवे, सिकन्दराबाद इस कार्यालय के श्री जी. वी. सुब्बाराव, स्थानापत्त अनुभाग अधिकारी को वे. भा. 840-40-1000 द. रो. 40-1200 में 21-5-1981 (पूर्वाह्नि) से अगले आदेश तक स्थानापत्त लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नति प्रदान करते हैं।

चित्रपु भास्करराव
लेखा परीक्षा उप निदेशक

अंतरिक्ष विभाग

इसरो: शार केन्द्र

श्रीहरिकोटा सामान्य सुविधाएं

कार्मिक और साधारण प्रशासन प्रभाग

श्रीहरिकोटा-524124, दिनांक 7 नवम्बर 1981

सं. एस० सी० एफ०/का० और सा० प्र०स्थाप०/1. 72—
शार केन्द्र के निदेशक ने निम्नांकित कर्मचारियों को पदोन्नति द्वारा वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० वी० के पद पर शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में स्थानापत्त क्षमता के रूप में काम करने के लिए अपनी प्रसन्नता व्यक्त की है।

क्रमसं. नाम	पदनाम	नियुक्ति तारीख
संवेदी/कुमारी/श्रीमती		
1. पी० मैथ्यूस	इंजीनियर एस० वी०	1-10-81
2. सी०सी०आर० रेड्डी	इंजीनियर एस० वी०	1-10-81
3. ३० नारायणराव	इंजीनियर एस० वी०	1-10-81
4. के० भारस्करा राव	इंजीनियर एस० वी०	1-10-81
5. एस० कुमार	इंजीनियर एस० वी०	1-10-81
6. टी० ए० एडवर्ड	इंजीनियर एस० वी०	1-10-81
दास	इंजीनियर एस० वी०	1-10-81
7. एस० नारायणन	इंजीनियर एस० वी०	1-10-81

आर० गोपालरत्नम
प्रधान, कार्मिक और सामान्य प्रशासन प्रभाग
कृते निदेशक

रक्षा लेखा विभाग
रक्षा लेखा नियन्त्रक
मध्य कमान
मेरठ छावनी, दिनांक 28 अगस्त 1981
आदेश

सं. ए. एन०/एक्स-14/पी. सी.-244(ए)---रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान के कार्यालय में कार्यरत श्री मोहन लाल, स्थायी लिपिक/अस्थायी लेखा परीक्षक, लेखा संख्या 8304530 के विरुद्ध हुई अनुशासनात्मक कार्यवाही के अभिलेखों पर विचार करके अधोहस्ताक्षरी, जांच अधिकारी के निष्कर्षों से सहमत है।

तथा यह मानता है कि आरोप सिद्ध हुए हैं एवं वह सन्तुष्ट है कि उक्त श्री मोहन लाल को सेवा-निष्कासन का इण्ड देने के लिए उचित एवं पर्याप्त हैं।

अतः एवं एतद्द्वारा अधोहस्ताक्षरी उक्त श्री मोहर लाल को दिनांक 31-8-81 (अपग्रहन) से सेवा से निष्कासित करता है।

बी. एन. रल्लन
रक्षा लेखा नियन्त्रक; मध्यकमान

वाणिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

हाथकरघा शिकास आयुक्त कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1981

सं. ए-12025(1)/6/80-प्रशासन (11)-के—राष्ट्रपति, श्री राम असरे लाल को 31 अक्टूबर, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए बनकर सेवा केंद्र, विजयवाड़ा में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (प्रोफेसिंग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी. शंकर
अतिरिक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1982

सं. ए-17011/202-प्र-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने निदेशक पूर्ति तथा निपटान, बम्बई के कार्यालय में स्थायी भंडार परीक्षक तथा स्थानापन्न करायि क्षेत्र अधिकारी श्री धर्मवीर असरी को दिनांक 30-11-1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक जमशेंदप्रर निरीक्षण मंडल के अधीन उप निदेशक, निरीक्षण (धातु) राउरकोला के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु-रसायन) के रूप में नियुक्त किया है।

एम. जी. मनन
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और सान्न मंत्रालय इस्पात विभाग

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-700020, दिनांक 12 जनवरी 1982

सं. ई.-1-12(23)/81(.)—श्री हरबंश सिंह, सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक ने दिनांक 4-1-82 पूर्वाह्न से पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 18 जनवरी 1982

सं. ई.-1-3(1)/74(.)—लोहा और इस्पात नियंत्रक एतद्वारा श्री निर्मल अक्कवर्ती, सहायक को दिनांक 18/1/1982 (पूर्वाह्न) में एक वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्त के आधार पर वरिष्ठ बैंकिंग सहायक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किये।

एम. एन. विश्वाम
गंयुक्त लोहा और इस्पात नियंत्रक

(वान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 21 जनवरी 1982

सं. 518बी/ए-19012(2-भी बी)/80-19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महायक भूभौतिकीविद श्री सी. भानु भूर्ति ने उसी विभाग में सहायक भूभौतिकीविद के पद का कार्यभार 8-9-81 (अपग्रहन) से त्यागपत्र पर छोड़ दिया है।

जे. स्वामी नाथ
महा निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1982

महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री अशोक कमार नगाच्छ आकाशवाणी, 28-12-81 (पूर्वाह्न) से फार्म रॉडियो अधिकारी, आकाशवाणी, रीवा के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एस. वी. सेषाढ़ी
उपनिदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1982

सं. 4(4)80-एस-1—महानिदेशक आकाशवाणी एतद्वारा श्री अल्वान नोएल खारकोगोर को 13 नवम्बर, 1981 से अगले आदेश तक अस्थायी रूप से आकाशवाणी, शिलांग में कार्यकार्म निष्पादक नियुक्त करते हैं।

हरीशचन्द्र जयाल
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

बम्बई-400026, दिनांक 22 जनवरी 1982

सं. ए-19012/1/75-इ(1)—श्री के. जगजीवन राम, स्थानापन्न के भरामन, फिल्म प्रभाग, नथी दिल्ली को, श्री एस. टी. बापट, न्यूजरील आफिसर अहमदाबाद के सेवानिवृत्त होने से, उनके स्थान पर दिनांक 3/12/1981 के पूर्वाह्न से न्यूजरील आफिसर के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 23 जनवरी 1982

सं. ए-12026/7/81-इ. (1)—मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग बम्बई ने, श्री ए. के. गूरह को दिनांक 31-10-1981 के पूर्वाह्न से फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली में ए. 840-40-100-इ बी-40-1200/- के बेतनमान पर न्यूजरील आफिसर के पद पर नियुक्त किया है।

एस. के. राय
सहा. प्रशा. अधिकारी
कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1982

सं. ए-12026/32/78 (मृत्युलय) प्रशासन-1—राष्ट्रपति
ने ज्ञा. बिपित कुमार वर्मा को 13 जनवरी, 1982 पूर्वाह्न
में आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय, नई दिल्ली
में निदेशक, सिविल रक्षा (चिकित्सा) के पद पर अस्थायी रूप
से नियुक्त किया है।

सं. ए-12023/5/81-प्रशासन-1—निदेशक प्रशासन एवं
सर्कता ने श्रीमती एस. के. पिल्ले को 4 जनवरी, 1982 के
पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय, नई
दिल्ली में सहायक अधीक्षक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त
किया है।

टी. सी. जैन
उप निदेशक प्रशासन

स्टोर-1 संक्षण

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1982

सं. ए-19012/18/80-स्टोर-1—श्री के. डी. लाहिरी,
सहायक डीपी-प्रबन्धक सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, कल-
कत्ता की सेवा निवृत्त की आय हो जाने के फलस्वरूप वे 31
दिसंबर, 1981 के अपराह्न से सरकारी सेवा में निवृत्त हो
गये हैं।

सं. ए-32014/4/79-भड़ार-1—स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक
ने श्री बी. के. सफ़ूर को सरकारी चिकित्सा सामग्री डिपो,
कलकत्ता में सहायक डिपो प्रबन्धक के पद पर पहली जनवरी, 1982 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक पूर्णतया तदर्थ आधार पर
नियुक्त किया है।

शिव दयाल
उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विषयन एवं निरीक्षण निवेशालय
करीदारावाद, दिनांक 16 जनवरी 1982

सं. ए-19025/19/81-पृ. त.—विभागीय पदान्तरिति
समिति (वर्ग 'ब') की संस्तुतियों के अनुसार निम्नलिखित अधिकारी,
जो स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर सहायक विषयन
अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे थे, दिनांक 24-12-1981
में अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर सहायक विषयन
अधिकारी के पद पर नियुक्त किए गए हैं:—

1. श्री जान् पी. यरलागड़ा।
2. श्री टी. एम. जौनी।
3. श्री एन. के. मिश्र।
4. श्री पी. मत्यनारायण।
5. श्री ए. के. दाम।
6. श्री एच. सी. वन्सन।
7. श्री ए. एग. शर्मा।

8. श्री ए. आर. मिश्र।
9. श्री जय प्रकाश।
10. श्री देव कुमार।
11. श्रीमती शकुन्तला रानी जूनेजा।
12. श्रीमती मुरोन्दा कोर।

दिनांक 18 जनवरी 1982

सं. ए-19025/44/81-पृ. त.—विभागीय पदान्तरिति
समिति (वर्ग 'ब') की संस्तुतियों के अनुसार सर्वश्री महानेत्रपाल
और के. सी. राजनिवाल, विरिठ निरीक्षक इस निवेशालय के
अधीन फरीदावाद में दिनांक 26-12-81 (अपराह्न) से अगले
आदेश होने तक स्थानापन्न, सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग-1)
के रूप में पदान्तर किए गए हैं।

सं. ए-19025/18/81-पृ. त.—सर्वश्री पी. पी. मुख्य-
पाध्याय और के. टी. राजूरकर, जो तदर्थ आधार पर स्थानापन्न
सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में काम कर रहे
थे, को दिनांक 28-12-81 से विरिठ निरीक्षक (वर्ग 1) के पद
पर प्रत्यावर्तित हो गए हैं।

दिनांक 20 जनवरी 1982

सं. ए-12026/2/78-पृ. त.—इस निवेशालय के अधीन
फरीदावाद में लेखा अधिकारी के रूप में श्री शिव कुमार सूब
की प्रतिनियुक्ति, जो आरम्भ में दिनांक 19-11-78 से 2 वर्ष
की अवधि के लिए थी, और जो बाद में 19-11-80 से
30-11-81 तक की अवधि के लिए बढ़ाई गयी थी, पन: अभी
भी अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति की वर्तमान शर्तों पर दिनांक
1-5-81 से 18-2-1982 तक बढ़ाई गई है।

बी. एल. मनिहार
निवेशक प्रशासन
कृते कृषि विषयन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 11 जनवरी 1982

संवर्ख पीए/79(4)/80 आर-111—नियंत्रक, भाभा परमाणु
अनुसंधान केन्द्र, श्री प्रभाकर बलवंत करंदीकर, सहायक कार्मिक
सहायक अधिकारी (रूपये 650-950) पद पर कार्य
करने हेतु 3-12-1981 पूर्वाह्न से 2-1-1982 अपराह्न तक
तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 जनवरी 1982

संवर्ख पीए/79(4)/80 आर-111—नियंत्रक, भाभा परमाणु
अनुसंधान केन्द्र, श्री भीकाजी कण्णा नारंकर, सहायक लेखाकार
कार्मिक सहायक लेखा अधिकारी (रूपये 650-960) पद पर कार्य
करने हेतु 9-9-1981 पूर्वाह्न से 21-12-1981 अपराह्न
तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

संवर्ख पीए/79(4)/80 आर-111—नियंत्रक, भाभा परमाणु
अनुसंधान केन्द्र, श्रीमती पद्मावती वेलायथन नायर, सहायक लेखा
अधिकारी को लंबा अधिकारी ॥ (रूपये 840-1200) पद
पर कार्य करने हेतु 5-10-1981 (पूर्वाह्न) से 21-12-1981
(अपराह्न) तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 जनवरी 1982

सं. पीए/34(2)/80 आर-111—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री शांताराम कैशव मालूके, सहायक सुरक्षा अधिकारी, संपदा प्रबंध निदेशालय परमाणु उर्जा विभाग बम्बई को सुरक्षा अधिकारी पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 7 जनवरी, 1982 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

ए. शांताराम मेनोन
उपस्थापना अधिकारी

परमाणु उर्जा विभाग
क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 20 जनवरी 1982

सं. क्रमांक./2/1(16)/77-प्रशासन 1666—इस कार्यालय की तारीख 15-9-81 की अधिसूचना सं. क्र भर्नि/2/1(16)/77 प्र./18419 को जारी रखते हुए परमाणु उर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने इस निदेशालय के भंडारी श्री एम. आर. प्रकाश को स्थानापन्न रूप से आगे 28 दिसम्बर, 1981 (पू.) तक के लिए सहायक भंडार अधिकारी (तदर्थ) नियुक्त किया है।

बी. जी. कुलकर्णी
सहायक कार्मिक अधिकारी

परमाणु उर्जा विभाग
नाभिकीय हैंडन समिक्षक
दिनांक 7 जनवरी 1982

सं. क्र प्र भ/0704/69—नाभिकीय हैंडन समिक्षक के मुख्य कार्यपालक, प्रदरण श्रेणी लिएक श्री पी. राजगोपालन को नाभिकीय हैंडन समिक्षक में अवकाश रिक्ति पर स्थानापन्न सहायक कार्मिकाधिकारी के पद पर दिनांक 01.12.1981 से 19.12.1981 पर्यंत नियुक्त करते हैं।

जी. जी. कुलकर्णी
प्रबंधक, कार्मिक एवं प्रशासन

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 18 जनवरी 1982

सं. प्र. प्र-16(3)82-भर्ती—परमाणु उर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतत्क्षेत्रारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी वरिष्ठ आशुलिपिक और स्थानापन्न आशुलिपिक-111, श्री पी. ओ. कर्णाकरण को उसी प्रभाग में श्री जगदीश राय गप्ता, सहायक कार्मिक अधिकारी, जिन्हें छट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 29 दिसम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से लेकर 27 फरवरी, 1982 तक 61 दिन के लिए तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

म. सु. राव
वरिष्ठ प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1982

सं. प्र-10011/4/80-इ०-१—थी पी. के. गम्भेन्द्रन, उप महानिदेशक, नागर विमानन विभाग के निर्वाचन आयु प्राप्त

कर लेने के फलस्वरूप दिनांक 30 नवम्बर (पूर्वाह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सुधाकर गुप्ता
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली-110066, दिनांक 15 जनवरी 1982

सं. ए-19011/21/80-इ०-१—नागर विमानन विभाग के श्री दी. हाजरा, क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता में निर्वाचन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत होने पर दिनांक 31-12-1981 को अपराह्न से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सुधाकर गुप्ता
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1982

सं. ए०-32013/4/80-इ० सी० (पार्ट)—इस विभाग की दिनांक 28-2-81 तथा 13-4-81 की अधिसूचना सं. ए०-32013/4/80-इ० सी० के ऋम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो अधिकारियों की सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति को आगे दिनांक 31-12-81 तक की अवधि के लिए जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है:—

ऋम सं० नाम

तैनाती स्टेशन

1. श्री एस० के० महेश्वरी महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)

2. श्री वी० एन० एम० राव महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)

सं. ए० 38013/1/81-इ० सी०—नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित दो अधिकारियों ने, प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए एस्टेशन से निर्वाचन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत होने पर दिनांक 31-12-81 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है:—

ऋम सं० नाम श्रीर पदनाम

तैनाती स्टेशन

1. श्री पी० के० मैन, संचार अधिकारी वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता

2. श्री ए० के० मुत्सुदी, सहायक संचार अधिकारी —वही—

प्रेम चन्द
सहायक निदेशक प्रशासन

बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय
देहरादून, दिनांक 21 जनवरी 1982

सं. 16/261/77-स्थापना-।—अध्यक्ष, बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून न श्री ए. के. डॉ, सहायक अधिकारी (पांचिकी) बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून का दिया है त्यापन 8-1-82 के अपराह्न से सहर्ष स्वीकार किया है ताकि वे पी. एण्ड टी. बोर्ड के अधीन मोटर गाड़ी अभियन्ता का पद ग्रहण कर सके।

ओकर नाथ कोल
कल सचिव

बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहतालय

सं. 1/82—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निम्नलिखित वरिष्ठ श्रेणी निरीक्षकों की नियुक्ति अगले आदेश होने तक रु. 650-30-740-35-810 द. रो. 35-880-40-1000-द. रो. 40-1200 के बेतन मान पर स्थानापन रूप से अधीक्षक ग्रुप 'बी' के रूप में की गई है। अधीक्षकों के रूप में कार्यभार ग्रहण किया गये स्थान एवं तारीख उनके नाम के सामने लिखे गये अनुसार है।

क्रम सं.	अधिकारी का नाम	नियुक्त स्थान	कार्यभार ग्रहण की गई तारीख
1	2	3	4
1.	सी० त्यागराजन	सीमा शुल्क संकिल रामेश्वरम	12-10-81
2.	के० एम० बाल गोपालन	मदुरई प्रभाग-II	17-10-81
3.	एन० रंगभाष्यम	शिवाजी रेंज-I	17-10-81
4.	एस० एस० सुब्रमण्यन	मुख्यालय मदुरई	9-11-81
5.	डी० एस० राधा रघुपति	टूटीकोरिन प्रभाग	11-12-81
6.	आर० हरिकृष्णन	सान्तूर रेंज	19-12-81

सं. 2/82—श्री डॉ. मीनाक्षी सुन्दरम, कार्यालय अधीक्षक की नियुक्ति अगले आदेश होने तक रु. 650-30-740-35-810-द. रो. 35-880-40-1000 द. रो. 40-1200 के बेतनमान पर स्थानापन रूप से परीक्षक (ग्रुप 'बी') के पद पर तदर्थ रूप में की गई है। उन्होंने परीक्षक के रूप में 3-12-81 को मुख्यालय में अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

आर. जयरामन
समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक जनवरी, 1982

सं. 20/81—श्रीमती एस. एस. बालिगा नं., जो पहले सहायक समाहर्ता नयी दिल्ली के पद पर कार्यरत थीं, राजस्व विभाग के दिनांक 14-12-81 के आदेश सं. 221/81 (फा.

सं. ए-22012/105/81-प्रश्ना-।।) के द्वारा स्थानांतरण होने पर निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय शुल्क के नयी दिल्ली मिथ्यत मुख्यालय में दिनांक 19-12-81 (अपराह्न) का सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 21 जनवरी 1982

सं. 1041/2/82—श्री दलजीत बिंदु मरवाह ने, जो पहले राजस्व विभाग, नयी दिल्ली में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर कार्यरत थे, राजस्व विभाग के दिनांक 24-12-81 के आदेश सं. 230/81 (फा. सं. ए 22012/124/81-प्रश्ना-।।) के अनुसार स्थानांतरण होने पर निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नयी दिल्ली मिथ्यत मुख्यालय में दिनांक 1-1-82 के (अपराह्न) से सहायक निदेशक (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप 'क' के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एस. बी. सरकार
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1982

सं. ए-19012/1/8/81-स्था-।—अध्यक्ष क. ज. आयोग एतद्वारा श्री एम. पी. मित्तल, वरिष्ठ व्यवसायिक सहायक (हाइड्रोमेट) को स्थानापन रूप में तदर्थ आधार पर रु. 650-30-740-35-810-द. रो. 35-880-40-1000-द. रो. 40-1200 के बेतनमान में 5 दिसम्बर, 1981 (पूर्वाह्न) से 6 माह के लिए या इस पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो, अतिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रोमेट) के वर्ग में नियुक्त करते हैं।

के. एल. भंडला
अवर सचिव

नई दिल्ली-110066, दिनांक 21 जनवरी 1982

सं. ए-19012/957/81-स्था. पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री जी. सी. राय, पर्यवेक्षक को रु. 650-30-740-35-810-द. रो. 35-880-40-1000-द. रो. 40-1200 के बेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 17 नवम्बर, 1981 की पूर्वाह्न से छः सहीने की अवधि अथवा पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

ए. भट्टाचार्य
अवर सचिव

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 15 जनवरी 1982

सं. 22/1/81-प्रश्ना-।। (बी)—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, एतद्वारा, श्री के. एल. टी. गौनानी, तकनीकी निदेशक को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप 'बी') सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक

इंजीनियर के ग्रेड में स्थानापन्न क्षमता में 29-10-1981 (पूर्व-हन) में आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

मन्तोष विश्वास
अवर सचिव

विधि न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ओ बुल रेडी मद्रास प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-600006, दिनांक 21 जनवरी 1982

अधिसूचना सं. 1945/560(3)82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद-

इवारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ओब्युल रेडी मद्रास प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे. के. रमणी
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ऐम इन्वेस्टमेंट्स एण्ड चिट फन्ड्स प्रा. लि. के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 23 जनवरी 1982

सं. 1896/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ऐम इन्वेस्टमेंट्स एण्ड चिट फन्ड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

पी. टी. गजवानि
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

ब्रूकप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1982

निवास मं. आई. ए. सी. (अर्जन) 2233—अतः मुझे,
देव प्रिय पत्ता,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. कृष्णा टाकीज का आधा भाग है, तथा जो
लक्षकर रवालियर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, रवालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 19-5-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पूर्ण
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पावा वा
प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से मुँह किसी धार्य की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्य में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
छनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था तिनाने में पुरिया
के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपस्थाता (1)

के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2-456 GI/81

1. श्री आबाजीराव फालके पुत्र श्री आनन्द राव फालके,
निवासी फालका बाजार, ग्वालियर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती माधुरी दंबी मुखारिया पत्नी श्री गणेन्द्र कंसार
मुखारिया चौक बाजार व्यावरा-म. प्र. (2) श्रीमती
मीरा दंबी मुखारिया पत्नी श्री प्रेम चन्द मुखारिया,
चौक बाजार बांद्रा यू. पी.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यापक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी प्रविष्ट
शाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृश्यताकारी,
के पास लिखित में किए जा सकें।

इष्टदातारण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृष्णा टाकीज रवालियर का आधा भाग जो फालका बाजार
लक्षकर में स्थित है।

देव प्रिय पत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 7-1-1982

माहूड़ :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1982

निवेद्य सं. आई.ए.सी. (अर्जन) 2234—अतः मुझे,
देव प्रिय पत्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. कृष्णा टाकीज का आधा भाग है, तथा जो
ग्रामियर में स्थित है (और इससे उपाबृथ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, ग्रामियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 17-5-1981

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (बांतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
क्षमता से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. (1) श्री चन्द्र सायंराव (2) शिवाजी राव (3)
शम्भाजी राव (4) आबाजी राव सभी पुत्र स्व. श्री
आनन्द राव फालके (5) श्रीमती कैंचन माला फालके
पत्नी स्व. अप्पाजी राव फालके सभी निवासी, फालके
बाजार लक्ष्मीयर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती माधुरी देवी मुखारिया पत्नी श्री राजेन्द्र कमार
मुखारिया, चौक बाजार व्यावरा (2) श्रीमती मीरा-
देवी गुप्ता पत्नी श्री प्रेम चन्द गुप्ता निवासी चौक
बाजार बांदा यू. पी.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृथ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृष्णा टाकीज का आधा भाग जो फालका बाजार लक्ष्मीयर,
ग्रामियर में स्थित है।

देव प्रिय पत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-1-1982
मोहर :

प्रस्तुप वाई.टी.एन.एस.-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1982

निवैशं सं., आई.ए.सी. (अर्जन) 2235—यतः मुझे,
देव प्रिय पत्ता,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी प्लाट नं. 48 का भाग शीट नं. 70 है, तथा
जो गोल बाजार जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावह्य
अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के
कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-5-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्तमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
त्रास्तवित रूप में किया नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरक से हुई किसी आय की बाबत; उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायिक में
कमी करने या उससे अच्छने में सुविधा के लिए,
और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को जिहे भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
ध्वनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व का अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सरस्वती वाई शिवदी विधवा थी आर. जी.
शिवदी ई-1/160 जररो कालौनी, भोपाल म. प्र.
(अन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री देवी, सदर बाजार जबलपुर म. प्र.
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए आवश्यकाधियों भरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधी नाम :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

प्लाट नं. 48 का भाग शीट नं. 70 गोल बाजार जबलपुर
स्थित।

देव प्रिय पत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-1-1982

माहूर :

प्रश्न प्राइवेट एसेसमेंट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1982

निदंश सं. आई.ए.सी. (अर्जन) 2236—अतः मुझे,
देव प्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मं. प्लाट नं. 48 का भाग शीट नं. 70 है, तथा
जो गोल बाजार जबलपुर में स्थित है (और इसमें उपादान
अनुसूची में और पूर्ण सूची से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-5-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में सिविल वास्तविक
कर से कठिन नहीं किया गया है ॥

1. श्रीमती सरस्वती बाई चिवडी विधवा श्री आर. जी.
तिवारी निवासी ई-1/160 जरोड़ा कालीनी भोपाल
(म. प्र.)

(अन्तरक)

2. श्रीमती पूष्णा जैन एवं श्रीमती पी. दरता, जबलपुर
(म. प्र.)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) बन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

प्लाट नं. 48 का भाग शीट नं. 70 गोल बाजार जबलपुर
स्थित।

देव प्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तमानः—

तारीख : 7-1-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

श्रमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1982

निवेद्य सं. आई. ए. सी. (अर्जन) 2237—अतः मूर्ख,
देव प्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 48 का भाग शीट नं. 70 है, तथा
जो गोल बाजार जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
संची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 29-5-81

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विष्वास
करने का कारण है कि दृश्यपूर्वकत मंपाल का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा
का मिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सरस्वती बाई त्रिवेदी विधवा श्री आर. जी.
त्रिवेदी निवासी इ-1/160 जररा कालनी, भोपाल
(अन्तरक)

2. श्री आर. जी. अरजारिया पूज श्री मधुसूदन अर-
जारिया 11, गोल बाजार, जबलपुर (म. प.)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जररी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मधुसूदन

प्लाट नं. 48 का भाग शीट नं. 70 गोल बाजार जबलपुर
स्थित।

देव प्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-1-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1982

निदेश सं. आई.ए.सी. (अर्जन) 2238—अतः मुझे,
देव प्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ज्लाट नं. 48 का भाग शोट नं. 70 है, तथा
जो गोल बाजार जबलपुर में स्थित है (जौर इससे उपाबृद्ध अनु-
मत्ती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
की कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 29-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सरस्वती बाई त्रिवेदी विधवा श्री आर. जी.
त्रिवेदी ई-1/160 अदरेंग कलोनी, भोपाल।
(अस्तरक)

2. श्री एस. डी. महेता 2210 राइट टाउन जबलपुर
म. प्र।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ज्लाट नं. 48 का भाग शोट नं. 70 गोल बाजार जबलपुर
स्थित।

देव प्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-1-1982
मांहर :

प्रस्तुप् आई. टी. एन. एस.-----

1. श्रीमती सरस्वती बाई त्रिवेदी ई-1/160 अररेल
कालानी, भोपाल।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1982

निदेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन) 2239—अतः मूल्य,
दंव प्रिय पत्त,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लाट नं. 48 का भाग शीट नं. 70 है, तथा
जो गोल बाजार जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावदध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
कार्यालय जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 29-5-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करते का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाय प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

2. (1) श्री आर. डी. अरजारिया, चंरीताल जबलपुर
(2) श्री एस. डी. मंहेता 2210, राइट टाउन,
जबलपुर म. प्र.।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा भवेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, या अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही वर्त्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 48 का भाग, शीट नं. 70 गोल बाजार जबलपुर
स्थित।

दंव प्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भोपाल

तारीख : 7-1-1982
मोहर :

टी० एन० एस०-

**ब्रह्मकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के प्रधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1982

निदर्श सं. आई.ए.सी. (अर्जन) 2240—अतः मैंने,
देव प्रिय पत्त,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिपक्ष उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एपए से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट नं. 48 का भाग शीट नं. 70 है, तथा
जो गोल बाजार जबलपुर में स्थित है (और इससे उपायदूध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 29-5-1981

को पूर्वोक्त 'सम्पत्ति' के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिष्ठान निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सरस्वती बाई त्रिवेदी पत्नी श्री आर. चौ.
त्रिवेदी, ई-1/160 अरंडेरा कालानी भोपाल।
(अन्तरक)
2. श्रीमती साधना शुक्ला पत्नी श्री पं. पी. शुक्ला चेरी
ताल जबलपुर म. प्र.
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
आवेदनाहीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अस्तरिती द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञोदारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-ए में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 48 का भाग शीट नं. 70 गोल बाजार जबलपुर
स्थित।

देव प्रिय पत्त
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भोपाल

तारीख : 7-1-1982
साहूर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1981

निवेश सं. आई.ए.सी. (अर्जन) 2241—अतः मुझे,
देव प्रिय पत्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लाट नं. 908 है तथा जो नीपियरटाउन में
स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण के रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
25-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थामान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थामान प्रतिफल से, ऐसे स्थामान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य वासिताओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
3—456GI/81

1. श्रीमती तेहमीनाबाई द्वारा मूल्यताराम जमशेदजी
एम ड्रूवर वल्ड श्री नसरवान जी एम ड्रूवास कटनी
गजानंद टाकिज के पाम

(अन्तरक)

2. श्रीमती कामिनीबाई पिता सुन्दरलाल रोलवे कालोनी
जबलपुर। (2) श्यामाबाई पिता हीरलाल राजक,
पूलिस लाइन जबलपुर।

(अन्तरिती)

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर मैदान में हितवद किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षणाकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुष्य

सुभाषनगर नीपियर टाउन जबलपुर स्थित प्लाट नं. 908/1
रक्का 2100 वर्गफुट।

देव प्रिय पत्ता
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 5-1-1982
मोहर [■]

प्रलेप आई० डी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश सं. आई० ए० सी० (अर्जन) 2242—अतः मूझे,
देव प्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं. 378/2 है, तथा जो सुभाष नगर जबलपुर
में स्थित है (और इससे उपावदध जनसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में
राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
25-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्म प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित दही
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा(1) के अधीन,
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. जमशेद जी एम. ऊस पूर्ण श्री नसर वानजी एम.
डूबरस गंगानन्द टाकीज के पास कटनी (म. प्र.)
(अन्तरक)

2. श्रीमतो ज्योति रानी सिंधू पत्नी अन्द्र प्रकाश सिंधू
निवासी हनुमान ताल जबलपुर (म. प्र.)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवादियों मुहूर करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 5
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैतस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 378/2 प्लाट नं. 908/1 सुभाष नगर, नैपियर
टाउन स्ट्रीट नं. 773 में स्थित।

देव प्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज़, भोपाल

तारीख : 6-1-1982
माहूर :

प्रकल्प भाई० ई० एच० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, भोपाल

भोपाल, विनांक 5 जनवरी 1981

निर्देश सं. आई० ए० सी० (अर्जन) 2243—अतः मुझे, देव प्रिय पत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. स. नं. 439/1 है, तथा जो जवाहर नगर रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 11-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त प्रबंधनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रबंधनियम, या छनकर प्रबंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, बत्र, उक्त प्रबंधनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की समझारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कांतिभाई० पुत्र श्री सदवभाई० सांवरिया नाहरपाया रायपुर।
(अन्तरक)

2. श्री कानूभाई० पुत्र श्री नाथ० भाई० हन्दा० वर्मा० कालोनी रायपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घरेल के बिंदु कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्याटोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बधाय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस बधाय में दिया गया है।

मनुष्य

जवाहर नगर बाउ०, रायपुर में स्थित प्लाट लेसर नं. 439/1

देव प्रिय पत्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, भोपाल

तारीख 5-1-1982
मोहर :

प्रस्तुत भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

1. श्री कांतिभाई पुत्र भाई० संबरिया । नाहरपाटी रायपूर
पूर

(अन्तरक)

2. हरिभाई पुत्र श्री नाथ॒भाई इन्द्रावर्मा कालोनी रायपूर ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1981

निवेंश सं. आई० ए. सी. (अर्जन) 2244—अतः मुझे,
देव प्रिय पत्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. नं. 430/1 का भाग जबाहर नगर रायपूर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपूर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
11-5-1981
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
7-4-1981
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से ज्यादा है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंद्रों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

जबाहर नगर आई०, रायपूर में स्थित प्लाट नं. 439/1
का भाग।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

देव प्रिय पत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख 5-1-1982
माहें :

प्रकृष्ण बाई^१, टी. एन. एच. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1981

निवेदित सं. आई. ए. सी. (अर्जन)---2245 अतः मझे,
 देव प्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 ह० से अधिक है

और जिसकी सं. 17/17 है, तथा जो सिविल स्टेशनवार्ड में
 स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 15-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
 पर्याप्त प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिकृत, विनियिका उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितव
 में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

(1) 1. सरकार तारा सिंह पुत्र सुन्दर सिंह (2) सर-
 गुरमेससिंह पुत्र सर. इन्द्रसिंह (3) श्रीमती चिन्ता-
 कौर विधवा सर इन्द्र सिंह, निवासी 64, आनंदनगर
 रायपुर

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती राधालता शारडा पत्नी श्री सत्यनारायण
 शारडा (2) मास्टर विजयकुमार शारडा-पुत्र श्री सत्य-
 नारायण शारडा निवासी 25, पंचवील नगर, रायपुर
 (3) श्रीमती उमादेवी शारडा पत्नी श्री कमलकिशोर
 शारडा, (4) मा. पंकजशारडा पुत्र श्री कमलकिशोर
 शारडा (5) मा. मनीष शारडा पुत्र श्री जगलकिशोर,
 शारडा, 21 एवं आई जी, शंकर नगर, रायपुर
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकित्यों पर
 सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो
 भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अविकित्यों में से किसी अविकित द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितवद्ध किसी अन्य अविकित द्वारा अवोहस्ताकारी के पात्र
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
 अधिनियम', के प्रधाय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया
 गया है।

मनूसूची

सिविल स्टेशन वार्ड, रायपुर ब्लाक नं. 15 प्लाट नं. 17/
 17 पर बना भकान।

देव प्रिय पत्त
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 5-1-1982
 मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
 में, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित अविकित्यों अर्थात्:—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन 2246—अतः मुझे,
देव प्रिय पत्त,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. मकान भूमि खसरा नं. 2/1 एवं 2/3 है,
तथा जो महासभूत में स्थित है (जोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्या-
लय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 21-5-1981
को शुर्वाक्त संमति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संमति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

1. मैं. दयालाल मेथ जी एण्ड कम्पनी मालवीय राड,
रायपुर (म. प्र.)
(अन्तरक)

2. मैं. थैर्कर्स एच. पी. एण्ड कम्पनी, छोटा पाया राय-
पुर (म. प्र.)
(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

अनुसूची

पक्का मकान साथ में गोदाम एवं कोर्ट याड़ जो कि जमीन
खसरा नं. 2/1 एवं 2/3 पर बना है और गांव तेंदू खाना तहसील
महासभूत में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा की लिए।

देव प्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 7-1-1982
मोहर :

प्रूफ आई. टी. एन. एम. -----

1. मैं, दयालाल मेथेजी एण्ड कॉ. मालवीय रोड, रायपुर, म. प्र.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा .

(अन्तरक)

269-ग (1) के अधीन सूचना

2. मैं एवरेस्ट लीस कॉ. मालवीय रोड, रायपुर म. प्र.

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1982

निवेश सं. आई. ए. सी. (अर्जी) 2247—अतः मझे, वेच प्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. दो मंजिला घर है, तथा जो सदर बाजार धमतरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धमतरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-5-1981

के पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि दूसराना प्रतिफल के उचित बाजार मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, एसे दूसराना प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरक तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्बिति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट है, वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(ए) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

बीम/वा

अनुसूची

दो मंजिला मकान पक्का। कोट्ट यार्ड के साथ जो कि बनियापारा सदर बाजार धमतरी में स्थित है।

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्ग अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वेच प्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 296-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख: 7-1-1982
मोहर

प्रृष्ठ पाई. टी. एन. एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज., भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जनवरी 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन) 2248—अतः मुझे,
देव प्रिय पत्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. कृषि भूमि खसरा नं. 19/2 है, तथा जो
हाफ्स्टेडी रत्लाम में स्थित है (और इससे उपाङ्कुथ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्या-
लय, रत्लाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 11-5-1981
को पर्वोंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वोंकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरान प्रतिफल से, ऐसे दूसरान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीय
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् L—

1. लक्ष्मण पुष्प फकीरसंद निवासी करमदी, रत्लाम
(अन्तरक)
2. श्रीमती पृष्ठा देवी पत्नी बड़ी लाल पंजाबी निवासी
चमुखी, रत्लाम (म. प्र.)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
धार्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं. 19/2 रुपया 0.750 हेक्टर गांव
हाफ्स्टेडी जिला रत्लाम म. प्र. स्थित।

देव प्रिय पत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज., भोपाल

तारीख : 6-1-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज., भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जनवरी 1982

निवेश सं. आई. ए. मी. (अर्जन) 2249—अतः मुझे, देव प्रिय पत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि ख. न. 19/2 है, तथा जो हाफ-खेड़ी रत्नाम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रत्नाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 11-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —
4-456 GI/81

1. श्री लक्ष्मण पूर्ण श्री कक्षीर चन्द निवासी करमदो तह, व जिला रत्नाम
(अन्तरक)
2. स्नेह कमार राधा किशन पंजाबी, मधी निवासी जौमुखी पूल रत्नाम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आग्रह :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिनित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं. 19/2 रक्ता 0.750 हैक्टेयर गांव हाफ-खेड़ी जिला रत्नाम स्थित।

देव प्रिय पत्ता
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज., भोपालतारीख : 6-1-1982
माहूर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज., भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जनवरी 1982

निवेदेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन) 2250—अतः मुझे,
देव प्रिय पत्त,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी मं. कृषि भूमि ल. नं. 181/11 है, तथा जो
दोसी गांव रत्नाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्य-
लय, रत्नाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 2-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्त्रिक
स्थ से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृश्य किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्रीमती रामसुखी वाह्न पत्नी रामगोपाल, कालेज रोड
रत्नाम म. प्र.

(अन्तरक)

2. कल्याणी पेपर प्राउडक्ट निर्मिट ड निजम्टड व्हार्लिय
आत्माराम हाउस टांतस्टांग मार्ग, न्हृ दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि यां तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सत्रा नं. 181/11 गांव दोसी गांव जिला रत्नाम
स्थित।

देव प्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज., भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 296-ख की जपारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 6-1-1982
मोड़र :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जनवरी 1982

निर्देश सं. आई.ए.सी. (अर्जन) 2251—अतः मुझे,
देवप्रिय पत्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. नं. 181/9 है तथा जो दांसी गांव
रत्नाम में स्थित है (जो इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और
पूर्ण रूप में दर्शित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,
रत्नाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 2-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सकत
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था। लिपाने में
सुविधा के लिए;

उत्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कौशल्या बाई पत्नी मथुरा लाल, निवासी
कालज रोड, रत्नाम (म. प्र.)।

(अन्तरक)

2. कल्याणी पेपर प्रोडक्ट लिमिटेड, रजिस्टर्ड कार्या-
लय, अत्माराम हाउस, 1, टालस्टाय मार्ग, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोकृताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं. 181/9 दोसीगांव, जिला रत्नाम स्थित।

देवप्रिय पत्ता
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज, गंगोत्री भवन,
4थी मंजिल, भोपाल

तारीख : 6-1-1982
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ——

ग्रामपाल अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

मार्ग सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन खेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक ६ जनवरी १९८२

निर्देश मं. आर्थ. प. सी. (अर्जन) 2252--अतः मुझे,
देवेप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब्ब के अधीन सदाश प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करों का कारण है कि स्थानी सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- सम्में में अधिक है और जिसकी सं. नं. 181/10 है तथा जो दोस्री गांव, रत्लाम में स्थित है (ओर इससे उपावद्ध अनुसंधी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्ट अधिकारी के कार्यालय, रत्लाम में, रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-5-1981

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिगत प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि पश्चापूर्वांकित सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिगत प्रतिफल से, गेंधी दृष्टिगत प्रतिफल वा इद्ध वित्तित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरह के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए: श्रीराजा

(ष) ऐसी किसी शांत या किसी धन पर अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय व्यापकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में नविष्ठा के लिए;

१. श्रीमती दिव्या बाई पत्नी श्री भगवती लाल दोरादिमा
द्वयारा राम चन्द्र पुत्र धूल जी दोरादिया, कालेज
रोड, रतलाम।

(अन्तरक)

2. कल्याणी पेपर प्रोडक्ट लिमिटेड रजिस्टर्ड कार्यालय, आत्माराम हाऊस, 1, टालस्टाय मार्ग, नवी दिल्ली।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

चुक्ति सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित में किये आ सकें।

प्रष्ठोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शब्द-नियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अन्तर्राष्ट्रीय

भूमि लखरा नं. 181/10 एकिया 0.600 हेक्टर दोसी
गांव, जिला रत्नाम स्थित।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भाग्यकृत (निरक्षण) अजनन रंज, गंगाश्री भवन, 4थी मंजिल, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ब की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृतः—

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन धोनी, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जनवरी 1982

निवेदित मं. आई. ए. सी. (अर्जन) 2253—अतः मर्फ़े,
देवघरिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में प्रथिक है,

और जिसकी गं. प्लाट नं. 4/2 है तथा जो भगोरमांगंज, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबृक्ष अनुसूची में और पूर्ण सूप में दर्जित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर मण्डी मं., रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य ने उसके दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी शब्द या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी परवीन पुत्री श्री इशाक शाहनंगा, 5/2, भगोरमा गंज, इन्दौर (म. प.). (अन्तरक)
2. श्री सूरज प्रकाश पुत्र श्री बड़ीलाल जी, 9 डायमंड कालोनी, इन्दौर (म. प.). (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियों द्वारा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई श्री प्राप्तेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकृताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

प्लाट नं. 4/2, भगोरमा गंज, इन्दौर में स्थित।

देवघरिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, गंगोत्री भवन,
4थी भाँजिल, भोपाल

तारीख : 6-1-1982-
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

ग्रामकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जनवरी 1982

निवेश सं, आई. ए. सी. (अर्जन) 2254—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम 1951 (1961 नं. 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी नं. लाइ नं. 49 है तथा जो त्रिवेदी कालीनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से शीर्णित है), गणितोक्ती अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिगत प्रतिफल में, ऐसे दृष्टिगत प्रतिफल का फञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है।—

1. श्री लक्ष्मणदास रामचंद्रदास रामचंद्रानी, 117 त्रिवेदी कालीनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री श्रीचंद्र पुष्प गार्जमल (2) खेतन कुमार पुष्प दाईमल द्वाकरंजा, 49 त्रिवेदी कालीनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लाइ नं. 49 पर बना भक्तान जो त्रिवेदी कालीनी, इन्दौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, गंगानी भवन,
4थी मंजिल, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 6-1-1982
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ट्री. एन. एस. —

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जनवरी 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन) 2255—अतः मुझे,
देवप्रिय पत्त,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
हो से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 45 है तथा जो कृष्णपुरा रोड,
देवास में स्थित है (और इससे उपादान अनुसंधी में और
पर्याप्त रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
देवास में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 7-5-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धूपधान प्रति-
कल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्टमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिकल का फ़क़ह प्रतिशत से
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में
कमों करने वा उनमें प्रबन्ध में सुविधा के लिए;
जीए/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी वन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या वनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा. शंकर लाल पूत्र साहेबाम भोसले, 1/6 अजय
अपार्टमेंट्स, सेनापति बापट रोड, पूना।
(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मीनारायण पूत्र शिवचरन लाल हार्डिया,
कृष्णपुरा, देवास (म. प्र.)।
(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना ने राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रग्न्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही
मर्यादित होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं., 45, कृष्णपुरा रोड, देवास पर स्थित।

देवप्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, भोपाल
4थी मैंजिल, भोपाल

तारीख : 6-1-1982
मान्द्रर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1982

निर्देश नं. आई.ए.सी. (अर्जन) 2256—अतः मुझे,
देवप्रिय पत्ता,
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मं. मकान नं. 7 है तथा जो पदमाहन कालीनी,
देवाम में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और^{पूर्ण रूप में} दर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
देवाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 16-5-1981

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/मा

1. श्री शिव नारायण पंत्र जगन्नाथ शर्मा, निवासी
शुक्रवारिया हाट, देवाम (म. प्र.).
(अन्तरक)

2. श्री जगदीश कमार पंत्र श्री जयदयाल मदन,
निवासी देवाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयाद्वारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तीकरण के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
मौजूद है।

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

मकान नं. 7, पदमाहन कालीनी, देवाम स्थित।

देवप्रिय पत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, गंगोत्री भवन,
4थी मंजिल, भोपाल

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४--

तारीख : 7-1-1982

मोहर :

प्रकल्प श्राई० टी० एन०, एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जनवरी 1982

निम्नें सं. आई. ए. सी. (अर्जन) 2257—अतः मुझे,
देवेंप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन नक्षम प्राप्तियों को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये है प्रथित है।

और जिमकी स. कृषि भूमि, व. नं. 201 है तथा जो
नाल्बाग बुरहानपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्वा अन्तर्मुखी
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 1-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल का अन्तरित प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अनुरूप के तिए तरप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
सूची में उक्त अन्तरग लिखित में वास्तविक रूप से कृपित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में दूर्दि किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या फिसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः, यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
मत्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अविषयों, अर्थात् : —

5—456 GI/81

1. श्री बाबूलाल पुत्र श्री मन्नूलाल अग्रवाल, निवासी
चौक बुरहानपुर (म. प्र.)।

(अन्तरक)

2. मैं वैकटेश्वर कौटन कं., बुरहानपुर झुवारा
भागीदार श्री छगनलाल पन्नलाल अग्रवाल, निवासी
चौक, बुरहानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि पा तत्संबंधी अविष्यों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर त्रुतीकृत अविष्यों में से
किसी अविष्टि द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितबद्ध किसी
अव्य अविष्टि द्वारा, ग्राहीद्रश्वाक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

लघुदीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

मनुसंस्कृती

संस्कृत नं. 201 रकवा 2-015 हैक्टेयर पांच हार्स पावर
मोटर पम्प के माथ, लाल बाग बुरहानपुर स्थित।

देवेंप्रिय पन्त
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज, गंगोत्री भवन,
4थी मंजिल, भोपाल

तारीख : 6-1-1982

माहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1982

निवेश सं. आई.ए.मी. (अर्जन) 2258—अतः मुझे,
देवप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी गं. कृषि भूमि ख. नं. 302/5, है तथा जो
रायपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 2-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हश्यमान प्रतिफल
का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रोत्तफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहाय्या
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बाबत प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहाय्या के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

2. श्री जितेन्द्र कुमार पुत्र कांची भाई, निवासी
नाहापारा, रायपुर।

(अन्तरक)

2. श्री एम. पी. प्रश्नका. प्राय. लि. द्वारा संचालक
श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री बिहारी लाल जैन सिधी
स्कूल रामरामरपारा, रायपुर।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 2.12 एकड़ खतरा नं. 302/5 रामसागरपारा,
रायपुर।

देवप्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज, गणोत्ती भवन,
4थी मीजिल, भोपाल

मार्गील : 5-1-1982
मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1982

निदेश सं. आई.ए.सी. (अर्जन) 2259—अतः मुझे,
देवेप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 22/1 का भाग शीट नं. 29
है तथा जो मगनगंज, आजाद नगर, बिलासपुर में स्थित है
(और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में, राजस्त्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
5-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल से ऐसे दूसरामान प्रतिफल के
प्रंदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
इतिहास में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में
सुविधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा(1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः:—

1. श्री मुरारीलाल पुत्र स्व. श्री वासीराम अग्रवाल,
निवासी आजाद नगर, मगनगंज, बिलासपुर।
(अन्तरक)

2. श्री अजीत कुमार भादुरी, निवासी गोडपारा,
बिलासपुर।
(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
मूल्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 22/1 शीट नं. 29 मगनगंज, आजाद नगर,
बिलासपुर।

देवेप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज, गंगोत्री भवन,
4थी मंजिल, भोपाल

तारीख : 5-1-1982
मोहर :

प्रूफ आई. टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन) 2260—अतः मुझे,
 देवेप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 22/1 का भाग शीट नं. 29
 है तथा जो मगनगंज, आजाद नगर, विलासपुर में स्थित है
 (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्शित है),
 रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय, विलासपुर में, रजिस्ट्रेक्टरी
 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन.

7-5-1981

को पूर्वोक्त भंपति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
 रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 बास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
 वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
 में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुरारीलाल पुत्र स्व. श्री धासीराम अग्रदाल,
 निवासी आजाद नगर, मगनगंज, विलासपुर।
 (अन्तरक)

2. श्रीमती रनुका दत्त पत्नी श्री एस. के. दत्त जारा-
 भादा, विलासपुर।
 (अन्तर्भूती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्य :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 गूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 22/1 का भाग शीट नं. 29 मगनगंज, आजाद
 नगर, विलासपुर।

देवेप्रिय पत्त
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रॉज, गंगोत्री भवन,
 4थी मंजिल, भोपाल

तारीख : 5-1-1982
 मोहर :

प्रसूप लाइ. टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ए(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 7 जनवरी 1982

निदेश मं. आई. ए. सी. (अर्जन) 2261—उक्त मुफ्त,
 देवेप्रिय पत्त,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
 पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के
 अधीन सक्षम ग्राहिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
 स्थावर सम्पत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
 अधिक है।

और जिसकी मं. फ्लाट नं. 22/1 का भाग शीट नं. 29 है
 तथा जो मगनगंज, बिलासपुर में स्थित है (और इसमें उप-
 दृढ़ अनुमती में और पूर्ण रूप में दर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-5-1981
 को पूर्वोक्त संगति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और सुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वका संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरहों) योग्यान्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से उद्देश्यों प्राप्त की जाना उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उनमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या रक्त किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री मुरारी लाल पुत्र स्व. श्री आसीराम अग्रवाल निवासी आजादनगर, बिलासपुर।
(अन्तरक)
2. श्री सुधीर रंजन चक्रवर्ती, निवासी जराहाभाटा, बिलासपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यसाहित्य करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आडेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबलिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबलिया, जो भी प्रबलिया बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोइस्टाशीरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौढ़ व पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लाट नं. 22/1 का भाग शीट नं. 29, मगनगंग बिलासपुर।

देवेप्रिय पत्त
 सक्षम ग्राहिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रंज, भोपाल

प्रतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्ता ४---

तारीख : 5-1-1982
 मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1982

निक्षेप सं. आई. ए. सी. (अर्जन) 2262—अतः मुझे,
देवप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धनरा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट बंगला नं. 851 का भाग है तथा जो
नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन 'निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तातः' :—

1. मैं, इस्टर्न आक्सीजन एसीटीलन लि. 851,
नेपियर टाउन, जबलपुर, वर्तमान में इंडस्ट्रीपल
एरिया, बधारताल, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती फूलाबाई पत्नी मानसिंह, 1110, अंधर-
देव, जबलपुर, (2) श्रीमती सावित्री बाई पत्नी
सुरिल्दकुमार शुप्ता, 304/2 कर्मचन्द चौक,.
जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

वनृत्ति

प्लाट बंगला नं. 851 का भाग प्लाट नं. 23, ब्लाक नं.
5, नेपियर टाउन, जबलपुर।

देवप्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-1-1982
मोहर :

प्रस्तुप बाइ^२.टी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

देवेप्रिय पन्त, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1982

निवेश सं. आई.ए.सी. (अर्जन) 2263—अतः मुझे,
देवेप्रिय पन्त,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी भा.प्लाट/बंगला नं. 851 का भाग है तथा जो
नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है (और इसमें उपाबवध अनुसूची
में और पूर्ण के रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 9-5-81को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में
सहित के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धातः:--

1. मैं, हस्टर्न आक्सीजन एड आक्सटोलेन लि. 851,
नेपियर टाउन, जबलपुर आधारताल, जबलपुर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती शनीमनवी पत्नी शश रहमान, 897/3,
मरहताल, जबलपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए
कार्यवाहिमां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर^३
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लाट बंगला नं. 851 का भाग वर्तमान में नेपियर टाउन
जबलपुर।

देवेप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, भोपाल

तारीख : 5-1-82
माहर :

प्रस्तुप शाहै. टी. एन. एस. —

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1982

निदेश सं. आर्ड. ए. सी. (अर्जन) 2264—अतः मर्के,
देव प्रिय पत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. बंगना नं. 851 का भाग है तथा जो
नौपियर टाउन जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुमति
में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 9-5-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पांच गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में बास्तविक
करने से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

बंगला नं. 851 के प्लाट का भाग, 851, नौपियर टाउन,
जबलपुर।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

देवप्रिय पत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्—

नामें : 5-1-82
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन गच्छना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1982

निदेश सं. आई.ए.सी. (अर्जन) 2265--अतः मुझे, देव प्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बंगला नं. 851 के प्लाट का भाग है तथा जो नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-5-81

को प्रबोधित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्याप्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्मित में दावानीवाक्य दिया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त आयनिकता का अधीन 12 दिन के अन्तराल में दायरित्व में कमी करने या उसमें बचने में सहाय्या के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भागीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, निम्नानुसार के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

6—456GI/81

1. मे. इंस्टर्न ओस्मीजन एड. प्रीमियम नं. 851, नेपियर टाउन जबलपुर-वर्तमान पता इन्डस्ट्रीजल एंड रिया, आधारताल जबलपुर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री माहम्मद महम्मद पत्र माहम्मद इंशा (2) श्रीमती सुरशीद बंगम पत्नी महम्मद निदामी 273 हनुमानताल जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के भावन्थ में कोई भी आक्षण्यः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं. 851 के प्लाट का भाग जो नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज., भोपाल

तारीख : 5-1-82

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट दी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेन्ड्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1982

निदेश मं. आई.ए. सी. (अर्जन) 2266—उत्त: म.भै,
दबे प्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. बंगला नं. 851 के प्लाट का भाग है तथा जो नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर मं., रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रदिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम ने प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त आधानदम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ॥—

1. मैं, ईस्टर्न आकर्षीजन एण्ड प्रोसीटिलिन लिमिटेड, 851,
नेपियर टाउन जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री बाई गुप्ता विधवा सुरेश कुमार गुप्ता
निवासी गंजीपुर जबलपुर मुख्या गुप्ता होटल करम
चंद चौक जबलपुर (म. प्र.).

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोवृत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं. 851 के प्लाट का एक भाग जो नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है।

दबे प्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैज, भोपाल

तारीख : 5-1-82
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1982

निवेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन) 2267—अतः मुझे,
देव प्रिय पत्त,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. बंगला नं. 851 का भाग है, तथा जो
नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 9-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में द्वाइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आवितियों
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवितियों, यथातः:—

1. मै. इंस्टर्न आक्सीजन एण्ड एसीटीलिन लिमिटेड
851 नेपियर टाउन जबलपुर (म. प्र.)

(अन्तरक)

2. श्री व्यारेलाल लखनपाल 353-ए ईस्ट बामापुरा,
जबलपुर - म. प्र.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशब्द
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं. 851 के प्लाट का एक भाग नेपियर टाउन जबलपुर
स्थित है।

देव प्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंड, भोपाल

तारीख 5-1-82
भोपाल

प्रस्तुप बाई, टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

1. श्री लक्ष्मणदास अग्रवाल ।/। आल्ड पलासिया इन्डोर।
(अन्तरक)

2. श्री नन्द लाल बजाज एवं प्रताप बजाज महारानी रोड
इन्डोर-म. प्र.
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन धरेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1982

निदेश स. आई. ए. सी. (अर्जन) 2269—उत्तर: मुझे,
देव प्रिय पन्न,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है।

और जिसकी मं. प्लाट नं. 1 मवं नं. 412/3 है तथा जो छाँटी
मजरानी इन्डोर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण के स्वप्न में दर्जित है), रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के
कार्यालय, इन्डोर में; रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 20-5-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से, अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण में हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

मनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्लाट नं. 1 मवं नं. 412/3 छाँटी मजरानी इन्डोर पर
मिथ्या है।

देवप्रिय पन्न
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रज, भोपाल

उत्तर: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नतिवित व्यक्तियों, अर्थात् ---

तारीख: 11-1-82
माहर:

प्रध्यप बाई० टी० एन० एस०-----

1. श्रीमती सम्पत देवी अग्रवाल ।/। आन्दोल पलासिया
इन्दौर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना2. श्री नन्द लाल बजाज प्रताप बजाज महारानी राढ
इन्दौर (म. प्र.)।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1982

निदेश मं. आई० ए० सी० (अर्जन) 2270—अतः मूर्ख,
देव प्रिय पत्त,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. प्लाट नं. 2 सर्वं नं. 412/3 है तथा जो छांटी
खजरानी इन्दौर में स्थित है (जो इसमें उपावद्ध अन्मूल्यी में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, इन्दौर म., रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, C-5-81
को एवं किसी सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्वित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथावृक्षित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल में ऐसे उद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
बीर/या

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अविकसित प्लाट नं. 2 सर्वं नं. 412/3 छांटी खजरानी
तह. इन्दौर स्थित।देव प्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भोपालअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभाग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्याख्याओं, अर्थात् :—तारंग : 11-1-82
भोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1982

निदेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन) 2268—यतः मुझे,
दंव प्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं. प्लाट नं. 4 सर्वं नं. 412/4 है तथा जा छोटी
खजरानी इन्डौर में स्थित है (और इससे उपाबृध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, इन्डौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 20-5-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उक्तदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :--

1. श्री दिजय कुमार अग्रवाल 1/1 ओल्ड पलासिया
इन्डौर (म. प्र.)

(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मण दास बजाज एवं हरीश बजाज महारानी रोड
इन्डौर (म. प्र.)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृधि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

अविकसित प्लाट नं. 4 सर्वं नं. 412/4 जा छोटी खजरानी
तह. इन्डौर में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुनिधा के लिए;

जस: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपक्षारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दंव प्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, भोपाल

तारीख : 11-1-82
मोहर :

प्रकाशन नं. ८०१, टॉ. पा. पा.ग. ——————

1. श्री रमनाथ अव्वेकान १/१ लोल्ह पल्लागिला इन्दौर।
(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधिन माचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1982

निदेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन) 2271—अतः मुक्त
देव प्रिय पन्त,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लाट नं. 3 सबै नं. 412/3 है तथा जो छोटी
खजरानी इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीडर्ट अधिकारी के
कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीडर्ट अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 20-5-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक!) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूर्द किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, अद्दन अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री नन्द नान बजाज एवं प्रताप बजाज महारानी रोड
इन्दौर (म. प.)।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अधिकासित प्लाट नं. 3 सबै नं. 412/3 जो छोटी खजरानी
तहमीन इन्दौर में स्थित है।

देव प्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-1-82

मोहर :

श्रावण आई. टी. एन. एस. ——
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1982

निदेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन) 2272—अतः मुझे,
दंड प्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (प्रिये इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. स्य. मकान नं. 31 है, तथा जो हक्मचंद
मार्ग, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपादवध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 6-6-1981

को पूर्वोक्त मंपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथत
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मौजिधा के लिए;

जरा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विमल संत पूजा, 5 अमृतसरी मार्ग, निवासी
वाचन बाग, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार एवं वसंत कुमार पूजा श्री सम्पत्ति
कुमारी भूत, निवासी 20 मर मेठ हक्मचंद
मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तन्मत्वात्मी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित है, सही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थूनिसपल नं. 31, तीन मंजिला जो सेठ हक्मचंद
मार्ग, इन्दौर पर स्थित है।

देव प्रिय पत्त
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज, भोपाल

तारीख : 11-1-1982
मोहर :

प्रकल्प पाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 11 जनवरी 1982

निदेश सं. आई० ए० सी० (अर्जन) 2273—अतः मुझे, देवे प्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की व्यापा 269-घ (1) अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 7, डिवीजन नं. 3ए है, तथा जो भौंडारी मार्ग, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-5-1981 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पदार्थोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्म प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी वाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या गा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की व्यापा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की व्यापा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

7-456GT/81

(1) श्री सम्पत्र सिंह सुचेती पूत्र श्री जोधा सिंह सुचेती, 57 संयोगितांज, इन्दौर (म. प्र.). (अन्तरक)

(2) श्रीमती आवन वालिया पत्नी मनजीत सिंह वालिया, 3, पालासिया, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अधिकारी पर मूल्यान की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अस्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अधिकारी परिवार के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्लाट नं. 7, डिवीजन नं. 3-ए, डा. रोशन सिंह भण्डारी मार्ग, इन्दौर स्थित।

देवे प्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-1-1982
भोहर १

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1982

निवेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन) 2274—अतः मूर्ख,
देव प्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि, खसरा नं. 428 है, तथा जो
पिपलानी भोपाल में स्थित है (और इससे उपांबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का -16) के अधीन, तारीख 20-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तिक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री कलेश सिंह, सुभाग सिंह पुत्र रामलाल सिंह,
निवासी पिपलानी, भोपाल (म. प्र.).

(अन्तरक)

(2) (1) श्री निर्मल कुमार पूर्ण थी मानमल (2) श्री
रामप्रसाद पूर्ण कल्हेयालाल, (3) श्री धीमू सिंह
पूर्ण सेवाराम, (4) श्री धीसीलाल, सभी निवासी
पिपलानी, भोपाल, म. प्र.।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की ताप्रियल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के असरके
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आष-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

कृषि भूमि 51.60 एकड़, खसरा नं. 428 जो कि
पिपलानी, भोपाल में स्थित है।

देव प्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन राज, भोपाल

अतः वब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 5-1-82
मोहर :

प्रकृष्ट धाईं दो एवं एक—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 6 जनवरी 1982

निक्षेप सं. आई. ए. सी. (अर्जन) 2275—अतः मुझे,
देव प्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 378/2 है, तथा जो सुभाषनगर, जबलपुर
में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 25-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे असरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) असरण से हुई किसी याय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जमशेदजी एम. झूमास वल्द नसर वाजजी एम.
झूमास, निवासी कटनी, गजानंद टाकीज के पास
कटनी (म. प्र.)।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री रामेश्वरन वल्द रामनारायणवास अग्रवाल
हनुमानताल, (2) श्रीमती शान्ति देवी वल्द
पिंडियामार गुप्ता, लाजपत कुंज, नेपियर
टाउन, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के
लिए कार्यालयियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बदू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकें।

सांख्यिकरण :—इराम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनुसूची

मकान नं. 378/2, सुभाषनगर, नेपियर टाउन, स्ट्रीट नं.
773, प्लाट नं. 908/1, जबलपुर (म. प्र.).

देव प्रिय पत्त
सकाम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-1-1982
मंगल

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री करमशी जेसीगभाई, एस.टी.बस स्टेन्ड के नजदीक, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निदेश नं. एफ. नं. पी. आर. नं. 1520 अर्जन रोज़ 23-1/81-82—अतः मझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्व नं. 831 है, तथा जो गांव मकरबा, जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित करे गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थावर प्रतिफल का प्रन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक है से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छपने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(2) (1) श्री डाह्याभाई जेठाभाई, एस.टी.बस स्टेन्ड के नजदीक, अहमदाबाद,

(2) श्री तूलसीभाई वीट्ठलभाई, गांव वेजलपुर, जिला अहमदाबाद, (3) श्री कान्तीभाई विट्ठलभाई, गांव वेजलपुर, जिला अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में एरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 7502 वर्ग यार्ड है, सर्व नं. 381, जो गांव मकरबा, जिला अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 4905/18-5-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-12-1981
माहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 23 दिसम्बर 1981

निवेश नं. रफ़ नं. पी. आर. नं. 1521 अर्जन रंज 23-1/
81-82—अतः मँझे, जी. मी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एफ. पी. 409, सब प्लाट नं. 6, टी. पी.
एस. 3 है, तथा जो मीठाखली, चंगीसपर, अहमदाबाद में
स्थित है (और इसमें उपायदृढ़ अनमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16-5-1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री सुबोधकुमार शांतीलाल कुमार सुमगर की ओर से
मृत्युरनामा श्री सतीशचंद्र बुधलाल साह गीता बांग के
नजदीक, नूतन सोसायटी के सामने, सी. जी. रोड,
पालड़ी, अहमदाबाद-7।

(अम्तरक)

(2) श्री प्रवीणचंद्र नेमचंद्र साह, 10-अ०, वसंत विहार
सोसायटी, मीठाखली, सीक्स रोड, नवरंगपट्टा,
अहमदाबाद।

(अंतरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जानेपूर्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी थन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुष्यों

फ्लाट नं. 6 का दूसरा मंजला, कुल क्षेत्रफल 197 वर्ग यार्ड,
एफ. पी. नं. 409, सब प्लाट नं. 6, टी. पी. एस., जो
मीठाखली, चंगीसपर, अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका
पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीर्खत नं. 5556/
13-5-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-12-1981

मोहर :

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रस्तुप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 23 दिसंबर 1981

निदेश नं. एफ. नं. पी. आर. नं. 1522 अर्जन रेज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 107-2/5 पैकी है, तथा जो अचीर,
सावरमती, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-5-1981

को पर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने वाँ सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मफतलाल नारनदास प्रजापती, सावरमती, राम-
नगर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री परसमल दालतराय बागमर, को/ओ. राजेन्द्र-
कुमार गुलाबचंद, 705, न्यू क्लोथ मारकेट,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयांहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बमूसूची

फ्लेट नं. 8, कुल क्षेत्रफल 102 वर्ग यार्ड, सर्वे नं. 107-
2/5 पैकी अचीर, अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण
वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ट विक्रीखत नं. 5025/2-5-81
में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-12-1981

मोहर :

प्रश्न प्राइंटी टी० एन० एस०-----

श्रापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-1, अहमदाबाद

उहमदाबाद, विनांक 23 दिसम्बर 1981

निवेशन नं. रफ़. नं. पी. आर. नं. 1523 अर्जन रॉज 23-1/81-82—अतः मूँझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सदन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्व नं. 107-2/5 पैकी है, तथा जो अच्छीर,
सावरमती, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-5-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मूँझे, यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
प्रत्यरक (अस्तरको) और अन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए बीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुनिश्चित के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अन्तियों, घोषितः—

(1) श्री मफतलाल नारनदास प्रजापती, सावरमती, राम-
नगर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री लालचंद मोतीलाल (पं. य. एफ.), कर्ता-
श्री लालचंद मंदिरामजी, क/ओ. हिरोलाल लालचंद
एण्ड कम्पनी, 704, ए-14, मिंधी माकेट,
अहमदाबाद-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकैपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
बवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मञ्जन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अंध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

फ्लोट नं. 6, कल क्षेत्रफल 102 वर्ग यार्ड, सर्व नं.
107/2 पैकी अच्छीर, अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका
पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 5027/
2-5-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-12-1981
मोहर :

प्रलेप याईटीएनएस-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निवेश नं. एफ. नं. पी. आर. नं. 1524 अर्जन रंज 23-1/81-82--अतः मूर्ख, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को
भारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
पूर्ण 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वं नं. 107-2/5 पंकी है तथा जो अचीर,
सावरमती, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपान्दूध अनमूर्ख
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-5-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृहयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे बड़े विश्वास
करने का कारण है कि प्राप्तपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके बृहयमान प्रतिफल से, ऐसे बृहयमान
प्रतिफल के पम्बूद्ध प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
व्यापरण के लिए तथा काम का प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उत्तरण से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मा
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसा किसी आय या किसी बन या बृह्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में
मुक्तिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को भारा 269-व की उपस्थापा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मफतलाल नारनदास प्रजापती, सावरमती, रोमन
नगर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्रलाल अंपालालजी सराफगार, ठाकुरदास
बिल्डिंग, मरघावाड़, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रति ने संबंध में कोई भी आक्षेप।--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
द्वितीय किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी
के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ हीगा जो उपर अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं. 5, अनेकल 102 वर्ग यार्ड, सर्वं नं. 107-
2/5 पंकी जो अचीर, अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका
पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 5026/
2-5-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-12-1981
माहर :

१८८ आई० टी० एव० ग्र०—

राष्ट्रक, कृषिनियम, 1961 (1961 का 42) की धारा

269-४ : ॥ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यलय, महाधर्म आश्रम आपस्त्र (निरुद्धीकरण)

अर्जन रंज-१, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 दिसंबर 1981

निदेश सं. पी. आर. नं. 1525 अर्जन रेंज 23-1/81-
 82—अतः मर्फे, जी. सी. गर्ग,
 आद्यत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमर्भ-
 इसके पश्चात् 'उद्योग अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 57-1 पैदा है, तथा जो वालज मीम, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे डाकबदल उपसंचार में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता जिल्हाधीश के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधीनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और इसके सहित बाजार भूल्य, उसके दृश्यभाग प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल द्वा पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरखो) और अंतरिती (अन्तर रचनाओं) उचित प्रभाव के लिए इन दोनों भागों परिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित हो तान्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (1) गीर्जानी बीमलदेवी, श्रीनीलगढ़ानि, दिवसनदास की पत्नी, 'परारा', 'पर्वीन आलोकी', बवरंगपुरा, अहमदाबाद-१।

(अर्जुनराम)

- (2) लालभाई पृष्ठाटक्टम डॉ. अ. हा. सोसायटी
लिमिटेड, प्रागोन्नर और चौधरीजी, पंजाबभाई
कुवंदिकार, इटों, हरिहरता पीट, दरवीशपुर,
पंजाब।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यदाता होता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध से डोर्ट भी आश्रेपः—

- (६) इस मुद्दे के राज्यव्यवस्था प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि पर उत्तमप्रबन्धी व्यक्तित्वों द्वारा सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तित्वों से संकिसी व्यक्ति द्वारा;

(७) इस मुद्दे के राज्यव्यवस्था प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानार सम्पत्ति में हित-वहा किरणी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उत्तर अध्याय में लिया गया है।

- (क) अन्तरक के हार्ड किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायरेव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) द्वा उक्त भौद्यनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाते से संविधान के लिए।

अनसाची

जमीन जिसका कूल क्षेत्रफल 968 वर्ग गज, सर्वे नं. 57-1, एकड़ 0.32 एकड़ी जो दाढ़ज, अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण दर्घन अहमदाबाद रजिस्टरिटरी विक्रीखत नं. 2804/11-5-81 से दिया गया है।

জী. গী. গৰ্গ

संक्षम प्राधिकारी

सहायक आद्यकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-। अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आद. २१. एन. १८. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(1) कुमुदीनी रजनीकान्त लाखीया, न्यू ब्रूमशास्त्रीय
सोसायटी, एलीसबीज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) मीराबेन संहेलभाई लाखीया, नवरंगपुरा, अहमदा-
बाद।

(अन्तरिती)

भारत मण्डल

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-१, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 23 दिसंबर 1981

निदेश सं. पी. आर. नं. 1526 अर्जन रॉज़ 23-१/81-
82—अतः मझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 443, 444, प्लोट नं. ४ पैकी सब-प्लोट
नं. ८/३ है, तथा जो गांव बोडकदेव, जिला अहमदाबाद में
स्थित है (और इससे उपावधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 4-५-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से; ऐसी दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है ?

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण सं. हू-इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) प्रगों किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिहे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 935 वर्ग गज, सबै नं. 443
और 444 सब-प्लाट नं. ८/३ पैकी बोडकदेव, जिला
अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद
रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 5099/4-५-८१ में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-१, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 23-12-1981
मुद्रित

प्रलेप घाई० टी० एन०एस०---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 23 दिसम्बर 1981

निवेश नं. रफ. नं. पी. आर. नं. 1527 अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, पहुंच विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- ६० से अधिक है।

और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 101, सब प्लाट नं. 1, 2+3
टी. पी. एम. 3 है, तथा जो नवरंगपुरा, अहमदाबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसंधी में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 11-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एंसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा फाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
ओर/या

(घ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री गुलाबचंद करोड़ीमल दत्त, कर्ता श्री गुलाबचंद करोड़ीमल दत्त, टी. 37, शांतीनगर, वाड्ज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) हरिसिंघ को. ओ. हा. सोसायटी लिमिटेड की ओर से मेनेजर एफ. सी. चौधरी, हरिसिंघ को. ओ. बैंक लिमिटेड, हरिसिंघ चैम्बर, आश्रम रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति से अर्जन का सम्बन्ध ये होता है :—

(क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन तक अवधि या नसम्बन्धीय व्यक्तियों पर सुचना हो नामीन में 30 दिन की प्रवृत्ति, जो यो प्रवृत्ति तारीख में नामीन होती हो, जो भोतर अवौक्त व्यक्तियों में 9 किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दूद्वाद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रेकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, न अध्याय 20क में परिभ्रष्ट है, यहीं प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

ऑफिस नं. 15, कुल क्षेत्रफल 309 वर्ग फीट, एफ. पी. नं. 101, सब प्लाट नं. 1, 2 और 3 पैकी ज्मीन का कुल क्षेत्रफल 4590 वर्ग यार्ड तथा जो नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रेकर्ता विक्रीखत नं. 5439/11-5-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-12-1981

मात्र

क्रमांक आठ दा. एव. प्रस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निराकाश)

आर्जन राज्य-१, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 दिसंबर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1523 अर्जन रैंग 23-१/81-
82—अतः मुझे, जी. सी. मार्क,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के द्वारा सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. स अधिक है

और जिसकी मं. संख्या नं. 363, इसमा नं. 11, सौ. नं. 326 है जहां जो वाचन, अद्वायात्रा भवे लिखत है (और इसमें उपादान अनुच्छेद में और पृष्ठ नं. से तयित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद भवे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1903 (1908 नं. 16) के अधीन, 7-5-1981

के पूर्वोदय संसाल के उचित बाजार मल्टी में कम की दृश्यसाल प्रतिफल के लिए अन्तरित वारी गड़ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति संपोल्ट का उचित बाजार मल्टी, एक दृश्यसाल का नाम है। इसे इनमें संसाल का प्रतिफल में लिया जाता है जैसे अन्तरित (अन्तरिक्ष) और अन्तरिती (अन्तरितीर्तीय) के रूप में अन्तरित के लिए उत्तर भाग या प्रतिफल में अन्तरितिभित उद्दीप्त मुक्त का अन्तरित अन्तरित स्थिति में आस्तरिक है।

- (क) अन्तरण से हृदय किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

- (८) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) द्वा उक्त ओर्डरमय, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रज्ञन द्वारा इवान प्रबंद नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

- अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, इस अधिनियम की धारा 269-ए की अपारा (1) के अधीन, निम्नलिखित प्रदित्यों, अर्थात्—

- कानून आदि दा. एव. प्रस. ——————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती धनलक्ष्मीबेन रामचंद्र त्रीपाठी, 12, किशोर
 कालानी, संघवी हाईस्कूल के नजदीक, नवा वाडज,
 अहमदाबाद।
 (अन्तरक)
 (2) श्रीमती संयुक्ताबेन शीरोशिकान्त त्रीपाठी, मुखीवास,
 गोद सहेजपुर बौद्धा, अहमदाबाद।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त मम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त व्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किया।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति या हित-बद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवांशिकाक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुवादी

महान् जिसका कुल भूवर्कल 927 वर्ग यार्ड, सदैं नं. 368, हिम्मा नं. 11, सी. नं. 326, जो बाड़ज अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका एर्पण अहमदाबाद रजिस्ट्रेशन विभाग नं. 5253/7-5-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-।, अभम्बादावाहाद

पार्श्व : 23-12-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1529 अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. मी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी मं. संखा नं. 186, मब्रूज़ाट नं. 5, अफ.
पी. 589 है तथा जा. पालड़ी, अहमदाबाद में स्थित है (और
इससे उपायदृष्ट अनुभूति में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-5-81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह, विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच एम्बें अन्तरण के लिए तथा पाठ गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप में की थी तथा— किया गया है—:

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की शब्द, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवाग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यावहारिकों, अधार्तः—:

(1) श्री बदालदास नरसींहदास पटेल, आबावाड़ी,
नरसींहदास, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेशचंद्र जाववजी पटेल, चारूल फलेट्स,
आबावाड़ी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जिसका संख्या नं. 186, मब्रूज़ाट नं. 5, अफ.
पी. नं. 589, क्षेत्रफल 612 वर्ग मीटर है, 734 वर्ग यार्ड
तथा जो पालड़ी अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण
वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 5913/
21-5-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-12-1981
माहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अंतीम सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्ता (निरीक्षण)

अर्जिन राजा - । . अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनोक 23 दिसंबर 1981

निदेंश नं. पी. आर. नं. 1530 अर्जन रँज 23-1/81-
 82—अतः मूर्ख, जी. सी. गर्ग,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
 पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के
 अधीन मथम प्राधिकारी को यह विश्वास हटाने का कारण है कि
 स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
 से अधिक है

और जिसकी मं. मध्ये नं. 29-ए/1/1/1, मब प्लाट नं.
 16 पैकी है तथा जो 16 ए अचौर माबरमती, अहमदाबाद
 में स्थित है (और इससे उपावश्वध अनुसूची में और पूर्ण रूप
 से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद
 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
 अधीन, 16-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उद्दिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूल्य यह विश्वास तरंग का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का ऊपर बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर है जिसमें प्रधिक है और अन्तरक (अन्तररक्त) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षत्य), के बीच ऐसे मन्त्ररथ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उभय अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने पर सभसे बचने में सविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी छिसा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, या भ्रन्त-कर ग्राहिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिसाएँ में सविष्ठा के लिए।

अतः अब; उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-थ की जपघारा (1) के अद्विनि. निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. (1) श्री चुन्नी लाल छपारी
 (2) श्री भनजीभाई गनेशभाई
 (3) श्री शर्मले कीशन लाल, साबरमती, राम-
 नगर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री रमेशचंद्र रत्नीलाल शाह
 (2) चंद्रकलाबेन गनेशकुमार शाह, रामनगर,
 मावरमती, अहमदाबाद।

, (अन्तरिक्षी)

सो यह सूचना जारी करके गुर्वत्व अपनी के अजैन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उसने सम्पर्चिं ने अर्जन का संशोधन में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के शास्त्रात्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन से अधिक या तत्कालीन व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी यद्यपि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्णकाल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नगरसभा में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पर्याप्त साक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:- यह प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्वत 20-क म परिभाषित है, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अस्त्राय

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 562 वर्ग यार्ड, सर्वों नं. 29/ए/1/1/1 पैकी मध्य प्लाट नं. 16 पैकी 16-ए जो अचौर, साबरमती, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकलित नं. 5007/16-7-81 में दिया गया है।

जी भी जी

संस्कृत विद्या

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

तारीख : 23-12-1981

मोहर ३

प्रस्तुता आई.टी.एन.एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिसंबर 23 दिसंबर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1531 अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गा.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 31 पैकी सब प्लाट नं. 8, 9
और 10 है तथा जो एफ. पी. 93, टी. पी. एस. 15
बाड़ज, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण स्पष्ट दर्शनी है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 26-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाठ्य गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्णय में नामांकित
रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हृद्द किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने पर उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना बाहिणा था, शिपान में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

(1) श्रीमती दिनोदीपन भगवतीप्रसाद धाहू और अल्प,
12, दीर्घीजय मोमायटी, नारनपुरा, अहमदा-
बाद।

(अन्तरक)

(2) श्री रजनीकान्त चन्नीलाल पटेल, 11, हरिंसंघ
मोमायटी, नवरंगपुरा चार रस्ता, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ल) इस सूचना के गतिपद्धति प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 209 वर्ग मीटर, 250 वर्ग
मीटर, सर्वे नं. 31 पैकी सब प्लाट नं. 8, 9 और 10 टी.
पी. एस. 15, अफ पी. नं. 93, जो बाड़ज अहमदाबाद में
स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता
विक्रीखत नं. 6064/26-5-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-12-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1532 अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. मी. गर्भ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें हस्तमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. संख्या नं. 128-1 और 128-2-2 पैकी
प्राइवेट प्लॉट है तथा जो नं. 1 और 2 नरोडा, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध, अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदा-
बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 20-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्मे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्रम) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्छ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दोषेदी दामोदरा, गंत लीमढा, सनीगढ़र,
अहमदाबाद

(2) प्रपथोमल जगमल, गंत लीमढा, सनीगढ़र,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. स्वास्थी शोतीश्वाल अंपार्टमेंट्स, को. आ. हा.
संसायटी लिमिटेड (प्राइवेट), श्री परशोनम नेहर-
चंद्राम, लोहरावजी लोपाउरड, बाड़ा, अहमदा-
बाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में, प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिमिट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के संरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल $469+469=938$ वर्ग यार्ड, संख्या
नं. 128-1, 128-2-2 पैकी प्राइवेट प्लॉट नं. 1 और 2
पंचायत नं. 609/2/24 और 25, जो नरोडा, जिला
अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद
रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 5826 और 5827/20-5-81 में
दिया गया है।

जी. मी. गर्भ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-12-1981

मोहर :

प्रह्लृप प्राई० टी० एम० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निर्वेश नं. पी. आर. नं. 1533 अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. अफ. नं. 852 (हिस्सा) अम. सी. नं.
852/बी/5/5 है तथा जो टी. पी. अस. 3, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 5-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
वृश्चमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्चमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टिमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तररक्तियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाठा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में कुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः मम, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
9—456G1/81

(1) श्री अशोक कुमार जशवंत लाल मोदी, टंकशाल,
कालपुर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री बीलीष अंबालाल मोदी, आर. नं. 15, पी.
जी. होस्टीटल, न्यू सीविल होस्टीटल, असारावा,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलेट दूसरा मजला कमरा नं. 2, मेवावाला फलेट, थोकफल
105 वर्ग यार्ड, अफ. पी. नं. 852 (हिस्सा) अम. सी.
नं. 852/बी/5/5 जो टी. पी. अस. 3 अहमदाबाद में
स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्री-
खस नं. 5013/5-5-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-12-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1981

निवेश नं. रफ. नं. पी. आर. नं. 1534 अर्जन रेज 23-1/81-82—अतः मझे, जी. सी. गर्ग,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पांचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी सं. सर्व नं. 5223 है, तथा जो जीन्तन रोड,
 सूरनगर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और
 पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 बढ़वान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन, तारीख 16-5-1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती मनेहलता चंद्रकान्त अजमेरा, जीन्तन रोड,
 सूरनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री बीपीनचंद्र जयंतीलाल शाह, जीन्तन रोड, शारदा
 सोसायटी के नजदीक, सूरनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में दो किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान, क्षेत्रफल 200 वर्ग यार्ड, सर्व नं. 5223, जो जीन्तन रोड, सूरनगर में स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन बढ़वान रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीकरण नं. 2131/4/16-5-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 24-12-1981,
 मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1981

निवेश नं. रफ. नं. पी.आर. नं. 1535 अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्रम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. सर्व नं. 609 पैकी है, तथा जो धूगंघा,
जिला मुरनगर में स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची में
जौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
धूगंघा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 28-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे, दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री लाला हरोशचंद्र सिंह अजीत सिंह, देवला के
चोरा के नजदीक, धूगंघा, जिला मुरनगर।

(अन्तरक)

(2) भारती को. ओ. हा. सोसायटी लिमिटेड की ओर
से प्रभुलः—श्री जगजी शामजीभाई सोलंकी, धूगंघा।
(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके प्रत्येक प्रमाणि के प्रत्येक के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्रेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर प्रत्येक
व्यक्तियों में से निम्न अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताश्री के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं,
वही अर्थ होगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

मृदृशी

जमीन, क्षेत्रफल 5587.14 वर्ग मीटर, 6704 वर्ग यार्ड,
सर्व नं. 609 पैकी धूगंघा में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण
वर्णन धूगंघा रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 1192/28-5-81 में
दिया गया है।

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त :—

जी. सी. गर्ग
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 24-12-1981
माहूर :

प्रस्तुप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1981

निदंश नं. रफ. नं. पी. आर. नं. 1536 अर्जन रेंज 23-1/81-82—अतः मूर्ख, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 609 पैकी है, तथा जो धूगंधा, जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धूगंधा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ज) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री साला हरीशचंद्र अजीत सिंह, देपला के चोरा के नज़दीक, धूगंधा।

(अन्तरिती)

(2) कृष्णनगर को. ओ. हा. सोसायटी लिमिटेड की ओर से, थी कृष्ण विजय सिंह नटवर सिंह, श्यामी-नारायण कम्पाउन्ड, धूगंधा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, भेत्रफल 5645-35 वर्ग मीटर, 6774 वर्ग यार्ड, सर्व नं. 609 पैकी धूगंधा में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन धूगंधा रजिस्ट्रेकर्ता विक्रीखत नं. 1062/7-5-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

तारीख : 24-12-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1981

निवास नं. रफ. नं. पी. आर. नं. 1537 अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मूझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मं. सी. एस. नं. 221 है, तथा जो वडवान,
जिला सुरनगर में स्थित है (और इससे उपायदूष अनुमती में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, वडवान में राजस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 14-5-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तुविक
रूप से कठिनता नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वारिष्ठ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन मा अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जाना चाहिए था किसीमें से
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हसमुखलाल लाभचंद्र की ओर से कुल मूल्यार,
श्री काशीराम मणीलाल अडेसरा, 5, सरमंगल
सोसायटी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री शुसीलाक्ष्मीराम सुरामिंहजी जाला, (2)
श्री सुधीरसहजी सुरामिंहजी साला, "सुन्दर भवन",
वडवान सीटी, जिला सुरनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ता सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्यु

जमीन जिसका सर्व नं. 221, क्षेत्रफल 505 वर्ग मीटर,
606 वर्ग यार्ड, जो वडवान, सुरनगर जिला में स्थित है,
तथा जिसका पूर्ण वर्णन वडवान रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीकर्ता नं.
2100/14-5-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 24-12-1981
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1538 अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मर्के, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मं. सर्वे नं. 222 है, तथा जो बढ़वाण, जिला
सुरनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्यस्ती में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बढ़वाण में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 14-9-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरीती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षातः—

(1) श्री काशीराम मनीलाल अडेसरा, 5, सर्वभग्न
सोसायटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री सशीलाल मारीबा सुरसींहजी भाला, (2)
श्री सुधीरसींहजी सुरसींहजी भाला, "सुन्दर भवन",
बढ़वाण सीटी, जिला सुरनगर।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं. 222, धोनफल 496.48 वर्ग मीटर,
595 वर्ग याड़, जो बढ़वाण-जिला सुरनगर में स्थित है,
तथा जिसका पूर्ण वर्णन बढ़वाण रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं.
2101/14-5-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 24-12-1981
मोहर :

प्रध्यं आई. टी. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री महेन्द्र कान्तोलाल परीख, कर्ता एच. यू. एफ.
के, वादोपारा, शेरी नं. 2, सरन्द्रनगर।

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 विसम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1539 अर्जन रेंज 23-1/81-
82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वं नं. 4066, वार्ड जी है, तथा जो
सुरन्द्रनगर में स्थित है (और इससे उपाबूध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सुरन्द्रनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 6-5-81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 29,300 वर्ग मीटर, सर्वं नं. 4066
वार्ड जी, सुरन्द्रनगर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन
वडावाण रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीवत नं. 2008/6-5-81 में दिया
गया है।

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

जी. सी. गर्ग
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 24-12-1981

मोहर :

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रेस आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1981

निवेश नं. पी. आर. नं. 1540 अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्व नं. 97 पंक्ति है। तथा जो बठवाण जीला-
मुरनेंद्र नगर में स्थित है (और इससे उपाबृध अनुसंधी में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बठवाण में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 15-5-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(व.) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

1. श्री कानाभाई मालाभाई गंडवी गंडव-नाना मुडाड,
पोण्ट-नाना मडाड, तालुका-वडवाण।

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र सिंह नारासिंह पढ़ीयार जीन्तान शोड,
सुरनेंद्र नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में हिया
गया है।

अमृसूची

जमीन जिसका सर्व नं. 97 पंक्ति 8093 वर्ग मीटर औद्यो-
गिक संबंध के लिये और 8295 वर्ग मीटर आवास के लिये,
बठवाण में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन बठवाण रजिस्ट्रीकर्ता
विक्रीकरण नं. 2125/15-5-81 में दिया गया है।

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जाना जाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 24-12-81

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आद्वैटी.एन.एस. -----

ग्रामपाल ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) भी यहाँ
२६९-ष (1) से अधीन लगता

भारत भरका

कार्यालय, समायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिसंबर 23 दिसंबर 1981

निदं नं. पी. आर. नं. 1541 अर्जन रोड 23-1/81-
82--अद्व. मुझे, जी. सी. गर्ग,

ग्रामपाल ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अंतर्न समन प्राधिकारी को, वह विषयम करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं. सर्वं नं. 124-2, एफ. पी. 110, सब
प्लाट नं. 2 पैकी है तथा जो 2-ए-1 नवरंगपुरा, अहमदाबाद
में स्थित है (और इसमें उपाधिकारी अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 18-5-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यवान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यवान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यवान प्रतिफल का
पच्छह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (भ्रस्तरक)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए,
तथा पाया गया ग्रामपालिका उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
ग्रंथिनियम के प्रबीन कर देने के घ्रस्तरक के
वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ब) ऐसी किसी ग्राम या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामपाल अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस्त ग्रंथिनियम, या
ब्रन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के व्योजनार्थ अस्तरीय द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुश्किल के लिए।

अतः अब, उक्त ग्रंथिनियम की धारा 269-ष के ग्रन्तरण
में, मैं, उक्त ग्रंथिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

10—456GI/81

1. रत्नीलाल पार्क, को. ओ. हा. सोसायटी लिमिटेड
की ओर से संकेतकी:—श्री जर्डील ॥, शाह, पांच
रुता, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री श्रीदामाई बेहन्दरदास पटेल रंग उपदेश समायटी
सरदार पटेल स्टोरियम के नजदीक, अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के
निम्नलिखित व्यक्तियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के मध्यम में कोई भी ग्रामेष्ठ:—

(क) इस सूचना के एजाव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्चत
ग्रंथिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वहीं अवृत्त दोगा ये उन प्रधाय में विभा
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 299 वर्ग घार्ड है जो नवरंग-
पुरा अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदा-
बाद रजिस्ट्रीकर्ता दिक्षित नं. 5748/18-5-81 में दिया
गया है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

समायक ग्रामपाल आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रोड-1, अहमदाबाद

तारीख: 28-12-81

मोहर:

प्रेसप्रिंट ३४१० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 दिसम्बर 1981

निवेश नं. पी. आर. नं. 1542 अर्जन रेंज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. मी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी म. सर्वे नं. 124-2 एफ. पी. 110, सब प्लाट
नं. 2 पैकी है। तथा जो 2-ए-2, नवरंगपुरा, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपावदाध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
18-5-81

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अस्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छहों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया याया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायत्व में
कमी करने या उभें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या जिसा जाना चाहिए था, लिपने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. रतीलाल पार्क को. ओ. हा. सोसायटी लिमिटेड की
ओर से सेकेटरी:—श्री अरवींद ए. शाह पांच रस्ता,
नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रतीमाबेन शीदाभाई^२ पटेल रंग उपवन सोसा-
यटी, सरदार पटेल स्टेडीयस के नजदीक, अहमदा-
बाद।

(अन्तरिती)

मौजूदा सूचना आरी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के प्रज्ञा के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 299 वर्ग याड़, जो नवरंगपुरा
अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विक्रीकरण नं. 5749/18-5-81 में
दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-12-81

मोहूर :

प्रश्न आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 विसम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1543 अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्मा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी में मर्केनं 124-2, अफ. पी. 110 अंस. पी.
नं. 2 पैकी है। तथा जो 2-बी-1, नवरगपुरा, अहमदाबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 18-5-81
जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ष की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. रत्नीलाल पार्क को. ओ. हा. सोसायटी लिमिटेड की
ओर से बैंकेटरी—श्री अरवींद औं शाह पांच रस्ता,
नवरगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री बाबूभाई बचरभाई पटेल रंगउपवन सोसायटी
सरदार पटेल स्टेटीयम के नजदीक, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारहस्ताक्षरी के
पास निम्निति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 299 वर्ग यार्ड, जो नवरगपुरा,
अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद
रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखित नं. 5748/18-5-81 में दिया गया
है।

जी. सी. गर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-12-81

मोहर :

प्रस्तु शाई० टी० एन० ए४० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रयोग सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिसंबर 28 दिसंबर 1981

निदर्शन नं. पी. आर. नं. 1544 अर्जन रेज 23-1/81-82—अतः मृष्ट, जी. मी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन स्थान प्राधिकारी को, यह विषयात् करने का कारण है कि श्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है अधिक है

और जिसकी मं. मर्क्स नं. 124-2, अंक. पी. नं. 110 अंम. पी. नं. 2 पंक्ती है। तथा जौ 2-वी-2, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (ओर इसमें उपाबूद्ध अनुसूची में और पर्ण स्पृह से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18-5-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के ७५५मान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मृष्ट यह विषयाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त गम्भीर उचित बाजार मूल्य, उभयों दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अल्टिटो (अल्टिटियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया अंतिकल, विभन्नताओं उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में अस्वीकृत कर के कथित नहीं किया गया है ।

(१) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिकारी के प्रयोग कर इन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(२) ऐसी किसी आय या निभी धन या अन्य आस्तियों का जिसके भारतीय स्थायकर ग्राहितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्राहकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए शा. छिपाने में मुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्था । । ।

1. रतीनाल पाकर का. आ. हा. सोसायटी लिमिटेड की ओर से सेफ्टरी—श्री अरवींद ए. शाह पांच स्तर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री ललीतकमार एस. पटेल रंग उपवन सोसायटी, मरदार पटेल स्टेडियम के नजदीक अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस मूल्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन भी अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होनी दी, के भान्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 299 वर्ग याड़ है, जो नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूरण वरण अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीवत नं. 5751/18-5-81 में दिया गया है।

जी. मी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-12-81

माहूर :

प्रस्तुत आइर्टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसंबर 1981

निवाश नं. पी. आर. नं. 1545 अर्जन रेंज 23-1/81-
82—अतः मुझे, जो. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' पहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. अं 1 और अं 3 है। तथा जो रेस कोर्स, बीठल अपार्टमेंट, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-5-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, ते, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

1. मै. विठ्ठल कस्तुव्यान कम्पनी भागीदार श्री प्राणलाल विठ्ठलदास राजदेव और अन्य रेस कोर्स, राजकोट।
(अन्तरक)

2. श्री भीखालाल रामजीभाई पटेल अं-3, विठ्ठल अपार्टमेंट, रेस कोर्स, राजकोट, श्रीमती मीनाक्षीबेन अंथ संघवी अं-1 बीठल अपार्टमेंट, रेसकोर्स, राजकोट।
(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बिति के अर्जन के लिए कार्यान्वयित्व करता है।

उक्त सम्बिति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बढ़वा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननूसूची

फलंट नं. अ-3 और अ-1, विठ्ठल अपार्टमेंट, रेसकोर्स, राजकोट में स्थित है, जिसका क्ल क्षेत्रफल 1543-12 वर्ग फीट है तथा जिसका पूर्ण वरणन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता बिक्री-खत नं. 4277 और 4276/27-5-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 30-12-1981

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

'कार्यालय' सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

निदंश नं. पी.आर. नं. 1546 अर्जन रंज 23-1/81-
82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन गद्दम प्राधिकारों वां यह विश्वास करने का
कारण है कि संधार सम्पादन, जिसमें उचित दातार माल्य
25,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी में है। तथा जो में स्थित है
(जीर इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गजकाट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13-5-81
के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार माल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री भरवाड घेलभाई सीधुभाई बामनबोर।

(अन्तरक)

2. श्री बीजलभाई डुंगरभाई तारीया रामनगर शंरी नं.
6, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से
45 दिन की अवधि या तत्पंचांधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

जमीन जिसका काल धनकल 91571 वर्ग यार्ड तथा जिसका
पूरण धरण राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीदित नं. 3799/
13-5-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 30-12-81

मोहर :

पृष्ठ पार्टी.टॉ.एन.एम.-----

1. श्री भीमदीपार्द्ध गोतशीभार्द्ध अमजीदी मोलांगटी, राजकोट।

(अन्तरक)

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री शांतीलाल जेगमभार्द्ध मपारीया बजरंगवाडी,
राजकोट।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1547 अर्जन रॉज़ 23-1/81-82
—अतः मझे, जी. मी. गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वे नं. 489, प्लाट नं. 59, है तथा जो
राजकोट में स्थित है (और इसमें उपायदर्थ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 13-5-81।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और असंरीती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक
रूप में दोनों नहीं, फिर भी गया है।

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तात्पुरता से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

जमीन जो राजकोट में स्थित है, सर्वे नं. 480 पैकी प्लाट
नं. 59, थेबफल 930-8 वर्ग याड़ तथा जिसका पूर्ण वर्णन
राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीकरण नं. 3805/13-5-1981 में
दिया गया है।

जी. मी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-1, अहमदाबाद

तारीख : 30-12-81

सोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के पद्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1548 अर्जन रेज 23/1/81-82
—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-स के
अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. सर्वं नं. 86, प्लाट नं. 15 है तथा जो रेया,
राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन में 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) पन्ना में दृई किसी आय की वाचन, उक्त अधि-
नियम के पद्धीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
करने दर्द ग तथा बचन में मुविदा के लिए;
औरगा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावृत्त अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने
में मुविदा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री भरतकुमार अमृतलाल महेश कुल मुख्यार श्री
लक्ष्मीदाम हीराचंद लाखानी, दातापोड, राजकोट।
(अन्तरक)

2. श्री गोराधनदाम मादजीभाई पटांग गंदाकिशोर
मोसायटी, राजकोट।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या नत्संवंशी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि त्राद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय द्वारा
प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्धस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्थटोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो रेया, राजकोट में स्थित है, सर्वं नं. 86, प्लाट
नं. 15, कुन क्षेत्रफल 553-3 वर्ग याड़ तथा जिसका पूर्ण
वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 2643/मे 1981 में
दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 30-12-81

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1549 अर्जन रेंज 23-1/81-82
—असः मूर्ख, जी. सी. गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. संबंधी नं. 90 पैकी, प्लाट नं. 10 है तथा जो
नाना मावा, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 27-5-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्री नानालाल जत्थाभाई, नाताली मनीषन नानालाल
नाताली चंडूर, बोंबे-74

(अन्तरक)

2. श्री मूलचन्द बाबूमल जेठानी गमनाथपूरा राजकोट।

(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोहर भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृप्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्राप्त
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण में हड्डी किमी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

जमीन जो नाना मावा राजकोट में स्थित है संबंधी नं. 90 प्लाट
नं. 10, क्षेत्रफल 600 वर्ग याड़ तथा जिसका पूर्ण वर्णन
राजकोट रजिस्ट्रीकर्ट बिक्रीखत नं. 4305/27-5-81 में दिया
गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयदलत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 30-12-81

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11-456GI/81

प्रक्रम भाइ.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

निवेश नं. पी. आर. नं. 1550 अर्जन रोज़ 23-1/81-82
—अतः मर्फ़े, पी. सी. गर्म

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ('जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. संदर्भ नं. 96 प्लाट नं. 9 है तथा जो गांव
नाम मावा, राजकोट में स्थित है (ओर हस्ते उपादान
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 27-5-81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फ़े यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्रमें)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
पिक रूप में कीथित नहीं किया गया है :---

1. श्रीमती मनीषेन नानाभाई नाताली श्री मदमलाल नाना-
भाई नाताली, 122, क्लेक्टर कॉलेजी, चेम्बर,
बोम्बे।

(अन्तरक)

2. श्री भरेन भाई नारनभाई टांक सोरेठीबाड़ी, राजकोट
अमृतलाल लालाधर महतो 'मनी भूवन' चराइगाम,
घाटकोपर चेम्बूर-बोम्बे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तासीत से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
प्रिवेट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से है 'किसी बाय की वाक्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;
बाई/बा

(ब) एसी 'किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविहै था छिपाने में
सुविधा के लिए।

अनुसूची

जमीन जो नाना मावाराजकोट में स्थित है, संदर्भ नं. 96,
प्लाट नं. 9, क्लेक्टर कॉलेज 485-5 कर्ग पाड़ तथा लिमदा दर्जन
राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीकृत नं. 4304/27-5-1981 में
दिया गया है।

जी. मी. गर्म
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

तारीख : 30-12-81

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
से अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षा:—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री प्रवीणचंद्र रमनलाल पारेख श्रीमती भारतीबेन
प्रवीणचंद्र पारेख 3-वैशाली नगर, राजकोट।
(प्रत्यक्ष)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री हबीब अब्दुल रहीम शेख नेहरूनगर, राजकोट।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

निवेश नं. पी. आर. नं. 1551 अर्जन रंज 23-1/81-82
—अतः मूर्ख, जी. सी. गर्म

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 145, पैकी प्लाट नं. 7 है तथा जो
गांव रेया सीम, राजकोट में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 30-5-1981
को पूर्वोक्त भास्तुति के उचित बाजार मूल्य संकरण के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि दस्यमान प्रतिफल का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एंसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निति में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

जमीन जो गांव रेया सीम राजकोट में स्थित है सर्वे नं.
145 पैकी प्लाट नं. 7, क्षेत्रफल 404-5-0 वर्ग याड़ तथा
जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखित नं. 2709/
30-5-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्म
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के, अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारियों अर्थात्:—

सारीख : 30-12-81
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. पन्. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1552 अर्जन रेंज 23-1/81-82
—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 77, पंकी प्लाट नं. 13, पंकी है तथा
जो नाना माया राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अन्सूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन मई 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चवांशीकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए; .

अतः अथ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत:—

1. श्री सुधीरचंद्र चूनीलाल महेता 1, सरदारनगर,
राजकोट।

(अन्तरक)

2. (1) श्री भरतकुमार चमनलाल 1, सरदारनगर,
राजकोट।

(2) श्री कान्तीलाल चमनलाल, मोची बाजार,
राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो नाना माया राजकोट में स्थित है सर्वे नं. 77,
प्लाट नं. 13 पंकी क्षेत्रफल 306-8-72+306-8-72, तथा
जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रियता नं. 3364
और 3365/मे 1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 30-12-81
मोहर :

प्रृष्ठ प्रृष्ठ आई. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा

२६९-ष (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज-१, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 दिसंबर 1981

निदेश सं. पी. आर. नं. 1553/अर्जन रंज 23-१/८१-८२—यतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा २६९ ष के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं. सर्व नं. जी-४-१ पैकी प्लान नं. ११, प्लाट नं. २३ है तथा जो जामपुरी इस्टेट, जामनगर में स्थित है (और इसमें उपादवध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन १५-५-८१ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एंसे दूर्यमान प्रतिफल का प्रदृढ़ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्दि किसी आय की बादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष की उपभारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों का अन्तरण :—

१. श्री अरवींद लीलाधर वारीया वारीया-नो-दहोलो, जैन बैरासर के नजदीक, जामनगर।

(अन्तरक)

२. श्री अनिल जंठानन्द पारवानी, ८, कला सदन, ६६, ज्योतिबा कुले रोड, नगर, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सूचना हे अंतर्गत हे सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति का द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोइस्तानकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित है, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जीन जो जामनगर में स्थित है सर्व नं. जी-४-१, पैकी प्लान नं. ११, जामपुरी इस्टेट, प्लाट नं. २३, क्षेत्रफल ३३६.७६ वर्ग मीटर तथा जिसका पूर्ण वर्णन जामनगर रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. १७५४/१५-५-८१ में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर अधिकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज-१, अहमदाबाद

तारीख : 29-12-1981
नोटर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 दिसम्बर 1981

निवेश सं. पी. आर. नं. 1554/अर्जन रेज 23-1/81-82—यतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है
जो जिसकी सं. मूल्य हिस्सा जी-5 सर्वे नं. 39 प्लान बी-4 है
तथा जो प्लाट नं. 27-बी, पैकी 27-ए, जामनगर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-5-81
का, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय को बादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये
बीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. वर्षबिने हर्षवदन वारीया आनदवावा बकला नजदीक,
जामनगर।

(2) श्री गिरधरलाल देवजी पट्टनी, 3 पट्टेल
कालोनी, जामनगर।
(जन्तरस्क)

2. श्री गिरजाशंकर गोविन्दराम जोशी बम्बूर्द, अभी जाम-
नगर।
(जन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस वध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो मोटर हाउस के सामने स्थित है मूल्य हिस्सा शीट नं.
5, सर्वे नं. 39, पैकी प्लान नं. बी-1 प्लाट नं. 27-बी, पैकी
27-ए; क्षेत्रफल 2747.76 वर्ग फीट, 255.26 वर्ग मीटर
तथा जिसका पूर्ण वर्णन जामनगर रजिस्ट्रीकर्ता विकीसित नं.
1966/दिनांक 30-5-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 29-12-1981

माहेन :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० ए००--
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 30 विसम्बर 1981

निदेश सं. पी. आर. नं. 1555/अर्जन रेंज 23-1/81-
अतः मुझे जी. सी. गर्म,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के
अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संगति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
प्रधित है।

और जिसकी सं. सर्वं नं. 325/1 पंक्ती है तथा जो
वैजलपूर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावक्षुद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 5-5-81 को
दूर्वौक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति
प्रतिशत में प्रधित है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उक्त यन्त्रण में उक्त यन्त्रण निखित में वास्तविक
क्षमता नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण में ही किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रतीत नहीं है अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या निम्नी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या प्रतीत
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, प्रवृत्त, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथातः:—

1. बाई० जीजी मनाजी गणाजी की विधवा पत्नी, गांव-
वैजलपूर, जिला-अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. रामेश्वर विहार को.-ओ.-हा. सोसायटी लिमिटेड
चेयरमैन श्री गंगविन्दभाई० अम्बालाल पटेल, 2/1
कामेश्वर अपार्टमेंट, अम्बालाली, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर मूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध हिस्सी अवधि अवधित द्वारा अधोवृत्तान्ती के
पास लिखित में निए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित
हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उक्त अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन कुल क्षेत्रफल 937.75 वर्ग गज, सर्वं नं. 325/1
पंक्ती गांव वैजलपूर, जिला अहमदाबाद में स्थित है जिसका पूर्ण
वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 5111/5-5-
1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्म
सभी प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 30-12-81

मोहर:

'प्रसूप आहू', टी एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत भारत

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 दिसंबर 1981

निदेश सं. आर. ए. सी. नं. 225/81-82—यतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी मं. प्लाट है, जो पॉडरघास्ट रोड, सिकंदराबाद में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद में
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
महू, 1981
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिशत का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिशत, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रासादिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँहूँ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृतः—

(1) श्रीमती रतनबाई मेघजी पत्नी मेघजी द्वारा मेसेस
प्रेमजी भानजी एण्ड कं. घर नं. 29, चौथ बंदर,
पोस्ट बाक्स नं. 5032, बम्बई-9।
(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती जी. अनासुया बाई पत्नी श्री अम्बाजी
राव, 3-4-659/6 और 7 पहली मंजिल, नारायण
गुडा, हैदराबाद-29, 2. श्रीमती जी. अंबीका
बाई पत्नी श्री जी. पंछरीनाथ, 21-1-206/ए,
रीकाब राज, हैदराबाद-2, 3. श्रीमती जी.
नीरसलालबाई पत्नी जी. नरसींग राव, 21-1-463
में 465, रीकाबगंज, हैदराबाद, 4. श्रीमती
जी. मीरा पत्नी श्री जी. कीशन राव, 5. श्रीमती
जी. मीरवाई पत्नी श्री जी. शंकर राव, 6. श्री
जी. बाबूराव, 7. श्री जी. सुरेश्वरमार सुप्र
श्री जी. येलोजी राव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कौई भी आभेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्त्वधी व्यक्तियों पर सूचना
की दामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
बास लिखित में किए जा सकें।

प्रष्टोकरणः—इसमें प्रदूक्षा शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 64, एम. नं. 1-8-31 से 41 और 131 से
141, बापू बाग पॉडरघास्ट रोड, सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 380
वर्ग गज। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 292/81 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, सिकंदराबाद।

प्राप्ति. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 14-12-1981

मोहर :

प्रस्तुप माइ.टी.एन.एस.-----

1. श्री टी. रामेश्वरा बौधरी पिता स्वर्गीय लक्ष्मीपेरमालू
1-294, तारनामा, सिक्किमबाबाव
(अन्तरक)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री एम. शशीधर रेड्डी, पिता एम. चिन्ना
रेड्डी, भिकन्दराबाद।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निवेश नं. आर. ये. सी. नं. 226/81-82—यतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. कृपि भूमि है, जो पीजादीगुडा, हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबृक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उपल में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मध्य, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्छू प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्त हैं,
यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

कृषि भूमि 2.84 एकड़ों सर्वं नं. 64 पिरजादीगुडा गांव,
हैदराबाद पूर्व तालुका, हैदराबाद का भाग। रजिस्ट्रीकर्ता विलेख
नं. 1625/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, उपल।

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिस्ते भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पद-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 14-12-1981
मोहर: []

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पता हूँ--

प्रस्तुप बाहुदी.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

1. श्री टी. रामग्ना छोदरी पिता लेट लक्ष्मीप्रेमल
1-294 तारनामा सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. कृ. आनंदमाजी पिता श्री एम. शशीधर रङ्गड़ी,
28, लालागुड़ा, सिकन्दराबाद
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निदेश नं. आर. ए. मी. नं. 227/81-82--यतः मझे,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मं. कृषि भूमि है, जो पीरभावीगुड़ा हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाधाध अनुसन्धी में और पूर्वोत्तर से विश्वास
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उपल में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

क्वो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बृधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ण होगा जो उस व्यावर में विद्या
गया है।

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

कृषि भूमि 3 एकर, सर्वे नं. 64 का भाग। पीरभावीगुड़ा
गांव, हैदराबाद पूर्व तालुक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1428/81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, उपल।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हैं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैज, हैदराबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 14-12-1981
मोहर :

प्रृष्ठप आई.टी.एन.एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 जनवरी 1982

निवेश नं. आर. यं. सी. नं. 228/81-82—यतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जमीन है, जो बसीरबाग, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अन्यसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इन्द्रमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापवाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इन्द्रमान प्रतिफल से ऐसे इन्द्रमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्घोषण से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूमिकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
वया आ या किया जाना चाहिए था, इच्छाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्भातः:—

1. श्रीमति अबीदा जफर अली पति सयद जफर अली,
5-9-43, बसीरबाग, हैदराबाद, जी. पी. ए.
सयद असगर हुशन पिता सयद तासदक हुशन (2)
श्रीमती जाहरा बेगम पति सयद असगर हुशन (3) श्री
जफरहुशन पिता लेट रहमत अली, अली लोडी,
दारुलुक्फा, हैदराबाद।

(अस्त्रक)

2. (1) श्री राजाराम पिता लेट श्री इश्वरदास
(2) श्री सुरेशक मार पति लेट इश्वरदास, 5-9-
42/6, बसीरबाग, हैदराबाद।

(अस्त्रिती)

क्वे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृश्च
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्रसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 340 चौ. गज प्लाट नं. 1 और 2 का
भाग (सर्वों नं. 206 का भाग) मगनमहल गांव, एम. नं. 5-9-
46/5, बशारबाग, हैदराबाद टीन सेड के साथ। रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं. 2787/81। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, हैदराबाद

दिनांक: 2-1-1982
मोहर

प्रकल्प शाई० टी० एन० एस०—

प्रधानमंत्री, 1961 (1961 का 43) की आदाय
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 जनवरी 1982

जिवेश नं. आर. ये. सी. नं. 229/81-82—यतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,

बाबूल अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की आदा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 3-5-144/1 और अन्य है, जो कीगकोठी
रोड हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में
आई पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मई 1981

को पूर्वोंपत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम है वृद्धमान प्रति
फल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण
है कि यात्रूक्षित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है
श्रोः भग्नरक (भग्नरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे
अन्तरण के लिए तथा पाशा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से
उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(a) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबूत उक्त अन्तरित
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
भौरथा

(b) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्ति अस्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की आदा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की आदा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अनुदेः—

1. श्रीमती बालदा हुशन अनी कातीमा बेगम पति
अब्दुल्ला, 3-5-780/4, कीगकोठी रोड,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री अहमद बीन सालम अलीयास एमन अली पिता श्री
सालम बीन हुशन, 3-5-144/3, नारायणगुडा,
हैदराबाद।

(अन्तरीती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीकृत संपत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रयोग के संबंध में कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षितियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंन अविक्षितियों
में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
द्वितीय किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पात्र विवित में फिर जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त
अध्याय में दिया गया है।

नमूना

घर एम. नं. 3-5-144/1, मलगीज, 3-5-143/ए/
60, 61, 62, 63, विस्तीर्ण 500 च. गज कीगकोठी
रोड, हैदराबाद। रजिस्ट्रीकूट विलेख नं. 3182/81 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 2-1-1982
मोहर :

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस०—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 2 जनवरी 1982

निदेश नं. आर. ये. मी. नं. 230/81-82—अतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसमा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है, जो मटांगी गांव, संगारेडी स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अन्तर्गती में और पूर्णरूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगारेडी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;
मोर्या;

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री आर. बाल रेड्डी पिता पूली रेड्डी
(2) श्री आर. मल्ला रेड्डी पिता बाल रेड्डी
(3) श्री आर. मानीक रेड्डी पिता बाल रेड्डी
(4) श्री आर. हनुमंत राव पिता बाल रेड्डी मुटांगी
गांव, संगारेडी तालुक, जिला मेदक।
(अन्तरक)

2. मेसर्स अलेरा अल्युमिनियम प्रा. लि. 102, कला
मन्दिर, एस. डी. रोड, सिकन्दराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभ्रषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि 1 एकर, 17 गुण्ठे, सर्वं नं. 104 इ०. मुटांगी गांव,
संगारेडी तालुक, जिला मेदक। रजिस्ट्रीकर्ता विलेस नं.
1537/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगारेडी।

एस. गोविन्द राजन
सशम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

विनांक: 2-1-1982
मोहर :

प्रृष्ठ प अमृ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निदेश नं. आर. ये. सी. नं. 231/81-82—यह: मुझे,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. भीम है, जो मटांगी गांव, संगारड़डी स्थित
है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संगारड़डी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मई 1981

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
प्रियुक्ति में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की वावत उक्त अधि-
नियम के विनाश कर देने के अन्तरक के वापिस्य में
कमी करने या उससे उच्चने में सुविधा के लिए;
भाँड़/शा

(क) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आसिया
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहीए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—

1. श्री कडागांवी मलया पिता लक्ष्मण, मटांगी गांव,
संगारड़डी तालुक, मंदक जिला।

(अन्तरक)

2. मंसर्स अलेरा अल्युमिनीयम प्रा. लि. 102, कला-
मेशन, एस. डी. रोड, सिक्किम राजाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भीम । एकर, 15 गंठे, सर्वे नं. ।।। बी, मटांगी गांव,
संगारड़डी तालुक, मंदक जिला। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं.
1538/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगारड़डी।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, हैदराबाद

तारीख 4-1-1982
मोहर :

प्रकृष्ट वार्ड० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन पूछना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन राज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1982

निदेश नं. आर. ये, सी. नं. 232/81-82--यतः मुक्ते,
एस. गोविन्द राजन.

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-वीं
के अधीन सभी प्राधिकारी ओ, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मृ. भूमि है, जो मुटांगी गांव, संगारेड्डी स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और पृष्ठफूल से वर्णित है),, रजिस्ट्रीवार्ता अधिकारी के खारीलय, संगारेड्डी में भारतीय रजिस्ट्रीवारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्हु 1981

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थान्त्र प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से लाभित नहीं किया गया है:—

(क) प्रभारण से हुई किसी आप को बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में मुकिधा के लिए,
जीर्ण/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः यद्यपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, यौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. श्री तीरुमली हुगऱ्या पिता बालव्या, मूटांगी गांव,
संगारदेशी तालुक, जिला मेरक।
(मस्सरक)
 2. मंसर स अलोरा अल्युमिनीयम प्रा. लि. 102, कला-
मनेशत, एस.ए.ई. रोड, सिकन्दराबाद।
(अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथित के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :-

(क) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्वयी व्यक्तियों पर मूलना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रचिन नियम के प्रधायाय 20-के में परिभासित है, वही प्रथ्य होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

३८४

भूमि 1 एकर, 16 गुँठे, सर्वे नं 111। ए मुटांगी गांव, संगारेडी तालुक, जिला मंदका। रजिस्ट्रीकृत विलेस नं 1539/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगारेडी।

एम० गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण),
प्राप्ति रेज वैद्यताबाद

तारीख 4-1-1982

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1982

निदेश सं. आर. ये. सी. नं. 233/81-82—यतः
मुझे, एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. मूटांगी (भूमीन) है, जो स्थित है (और इससे
उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, संगारड़ी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1981
के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हृदय किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) पंसी किसी बाय या किसी भव या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभास्त् :—

1. (1) श्री आर. मल्ला रेड्डी पिता यल्लारेड्डी,
- (2) श्री आर. मानीक रेड्डी पिता मल्लारेड्डी
- (3) श्री आर. माधव रेड्डी पिता वही
संगारेड्डी तालुक, जीला मेदक।

(अन्तरक)

2. मौसूल जलोरा अलमिनीयम प्रा. लि. 102, कला-
मेनसेन, एस. डी. रोड, सिकंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमूल
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
निवित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ हैं जो उस अध्याय में दिया
गया है।

लग्नात्मक

भूमी विस्तीर्ण 0.35, गंठे, सर्वे नं. 102ए, मूटांगी
गांव, संगोरेड्डी तालुक, मेदक जीला। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं.
1540/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगारेड्डी।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, हैदराबाद

तारीख: 4-1-1982
मोहर :

प्र० प० आ०. टी. ए०. ए०. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1982

निवेश मं. आर. ये. सी. नं. 234/81-82—यतः
मुझे, प्रम. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी मं. भूमी है, जो मटांगी गांव में स्थित है (और इसमें
उपावद्य अनुमूल्यी में और एर्ण स्वप्न में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, संगोरेंडुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उत्तरदेवय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरिती हृष्यारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए-

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

13—456GI/81

1. (1) श्री आर. हनूमत रेड्डी पिता लक्ष्मीरेड्डी (2)
श्री आर. प्रभाकार रेड्डी पिता हनूमत रेड्डी (3)
श्री आर. शशीधर रेड्डी पिता हनूमत रेड्डी (4)
श्री आर. महेंद्र रेड्डी पिता हनूमत रेड्डी मटांगी
गांव, संगोरेंडुडी तालुक, जीला मेहक।
2. मंससु अनंता गल्यामनीयम प्रा. लि. 102, कला-
मंशन, एम. डी. रोड, सिकंदराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आधेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

भूमी 0.30 गंडे, मर्वे नं. 94 बी., मटांगी गांव, संगो-
रेंडुडी तालुक, जीला मेहक। रजिस्ट्रीकृत विलोक्त नं. 1549/
81 "रजिस्ट्रीकृत" अधिकारी संगोरेंडुडी।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-1-1982
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रँज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1982

निवेद सं. आर. ये. सी. नं. 235/81-82--यतः
मुझे, एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, का जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु. से अधिक है

और जिसकी रां. भूमि है, जो मूटांगी गांव स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संगोरडेडी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1981
को पर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चवें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में शामिल
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्त्ततः:--

1. (1) श्री आर. गोपाल रेड्डी पिता साईर रेड्डी (2)
श्री आर. प्रभाकर रेड्डी पिता गोपाल रेड्डी (3)
श्री आर. नारायण रेड्डी पिता लक्ष्मण रेड्डी (4)
श्री आर. जंगा रेड्डी पिता नारायण रेड्डी (5) श्री
आर. नरसीम्हा रेड्डी पिता वही (6) श्री आर.
श्रीनिवास रेड्डी पिता नारायण रेड्डी, मूटांगी
गांव, संगोरडेडी तालुक मंदेक जीला।

(अन्तरक)

2. मैसर्स अलंरा अन्युमिनीयम प्रा. लि., 102,
कलामनेशन, एम. डी. रेड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वारी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 0.35 गुड़े, सबै नं. 103-बी., मूटांगी गांव,
संगोरडेडी तालुक, मंदेक जीला। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1609/
81 रजिस्ट्रीकृत अधिकारी संगोरडेडी।

तारीख: 4-1-1982

मोहर:

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रँज, हैदराबाद

प्रस्तुप नाइर्स, टी. प्र०, एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1982

निवेश सं. आर. ये. सी. नं. 236/81-82--यतः
मूँझे, एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है
और जिसकी मूल्यांकनी (भूमी) है, जो स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, रेगोरेंडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यांकोंके संपर्क का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यांत्रिक
प्रतिफल निम्नलिखित उत्क्षेप से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से है इसकी किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. (1) श्री आर. भल्ला रंडडी पिता यल्लारंडडी (2)
श्री आर. मानीक रंडडी पिता मल्लारंडडी (3) श्री
आर. माधव रंडडी पिता इही (4) श्री आर. राजा
रंडडी पिता वही मुटांगी गांव, संगोरंडडी तालुक,
जीना मंदिर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स अलेरा अलमीनीयम प्रा. लि. 102, कला-
मेनसेन, एस. डी. रोड, सिकन्दराबाद।
(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येयः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमी विस्तीर्ण 0.35 एकड़ी, सर्वे नं. 103 ए, मुटांगी गांव,
तालुका संभ्या रंडडी, जीला मंदिर। रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं.
1610/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगोरंडडी।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 4-1-1982

मोहरः

प्रस्तुप आइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1982

निवेश सं. आर. ये. सी. नं. 237/81-82--यतः
मुझे, प्रस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है, जो मुटांगी गांव स्थित है (और इसमें
उपादान अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, संगारेडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, प्रसे दूर्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हड्ड किसी आय की बावन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) प्रगति किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. (1) श्री आर. भला रेड्डी पिता यल्लारेड्डी (2)
श्री आर. प्रभाकर रेड्डी पिता गोपाल रेड्डी में
(3) श्री आर. नारायण रेड्डी पिता लक्ष्मी रेड्डी,
(4) श्री आर. जंगारेड्डी पिता नारायण रेड्डी (5)
श्री आर. नरसीम्हा रेड्डी पिता नारायण रेड्डी,
मुटांगी गांव, संगारेड्डी तालुक, मधेश्वर ज़िला।
(अन्तरक)

2. मैसर्स अलंरा अन्युम्नीयम प्रा. लि. 102, कला-
मंशन, एस. डी. रोड, मिकंद्रावाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तात्पुरता से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहूध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 0.35 गंडे, सर्वे नं. 102 बी, मुटांगी गांव, संगो-
रेड्डी तालुक, मधेश्वर ज़िला। रजिस्ट्रीकरण विलेख नं. 1551/
81 रजिस्ट्रीकरण अधिकारी संगारेड्डी।

प्रायकर आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, हैदराबाद

तारीखः 4-1-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1982

निवास मं. आर. यं. मी. नं. 238/81-82—यह:
मृमें, एम. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. भूमि है, जो मृटांगी गांव, मंगोर-ड़डी में स्थित
है (ओर इसमें उदावश्य जनसूची में और पाणी रूप में दर्शित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगोर-ड़डी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई
1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल वो लिए अन्तर्भूत की रहे हैं और मृमें यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तर्का (अन्तर्कां) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एमें अन्तरण के लिए तब
पाश गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में मंविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री आर. बाल रंडडी पिता पूला रंडडी (2)
श्री आर. मल्ला रंडडी पिता बाल रंडडी (3) श्री
आर. मानीक रंडडी पिता वही (4) श्री आर.
हनुमंत राव पिता वही मृटांगी गांव, मंगोर-ड़डी
तालुक, जिला मंदक।

(अन्तरक)

2. मैसूर अलंग अल्युमिनीयम प्रा. लि. 102, कला
मंदिशन, एस. डी. रांड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
नदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि । एकर, 18 गुंठ, सर्व नं. 94 मी. मृटांगी गांव,
मंगोर-ड़डी तालुक, जिला मंदक। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 3620/
81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मंगोर-ड़डी।

एम. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, हैदराबाद

तारीख: 4-1-1982

मोहर:

प्रस्तुत्याहौ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1982

निवेश सं. आर. मं. सी. नं. 239/81-82—यतः
मुझे, एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मं. भूमी है, जो मूर्तांगी गांव, संगोरेड्डी स्थित
है (और इसमें उपाबृध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संगोरेड्डी मं रजिस्ट्री-
कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्छ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये
ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तारुमली दुर्गम्या पिता बालम्या, मूर्तांगी गांव,
संगोरेड्डी तालुक, ज़िला मंदेक।
(अन्तरक)

2. मैसूरु अलंरा अल्यमीनियम प्रा. लि. 102, कला-
मनशन, एस. डॉ. रांड, सिकंदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमी 1 एकर, 15 गुठं, सर्वं नं. 111 सौ, मूर्तांगी गांव,
संगोरेड्डी तालुक, ज़िला मंदेक। रजिस्ट्रीकृत चिलेक नं. 3261/
81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगोरेड्डी।

एस. गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रँज, हैदराबाद

तारीख: 4-1-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निवेश मं. आर. ये. मो. नं. 240/81-82-गत:
मुझे, एस. गोविन्द गजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मूल्य है, जो भगवंतपुरा, सिकन्दराबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री-
कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई
1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से है जिसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जारीस्थायों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री अमराम पेटा रेड्डी श्री अमराम नारायण रेड्डी
श्री अमराम विठ्ठल रेड्डी 1-11-266, 270,
271, भगवंतपुरा, प्रकाश नगर, मिकंदगाबाद।
(अन्तरक)
2. इंडियन एवं लाइनम् एम्प्लाईज को. आपरेटीव्ह
हाउजीम सोमायटी, रजिस्टर्ड नं. टी. ए. 484,
अध्यक्ष श्री डी. बी. भोडे, पिता श्री बी. की.
भोडे, 37, बीमनगर, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्बोधित के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहृष्ट करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रबन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में मात्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रश्नुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रारंभित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया
है।

अनुसूची

भूमी नं. 59/60, विस्तीर्ण 2,800 घौ. गज.
भगवंतपुरा, प्रकाशमनगर, मिकंदगाबाद। रजिस्ट्रीकृत विलेज नं.
323/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मिकंदगाबाद।

एस. गोविन्द राजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-1-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निदेश मं. आर. मे. सी. नं. 241/8.1-82--यतः
मुझे, प्रम्. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मं. भोलकपुर है, जो भगवंतपुरा हामलेट स्थित
है (और इसमें उपाधिक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिन्हदराबाद में रजिस्ट्री-
कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई
1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यथा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण
मं. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री प्रभन्त गंडुडी थी श्वीकोरण: रांडुडी थी अनंतसंन
रांडुडी 1-11-267, भगवंतपुर, बोगमपेट,
मिन्हदराबाद।

(अन्तरक)

2. वंडीयन एयर लाइन्स प्रम्पलाईंज का आपरेटीव हाउ-
जीग गोसाइटी, रजीस्ट्रेशन नं. टी. ए. 484,
अध्यक्ष थी टी. नी. भीड़, पिता थी वी. व्ही. भीड़
37, वीसननगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिथि
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तदसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से चिसी व्यक्ति इवाग;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूषण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट सर्वं नं. 60 भोलकपुर, भगवंतपुरा, हामलेट, विस्तीर्ण
2100 चौ. गज। रजिस्ट्रीकूट विलेख नं. 322/81-82 रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी मिन्हदराबाद।

प्रम. गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
तारीख 5-1-1982
माहेर :

प्रम. गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

प्रकृष्ट प्राईंटी ८० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निदेश सं. आर. ये. सी. नं. 242/81-82--यतः
मुझे, एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ल के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट है, जो भगवत्पूरा, सिकंदराबाद स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कीथ नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की आबत उक्त अधिनियम के अधीन का दर्जे के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीड़/या

1. श्री अमराम नीरंजन रेड्डी, घर नं. 1-11-267,
भगवत्पूरा, बेगमपट, सिकंदराबाद।
(अन्तरक)

2. इंडियन यशर लाइन्स यम्पलाईज को-ऑपरेटोर हाऊ-
जी ग्राम सोसाइटी, रजिस्टरेड नं. टी. ए. 484,
अध्यक्ष श्री डॉ. बी. भीड़, पिता श्री बी. व्ही.
भीड़, 37, वीमननगर, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्त-
बलूध किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रब्लीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्लाट, सर्वे नं. 60, भोलकपूर, भगवत्पूरा, हामलेट,
विस्तीर्ण 2100 चौ. गज रजिस्ट्रीकूट विलेज नं. 321/81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकंदराबाद।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, हैदराबाद

तारीख 5-1-1982
मोहर

अस: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अधिकृत हूँ—
14—456GT/81

प्रृष्ठा आई० टी० एन० प०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रश्नों सुचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

— निम्नोंसं. आर. ये. सी. नं. 243/81-82—यतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी ने यह विश्वास करने का
कारण है कि उपायर जनरल, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लाट है, तथा जो भगवंत पूरा, सिकंदराबाद
में स्थित है (और इसमें उपायद्वय अन्तर्भूत मौजूद है और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तद पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम को अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जौर/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः यदि, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, वृ. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमराम अंजी रेखड़ी, घर नं. 1-11-295,
भगवंतपूर, बोगमपेट, सिकंदराबाद।

(अन्तरक)

(2) इंडोयन एयरलाइंस एम्लाइंस कोओपरेटिव
हाउसींग सोसाइटी, रजिस्टर नं. टी. ए. 484,
अध्यक्ष श्री डी. बी. भीड़े पिता श्री बी. छ्ही. भीड़े,
37, विमन नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापे।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या अन्यान्य अवित्तियों पर पूछना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में
में किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किमी धर्य अविक्षित द्वारा अशोहस्त्राकारी के
पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्रसूची

प्लाट, सर्व नं. 60, भोलकपूर, भगवंतपूर, हामलेट,
विस्तीर्ण 3ए500 चौ. सी. रजिस्ट्रीकूत विलेस नं. 320/81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकंदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 5-1-1982
मोहर :

प्रकृति अर्हित दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निवेदा सं. आर. ये. सी. नं. 244/81-82—यतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पाछात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. खूली जमीन है, तथा जो शक्पेट गांव,
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपायदध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित न-उक्त धारा ये काम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और भव्य यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी नहीं या उनमें बबने में सुविधा
के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें न-उक्त धारा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उन अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1937 (1957 का 27)
के प्रयोगमाध्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, तिपाने में
सुविधा के लिए;

वतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुमन मधुकर जोशी पति एम. के. जोशी,
रोड नं. 5, नाइर लाइन्स, तारबंद, सिकंदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी. रामदंवी पति डी. सी. रामद्या,
बेगमपेट, सिकंदराबाद।
(अन्तरिती)

मैं पृष्ठ सूचना जारी करके उपर्योग सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसमध्ये अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में अमाप्त होती हो, के भीतर उपर्योग
व्यक्तियों में में हिस्सी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधकरण :—इसमें प्रयुक्त गद्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

खूली जमीन नं. 83 और 84, सर्वं नं. 403/29,
शेकपेट गांव, हैदराबाद, विस्तीर्ण 5417 चौ. गज, रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं. 2758/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-1-1982

मुहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निवेश सं. आर. ये. सी. नं. 245/81-82—यतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 6-2-350/5/ए/1 है, तथा जो बंजाराहील्स,
हैदराबाद में स्थित है (ओर इससे उपावदाध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से की थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसकी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए;
और/या

अमूसूची

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री विकराम राव पिता जी. एम. राव, जी. पी.
ए., श्री क्ली. राजस्वर राव, आई. ए. एस.
(रीटायड़) पिता स्वर्गीय वीर राघवराव, 8-1-617/
ए/4, रोड नं. 11, बंजाराहील्स, हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री जी. क्ली. धरमा रेड्डी पिता स्वर्गीय श्री जी.
वेंकट कृष्णा रेड्डी, 8-2-350/5/ए/1, रोड नं.
3, बंजाराहील्स, हैदराबाद-500034।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सम्पत्ति 8-2-350/5/ए/1, विस्तीर्ण 732 चौ. मी.,
रोड नं. 3, बंजाराहील्स, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकूल विलेख नं.
2985/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 5-1-1982
मोहर :

प्रत्येक आइ. टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ष (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद
 हैदराबाद, विनांक 5 जनवरी 1982

आर. ए. सी. नं. 246/81-82—यतः मर्फ़े, एस.
 गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ष के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25000/- स० से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट है, तथा जो शेकपेट, हैदराबाद में
 स्थित है (और इसमें उपाब्रह्म अनुसूची में और पृष्ठ से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैरताबाद में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 तारीख, मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से मुश्किल किसी व्याय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
 के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
 सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसो किसी व्याय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम,
 या बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्तः—

(1) श्री गुरदीप सिंह अरोरा पिता तीरथ सिंह अरोरा,
 घर नं. 38, संतोष नगर, मेहवीपटनम, हैदराबाद।
 (अन्तरक)

(2) श्री नीरज रावल पिता एम. एल. रावल, 1-1-
 93/67 बी, आर. पी. रोड, सिकन्दराबाद।
 (अन्तरिती)

कों यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कामयाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
 की सामीक्षा से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे :

स्पष्टीकरण :—दूसरे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

भौम का भाग विस्तीर्ण 1,210 बो. गज, सर्व नं. 330
 (पूराना नं. 129/49), शेकपेट गांव, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत
 विलेख नं. 963/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सैरताबाद।

एस. गोविन्द राजन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-1-1982

मोहर :

प्रूल्प आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 5 जनवरी 1982

नं. आर. ये. सी. 247/81-82—यतः मुझे, एस.
गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी संभूमि है, तथा जो चीना थोकट्टा गांव में
स्थित है (आर इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारंडपल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख भई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नोल्लिखित उद्देश्य न उक्त अन्तरण (दिन में वार्ताविक
रूप से कठित नहीं किया गया है):--

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(2) श्री वी. व्ही. प्रकाश रेड्डी और दो अन्य, बोवन
पल्ली, सिकंदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स अमर ज्योती वीककरणवान को. आपरेटीव्ह,
हाउसींग सोसाइटी, चाकलगुडा, सिकंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 1 एकड़, 18 गुंठे, सर्व नं. 91, चीनाथोकट्टा गांव,
बोवान पल्ली, सिकंदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेस नं. 1423/
81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-1-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री विष्णु चेटियार सी. रामास्वामी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

2. श्री अबद्दल हमीद।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1982

निदेश सं. 11411--यतः, मुझे, आर. रविचंद्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि मध्यवर्त गणराज्य, जिम्बाब्वे द्वारा बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. संवेद 1053/2ए, 1055 है जो मद्रासरवर में
स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाक-
मैट सं. 2195/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1981
के पूर्वीकृत भंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वीकृत भंपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण तिसित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

के यह सूचना जारी करके पूर्वीकृत भंपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त भंपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भंपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

मद्रास

भूमि-संवेद 1055, 1053/2ए, मद्रासरवर (डाक-मैट सं.
2195/81)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

आर. रविचंद्रन
समक्ष प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, मद्रास

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-1-1982

मोहर :

प्रस्तुप माई. टी. एन. एस.—

1. जे. एच. तारापुर 7, तारापुर एवेन्यू, मद्रास-31।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

2. श्री नरगेश केन् 6, तारापुर एवेन्यू, मद्रास-31।
(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास
मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1982

निवेश सं. 11490—यतः मूझे, आर. रविचंद्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वे नं. 491 है, जो नीलगिरि में स्थित है
(और इससे उपावक्त्व में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाकूमेंट सं. 1842/81)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मई 81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम वे अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि-सर्वे 49, नीलगिरी (डाकूमेंट सं. 1842/81)।

आर. रविचंद्रन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-1-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री रामकृष्ण महानियार मनोहरम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज०-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1982

निदेश नं. 16583—यतः मुझे, आर. रविचंद्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. आर. एस. 3082, 3062 है, जो ब्रिक
किलन रोड, मद्रास-7 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी को कार्या-
लय मद्रास नारत (डाकूमेंट सं. 1924/81) में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 81
को पूर्वोंकन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंका सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधामें लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
15—456GI/81

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि आर. एस. सं. 3082 और 3062, ब्रिक किलन
रोड, मद्रास-7 (डाकूमेंट सं. 1924/81)।

आर. रविचंद्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज०-।।, मद्रास

तारीख : 4-1-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1982

निवेश सं. 16417—यतः म.भे, आर. रविचन्द्रन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 33 है, तथा जो मादवन नायर रोड, मद्रास-
 34 में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप
 से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, टी. नगर
 (डाकूमेंट सं. 1238/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख में, 1981
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
 अन्तरीरती (अन्तरीरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
 गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (1) श्री मार्टेठ।
 (अन्तरक)
 (2) श्रीमती जमूना बाय।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
 बवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
 कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिये;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अन्तरीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अनुसूची

भूमि और निर्माण—33, मादवन नायर रोड, मद्रास-34,
 (डाकूमेंट सं. 1238/81)।

आर. रविचन्द्रन
 सक्रम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-11, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

तारीख : 4-1-1982
 मोहर :

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस.

(1) श्रीमती जानकी अम्माल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सामसठ रहमान।

(बन्तरिती)

जारी संख्या

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1982

निम्न सं. 9379—यतः मभें, आर. रविचंद्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 22 है, तथा जो नेताजी रोड, मन्जरकूप्पम से
स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटलूर (डाकूमेंट सं.
1017/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख में, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, एसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
क्रिया का रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(द) एसे किसी आय या किसी भनु या जन्म आस्तियों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
चनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आवृहए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्मिलित के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा
- (द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य अविक्षय द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिमाणित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—22, नेताजी रोड, मन्जरकूप्पम, कटलूर
(डाकूमेंट सं. 1017/81) (अयट्टम सं. 117, 118/81)।

आर. रविचंद्रन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-11, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों अर्थात्:—

तारीख : 4-1-1982

माहूर :

प्रस्तुति श्री.टी.एन.एस. -----

(1) श्रीमती आशिया बीबी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

(2) अधायी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1982

निवेश मं. 9350—यतः मृझे, आर. रविष्टन्दन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी मं. सर्वे 108ए है, तथा जो सूरमपट्टी में स्थित
है (ओर इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, इराडे (डाकमेंट सं.
1631/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मई 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाशेय में उक्त अन्तरण निर्धारित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे—108ए, सूरमपट्टी, (डाकमेंट सं. 1631/
81)।

(क) अन्तरण से हृह किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहीए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

आर. रविष्टन्दन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-11, मद्रास

तारीख : 4-1-1982
मोहर :

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

प्ररूप आई० टी० वन० एस०---
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1982

निम्नेश सं. 9451—यसः मुझे, आर. रविचन्द्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति त्रिमठा उद्दित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है

और जिसकी सं. टी. एस. 3539 है, तथा जो तामलबारूबद्यम
में स्थित है (और इसमें उपादान अनुमती में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, ओरेंगूर
(डाकूमेंट सं. 1081/81) में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह गुणात्मक से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के दृश्यरूप के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसो किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय भाय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-
जनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

बदल यद, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के दृश्यरूप में,
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) बड़िवेल चौटियार, रविचन्द्रन, राजनेन्द्रन।
(अन्तरक)
(2) अभिरतवल्लि।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्स्वास्थी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया
है।

वास्तवी

भूमि—टी. एस. सं. 3539, तामलबारूबद्यम, (डाकूमेंट
सं. 1081/81)

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख : 4-1-1982
माहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती आशिया बीबी, सरस्वति वीरम्पत्नि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1982

निदेश सं. 9350—यतः मुझे, आर. रविचन्द्रन,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सर्व 1315/1 है, तथा जो सूरमपट्टी में
स्थित है (और इससे उपाबूध अनुसूची में और पर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंराऊड (डाकू-
मेंट सं. 1632/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्छ किसी आय की नाबात उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

जनूसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

भूमि—सर्व—1315/1, सूरमपट्टी, (डाकू-मेंट सं
1632/81)।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, मद्रास

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 4-1-1982
मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० प०

(१) श्री विठ्ठल चौटेश्वार, रविष्ट्रन, राजेन्द्रन।

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
धारा २६९-ष (१) के अधीन सूचना
भारत सरकार

(अन्तरक)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-११, मद्रास

मद्रास, दिनांक ४ जनवरी १९८२

(२) परमेश्वरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधित:—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-के परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

मन्त्री

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहित के लिए;

**भूमि—टी. प०. ३५३९, तामलवारुबयम्, (डाक्टमेट सं.
१०८०/८१)।**

आर. रविष्ट्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-११, मद्रास

तारीख : ४-१-१९८१

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष की उपभारा (१)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकल्प यार्ड० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काशीलय, सहायक आयकर आमुदत (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1982

निवेश सं. 9371—यतः मुझे, आर. रविचंद्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
है से अधिक है।

और जिसकी म. 3/158 है तथा जो काजा नगर, के
अद्विषेकपुरम, ट्रिची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, ट्रिची (डाकमूँट सं. 1938/81) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
मई 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्लिन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्लिन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्लिन का पन्थ
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पास नया प्रति-
क्लिन निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कमित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या दूष्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) ननिनि उन्नि

(अन्तरक)

(2) दिवयमनि पच्चमूतु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वहीं प्रयोग होगा, जो उप अध्याय में किया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—3/158, काजा नगर, के. अद्विषेक-
पुरम, ट्रिची (डाकमूँट सं. 1938/81)।

आर. रविचंद्रन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण),
अर्जन रंज-11, मद्रास

वदः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपकारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जाहां :—

तारीख : 4-1-1982

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०---

(1) राम. बारुमूहम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) मनोहर जाठार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1982

निर्देश सं. 9372—शतः मुझे, आर. रविचंद्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रत्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. टी. एस. 2825/27 है तथा जो पलोपनठ-
वनम में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
करतटानकुठि (डाकूमेंट सं. 853/81) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
मई, 1981
के पूर्वोक्त वित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यालय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिक्षल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा फाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उपर्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भीम और निर्माण—टी. एस. 2835/28, पलोपनठवनम्
कीर्कोल्लि (डाकूमेंट सं. 856/81)।

आर. रविचंद्रन
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, मद्रास

शतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा(1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
16—456 GI/81

तारीख : 4-1-1982
मोहर

प्रस्तुप् बाइ० टी० एन० एच० -----

(1) राम० आरम्भुहम्

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) बी० निरमला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1982

निदेश सं. 9372—यतः मुझे, आर. रविचंद्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. टी. एस. 2835/28 है तथा जो पलोपनठ-
वनम में स्थित है (और इससे उपालब्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकरी अधिकारी के कार्यालय
करलटटानकुठि (डाकूमेंट सं. 855/81) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
मई, 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से दूर है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बूझ/आ

अनुसूची

भूमि और निर्माण—टी. एस. सं. 2835/28 पलोपनठ-
वनम (डाकूमेंट सं. 855/81)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

आर. रविचंद्रन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

तारीख : 4-1-1982
मोहर

प्रलेप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1982

निदेश सं. 9372—यतः मुझे, आर. रविचंद्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी. एस. 2835/28 है तथा जो पलोपनठ-
वनम में स्थित है (और इससे उपब्रूध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय
कर्जतटानकुठि (डाकूमेंट सं. 854/81) में भारतीय
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कीभूत नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हृदृ किसी आय की वापर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविहए था छिपाने में
सुनिभा ले लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) राम. आरमुहम .

(अन्तरक)

(2) पी. एस. बासकरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
मूल्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया
है।

मनुसूची

भूमि और निर्माण—टी. एस. सं. 2835/28 पलोपनठ-
वनम (डाकूमेंट सं. 854/81)।

आर. रविचंद्रन
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-11, मद्रास

तारीख : 4-1-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयत्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1982

निर्देश सं. एफ. 9372—यतः मुझे, आर. रविचंद्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. टी. एस. 2835/28 है तथा जो पलोपनन-छवनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रीजस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, करनालटानकुडी (डाकमेंट सं. 856/81) में भारतीय रीजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइं किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्युपर्याप्त, उक्त अधिनियम, की भारा 269-म के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री एम. आरमुषम, 79 एफ. राम कालोनी, टाउन पुलिस स्टेशन रोड, किलावासल, तान्जूर।
(अन्तरक)
(2) श्रीमती एम. कसतूरी, 14/1961, बाजार स्ट्रीट, करनडाइ, तान्जूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर उक्त सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि और निर्माण—टी. एस. सं. 2835/28 पलोपनन-उक्तम (डाकमेंट सं. 856/81)।

आर. रविचंद्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयत्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, मद्रास

तारीख : 4-1-1982
सोहर :

प्रत्येक वार्षिक टॉको एवं एस०—

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1982

निर्देश सं. 175/मई/81—यतः मुझे, आर. रवि-चन्द्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वा.
से अधिक है।

और जिसकी सं. आर. एस. सं. 154/16-बी, नं. 778
है तथा जो पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अन्तर्भूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, परियमेंट, मद्रास (डाकूमेंट सं.
622/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-5-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विवास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से नहीं लिया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) के. एम. अयना और अन्य

(अन्तरक)

(2) टी. वी. बैंकटरमन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तर्भूति

भूमि आर. एस. सं. 154/16 बी, नं. 778, पूनमल्ली
हाई रोड, मद्रास (डाकूमेंट सं. 622/81)।

आर. रविचंद्रन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज़-1, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 5-1-1982
मोहर :

प्रृष्ठ प. बाहर्. टी. एन. एस. -----

(1) के. एम. अयना और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मिनमिल मेनोन्

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1982

निर्देश सं. 176/भई/81—यतः मुझे, आर. रविचंद्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 154/16-बी, नं. 778
है तथा जो पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे
उपायद्रव अनुसूची में और पृष्ठ से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, पौरियमेट, मद्रास डाकमेंट सं.
623/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
गौरु/या

अनुसूची

भूमि—778, पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास (डाकमेंट सं.
623/81)।

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

आर. रविचंद्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 5-1-1982
मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस० —————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1982

निर्देश सं. 177/मई/81—यतः मझे, आर. रविचंद्रन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं. 778 है तथा जो पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपायद्वय अन्नसूची में और पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय पेरिमट, मद्रास (डाकूमेंट सं. 624/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-5-81 को पूर्णकृत तंपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) के. एम. अमना और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री लधाराम एम. बजाज और श्रीमती कमला लधाराम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके, पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्म के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्म के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममतूरी

भूमि—778, पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास (डाकूमेंट सं. 624/81)।

आर. रविचंद्रन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-1, मद्रास

प्रतः प्राप्त, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुस्तरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

तारीख : 5-1-1982
मोहर :

प्रसूत आई.टी.एन.एस.-----

(1) के. एम. अय्यना और अन्य।

(अन्तरक)

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती सरोज महालिंगम।

(अन्तरिती)

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1., मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1982

निर्देश सं. 178/मई/81—यतः मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. मं. 154/16-बी, है, तथा
जो 778, पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पैर्सनल रोड, मद्रास (डाकमैट सं.
625/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-5-1981

को पूर्णवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है—

क्योंकि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी आक्षेप है?

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा आधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
दही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

भूमि—778, पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास (डाकमैट सं.
625/81)।

आर. रविचंद्रन
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1., मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसारण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अनुसूचित अधिकारी का अन्तरण

तारीख : 5-1-1982
मोहर :

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस.-----

(1) श्री के. एम. अद्यना

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अजीत कुमार डो

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1., मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1982

निवेद नं. 179/मई/81—यतः मुझे, आर. रवि-
चंद्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 778 है तथा जो पूनमल्ली है रोड, मद्रास
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय पेरेम्पेट,
मद्रास (डाकमेंट सं. 626/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-5-81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पात्र गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उपरोक्त से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

मृमत्सूची

भूमि—778, पूनमल्ली है रोड, मद्रास (डाकमेंट सं.
626/81)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

आर. रविचंद्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात्:—

17-436GI/81

तारीख : 5-1-1982

मोहर :

प्रस्तुत आहे. टी.एन.एस. -----

(1) के. एम. अयना और अदरेस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) डॉक्टर रा. गंगाल मने

(अन्तरिती)

क्वो प्रति सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता है।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोह भी जाकोवः--

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1982

निवेश सं. 180/मह/81—यतः मुझे, आर. रविचंद्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 778 है तथा जो पूनमल्ली है रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्थित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय परियमेट, मद्रास (डाकूमेंट सं. 627/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मही 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्ह किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

मृदुली

भूमि—778, पूनमल्ली है रोड, मद्रास (डाकूमेंट सं. 627/81)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आर. रविचंद्रन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धतः :—

तारीख : 5-1-1982
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1982

निवेदित सं. 181/मई/81—यतः मुख्य आयकर अधिकारी

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 778 है तथा जो पूनमल्ली है रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरियमेट, मद्रास (डाकूमेंट सं. 628/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के ग्रधीन विन्दनिलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—

(1) श्री के. एस. बयना और अदस्ट

(अन्तरक)

(2) श्री एस. पी. जमाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूछना की नापील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोस्ताश्री के पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय-20 के परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—778, पूनमल्ली है रोड, मद्रास (डाकूमेंट सं 628/81)।

आर. रविचंद्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-1, मद्रास

तारीख : 5-1-1982
मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-१, मद्रास

मद्रास, विनांक 5 जनवरी 1982

निदेश सं. 182/मइ०/81—यतः मुझे, आर. रविचंद्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. आर. एस. सं. 154/16-वी, है तथा जो 778, पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पर्सीयमेंट, मद्रास (डाकमेंट सं. 630/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-5-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आसाधिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री के. एम. अय्यना और बन्धु।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एन. रमेशा और बन्धु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हृदृश किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि—778, पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास (डाकमेंट सं. 630/81)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकल्प नहीं किया गया था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आर. रविचंद्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-१, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 5-1-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री के. एम. अय्यना और अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के. चंद्रशन और वैषा चंद्रशन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1982

निवेश सं. 183/मई/81—यतः मुझे, आर. रविचंद्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. सं. 154/16-बी, नं. 778 है तथा जो पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरिन्यमंट, मद्रास (डाकूमेंट सं. 631/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-5-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित, बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल से निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण छिपाने में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिन्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या,

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः मम, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ६—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहमताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टौकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भीम—778, पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास (डाकूमेंट सं. 631/81)।

आर. रविचंद्रन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 5-1-1982

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइवेट टी. एन. १०८०-----
ग्रामपाल अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भारा की
269-ए (1) के प्रधीन सभा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1982

निवेश सं. 184/मई/81—यतः मुझे, आर. रविचंद्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. सं. 154/16-बी, नं. 778 है तथा जो पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुभूति में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, पैरियमेट, मद्रास (डाकूमेंट सं. 632/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री के. एम. अयना और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला रामानाथन।

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कथित वाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवृत्ति या तत्पद्धति व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी घम्य व्यक्ति द्वारा, प्रवोद्धस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिवारित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि—778, पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास (डाकूमेंट सं. 632/81)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घम्य प्रस्तिक्षणों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में मूर्चिषा के लिए;

आर. रविचंद्रन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के, अनुसूचण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभाषा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों व्याप्ति:—

तारीख : 5-1-1982
मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री के. एम. बयना और अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए. वी. में।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1982

निवेश सं. 185/मे/181—यतः मुझे, आर. रविचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. मेरीधिक है।

और जिम्मी सं. 778 है, तथा जो पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाधिक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, परियमेंट (डाकूमेंट सं. 633/81) मेरीजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1981 के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्द अनुशासन में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया जाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वहां अर्थ द्गेगा और उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसली

भूमि—778, पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास (डाकूमेंट सं. 633/81)।

आर. रविचन्द्रन
समक्ष अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, मद्रास

तारीख : 5-1-1982

मोहर :

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1982

निदेश सं. 186/मे/81—यतः मुझे, आर. रविचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' रुहा गया है), की धारा 269-प (1) के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- लाये वे अधिक है और जिसकी सं. 778 है, तथा जो पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाधान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पैरियमेट (डाकबूस्ट सं. 634/81) में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मे, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यष्टपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(a) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री के. एम. अय्यना और जदर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री जान विनसेन्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित है, वही शर्य दोगा, जो उत प्रदान ने दिया गया है।

मनूस्त्री

भूमि—778, पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास (डाकबूस्ट सं. 634/81)।

आर. रविचन्द्रन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, मद्रास

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

तारीख : 5-1-1982

मोहर :

प्रसूप बाईं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतगढ़, दिनांक 6 जनवरी 1982

निर्देश नं. प. ए. एस. आर./81-82/323—यतः मझे,
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'समें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वान करने
का लाभ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं. एक प्लाट है तथा जो सरकालर रोड, अमृत-
सर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप सं वर्णित है), रजिस्ट्रेशनी अधिकारी के कार्यालय अमृत-
सर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख महाँ, 1981

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वान
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित लद्दाशय में उल्लिखित अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में संश्लेषा
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मूर्चिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, स्वतः अधिनियम की धारा 269-घ की उपलब्ध (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

—456GT/81

1. श्रीमती कमला वसी पत्नी मोहन लाल, कुचा अर-
दासीया, चुरसटी अटारी, अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती राधा अरोड़ा पत्नी शाम सुन्दर अरोड़ा,
20 मंजीठ रोड, अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभेद में सम्पत्ति है)

4. और होई।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किए अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो 302 व. ग. है जो सरकालर रोड,
(गारडन कलोनी) अमृतसर में है जैसा मेल डीड नं. 5009
तिथि 28-5-81 रजिस्ट्रेशनी अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.
संक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 6-1-1982

मोहन :

प्ररूप आइ^१. टी. एन. एस. - - - - -

आद्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यलिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1982

निर्देश नं. ए एस आर/81-82/324--यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विएवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक हमारत है तथा जो कटड़ा बघीयां, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

1. श्रीमती प्रेम लता पत्नी नागर मल, वासी मकान नं. 1627 कटड़ा बघीयां, अमृतसर।
(अन्तरक)
 2. श्री कालदीप कुमार पुत्र अमरीक चंद, वासी सुलतानविंड, अमृतसर।
(अन्तरिती)
 3. विजय कुमार, विजय कुमार, चूर्णी लाल, बाबू राम, गुरीदियाल चंद, बूटा मल, संत राम, दीवान चंद व बांगा राम, कुल किरणा—720/- रु.।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबुद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूछाँक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही जर्ख होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसके अधिनियम के अधीन कर देने के मन्त्रको वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनसची

एक इमारत नं. 1627 का जो कटड़ा बघीयां अमृतसर में है जैसा सेतु झीड़ नं. 2715 तिथि 12-5-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आनंद सिंह, आई.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज, अमृतसर

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं^१, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

प्रख्युप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1982

निर्देश नं. ए प्रम आर/81-82/325—यतः मुझे,
आनंद सिंह, आर्ह.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक द्वारात है तथा जो कठड़ा बघीया,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का दारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साथित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आथ-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नागर मल पूर्व सरधा राम, वासी कठड़ा बघीया,
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री फकीर चंद पूर्व कांशी राम, वासी सुलतानविंड,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. विजय कुमार, विजय कुमार, चूनी लाल, बाबू
राम, गुरदियाल चंद, बूटा मल, संत राम, दीवान
चंद व बाबू राम; कुल किराया—720/- रु.।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसरी

एक द्वारात नं. 1627 का जो कठड़ा बघीया अमृतसर में
है जैसा सेल डीड नं. 5233 तिथि 29-5-81 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आर्ह.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, अमृतसर

तारीख : 6-1-1982

माहूर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1982

निर्देश नं. ए एस आर/81-82/326—उक्त: मुझे,
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. एक इमारत है तथा जो कटड़ा बघीया,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्वय अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मई, 1981
को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच पांच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से काथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी तिसी आय या किसी धन या ग्रन्थि आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
पन्त्रकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रेम लता पत्नी नागर मल, वासी मकान नं.
1627 कटड़ा बघीया, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती इन्द्रावती पत्नी फ़कीर चंद, वासी सुलतान-
विंड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. विजय कुमार, विजय कुमार, चुनी लाल, बाबू
राम, गुरदियाल चंद, बूढ़ा मल, संत राम, दीवान
चंद व बाबू राम, कुल किराया=720/- रु।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानना है कि वह सम्पत्ति ने हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की वर्दीय या तत्सम्बन्धी अविक्षितधों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भाग एक इमारत नं. 1627 का जो कटड़ा बघीया अमृतसर में
है जिसा सेल डीड नं. 4056 तिथि 18-5-81 रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, अमृतसर

तारीख : 6-1-1982

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०————
पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1982

निदंश नं. ए. एस. आर./81-82/327—यतः मूझे,
आनंद सिंह आई० आर एस,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. एक इमारत है तथा जो कटड़ा बधीयां अमृतसर
में स्थित हैं (और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुदित को
गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल नं. ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिशत से अधिक है,
प्रीर अन्वरक (प्रतारणी) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के लिए ऐसे अन्वरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्यों तथा अन्वरण विवित में वास्तविक
एवं सुविधा के लिए दिया गया है:—

(क) अन्वरण न हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख)ऐसी किसी आय या गिरी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, निहें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपदारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नागर मल पूर्व शरधा राम बासी कटड़ा बधीयां
अमृतसर।
(अन्तरक)

2. फकीर चंद पूर्व काशी राम बासी सूलतान विंड अमृतसर
(अन्तरित)

3. विजय कुमार, विजय कुमार, चूनी लाल, बाबू राम
गुरदियाल चंद बूटा मल, संत रम्य बीवान चंद व बाबू
राम
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहीया शुल्क करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर,
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अविक्षित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कटड़ा बधीयां अमृतसर में है जैसा सेत डीड
नं. 5871 तिथि 5-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर
में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई० आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 6-1-82
माहूर :

प्रस्तुप प्राई. टो. एम. एस.—

प्रायकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1982

निदेश नं. ए. एस. आर./81-82/328—यतः मुझे,
आनंद सिंह जाइ आर एस,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह
विश्वास रखने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी में एक इमारत है तथा जो कटड़ा बघीयां अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे वह विश्वास करने ता
कारण है कि पथार्वाद सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दशमान प्रतिफल से ऐसे दशमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिये तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से दूर फिसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या व्यापक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ना के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

१. श्री नागर मल पुत्र शश्या राम वासी कटड़ा बघीयां
अमृतसर।

(अन्तरक)

२. श्री धरम पाल पुत्र फकीर चंद वासी सुलतान चंद
अमृतसर।

(अन्तरिती)

३. विजय कुमार, विजय कुमार, चूनीलाल, बाबू राम
गुरावियाल चंद, बूटा मल संत राम, दिवान चंद
व बाबू राम।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

४. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्राहक
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्राहक के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेष—

(क) इस सूचना के रात्रिव में प्रकाशन की तारीख में
५५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के रात्रिव में प्रकाशन की तारीख से ५५
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध
नियोजित अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोप्रत्याजरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कटड़ा बघीयां में है जैसा सेल डीड नं. 5374
तिथि 1-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आइ.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज, अमृतसर

तारीख : 6-1-82
मोहर :

प्रलेप पाई० दी० दन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निवेश नं. ए एस आर/81-82/329—यतः मुझे, आनंद सिंह आई आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के ब्रेवीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० ५ ग्रामिक है

और जिसकी सं. एक प्लाट जो हाल गेट के बाहर में स्थित है (और इससे उपाबृक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पुनरे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पता चला प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निखित न होने का विवरण से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अमृतसर से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्र में कमी करने या हमसे बचने में सुविधा के लिए। धौर्या

(ग) ऐसो किसी आप या किसी उन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं इन अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

1. श्री गोपाल पुत्र चूनी लाल सपरा वासी कटडा हरी सिंह अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री बलवंत सिंह पुत्र लछमन सिंह वासी दियालपुर सूरिन्द्र सिंह पुत्र तारा सिंह वासी पटी जोगिन्द्र सिंह पुत्र बलवंत सिंह वासी सराए सतवंडी डा. भोरशी राजपूता तहसील तरत तारन ग्रामजीत सिंह पुत्र जरनील सिंह वासी समेवाली मकतसर जिला करोड़काट।

(अन्तरिकी)

3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रवृत्ति के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के धर्माय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन प्रश्नाय में विद्या गया है ।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 802 व. ग. है जो सराए संतराम के बंदर बाहर हाल गेट अमृतसर में है जैसा सेल डील नं. 4639 लिथ 25-5-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

आनंद सिंह, आई आर एस
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज, अमृतसर

तारीख : 8-1-1982
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. —————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निवेदन नं. ए.एस.आर/81-82/330—यतः मझे, आनंद सिंह आइ. आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उद्यत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो तरन तारन रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसंधी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीकरण 1981

को प्रबोचन सम्भवि के उचित बाजार मूल्य कम से कम के दृष्टिगत प्रतिफल के लिए अनुसंधी की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिगत प्रतिफल से ऐसे दृष्टिगत प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अमृतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उम्मीद से उक्त अमृतरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है।—

(क) अमृतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अमृतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अनुसंधी द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्राप्ति—

1. श्री तेजा सिंह पुत्र सरन सिंह उर्फ सरनी सिंह वासी अमृतसर चौक मना सिंह द्वारा सज्जन सिंह पुत्र तेजा सिंह चौक मना सिंह।

(अन्तरक)

2. श्री मोहन सिंह पुत्र सज्जन सिंह वासी तरन तारन रोड वाटोविंड गेट के बाहर अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना दाने करने पूर्वीन संपत्ति के व्रजन के लिए कार्यवाहियों द्वारा है।

उक्त संपत्ति के प्रवेश के सम्बन्ध में कोई भी आशंका—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नापाल होती है, ते भीतर पूर्वीन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा प्रधोइस्ताक्षरी के तात विभिन्न में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायवाद जो तरन तारन रोड वाटोविंड गेट के बाहर है जैसा सेल डीड नं. 4334 तिथि 20-5-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, अमृतसर

तारीख : 8-1-1982
मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निवेश नं. ए एम आर/81-82/331—यतः मर्फे, आनंद
सिंह आइ आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो तरन तारन रोड
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मई 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अक्षरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चह प्रतिगत में प्रतिकृति और पहलि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया जाय प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तुतक के
बायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य ग्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए।

वतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-व के
उन्नुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपलाई (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, वक्ता :—
19 —456GI/81

1. श्री तंजा सिंह पूर्व सरन सिंह उफे सरनी सिंह वासी
अमृतसर चौक मना सिंह द्वारा सजन सिंह पूर्व तंजा
सिंह चौक मना सिंह।
(अन्तरक)

2. श्री जगजीत सिंह पूर्व दर्शन सिंह वासी चाटीविंड गेट
के बाहर तरन तारन रोड अमृतसर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेवार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बजें के
लिए कार्यवाहियां चारता हैं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजेन के संबंध में कोई भी आशेष।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
द्विसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ जिसी
वन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा भएंगे।

इष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदोंका, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क. में परिचायित हैं; वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसरी

एक जायदाद जो तरन तारन रोड चाटीविंड के बाहर है जैसा
सेल डीड नं. 4335 तिथि 20-5-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में वर्ज है।

आनंद सिंह, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, अमृतसर

तारीख : 8-1-1982
माहेन :

प्रलेप आई.टी.एन.एस. -----
आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निवेश नं. ए एस आर/81-82/332--यतः मुझे, आनंद
सिंह आई आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘वित्त इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है’), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लाट है तथा जो करिश्मा सकेयर में स्थित
है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
महाँ 1981

को पूर्वीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने आ कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से छह किलो आब की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में लुप्तिका
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के, अनुसूचण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः:—

1. श्री रजिन्द्र सिंह पूत्र सुन्दर सिंह वासी शहीद भगव
सिंह कलोनी अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री महिन्द्र पाल सिंह मलहोत्रा पूत्र इन्द्र सिंह मलहोत्रा
वासी अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्तीकरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

करो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कानूनीहीं करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तीकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं,
वही बर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 250 व. ग जो आमादी करिश्मा सकेयर
अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 4015/18-5-81 रजि-
कर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

आनंद सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, अमृतसर

तारीख : 8-1-1982
मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़; अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निम्नोंका नं. ए एस आर/81-82/333—यतः मझे, अनंद
सिंह आर्द्ध आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ह के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लाट है तथा जो फतहचक तरन तारन में
स्थित है (और इससे उपाबृथ अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय की बात, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री उजागर सिंह पूर्व आशा मिंह वासी फतहचक तह-
सील तरनतारन।

(अन्तरक)

2. श्री दरबारा मिंह पूर्व उजान सिंह वासी मूरादपर तह-
सील तरनतारन।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबृथ है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयमें करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की बद्धिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृथ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
मिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के बद्धाय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि 3 कनाल 10 मरला जो फतहचक तरन तारन में है
जैसा सेल डीड नं. 697 तिथि 4-5-81 जो रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी तरनतारन में धर्ज है।

आनंद सिंह, आर्द्ध आर एस
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, अमृतसर

तारीख : 8-1-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एच० एस०---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रंज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निदेश नं. ए एस आर/81-82/334—यतः मर्भे, अनंद
सिंह आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
को धारा 269-घ के अधीन ममतम अधिकारी को यह विषयास करने
का कारण है कि इसके पश्चात् उक्त अधिनियम को धारा 269-घ के अधीन
25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. एक भूमि का प्लाट है तथा जो ईस्ट मोहन नगर
में स्थित है (और इसमें उपावधि अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख मई 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्डू प्रतिशत से
अधिक है और प्रन्तरण (प्रारंभी) और पन्तरिती (अन्तरितियों)
के सूचक ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रनुसरण में
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षतः:—

1. चेयरमन इम्प्रूवमेंट ईस्ट अमृतसर।
(अन्तरक)
2. नरिन्द्र सिंह, अमरजीत सिंह, हर्गवंस सिंह पूर्व
आतमा सिंह अमृतसर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताभारी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति से अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

संषोधन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही
शर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो 825 व. ग. है जो ईस्ट मोहन नगर
अमृतसर में है जैसा कि सेल डील नं. 4793/26.5-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद मिंह, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर अधिकारी
अर्जन रंज, अमृतसर

तारीख : 8-1-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

'कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निदेश नं. ए एम आर/81-82/335—यन: मुझे, आनंद
सिंह आई आर एम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ए के प्रधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
है। में अधिक है।

और जिसकी सं. एक भूमि का प्लाट है तथा जो सुन्दर नगर में
स्थित है (और इसमें उपाबृद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार,
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल- का
पन्नहूँ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्तों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निमालक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की वायस उक्त अधि-
नियम, के प्रधीन करदेश के प्रधारक के पालित में कमी
करने या उक्तसे बचने में कुविधा के मिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे सारसीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा
(1) के प्रधीन, विस्तवित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गंगा सिंह पुत्र सुन्दर दाम गंड भागता वाली गन्नी
पहलवानी अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती परमजीत कौर पत्नी अजीत सिंह चीमा व
बलविंद्र पाल कौर पत्नी सूरत सिंह अमृतसर पंजाब
एड सिंध बैंक चौक चितपुरनी अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैमा उपर म. 2 में कोई किरणदार है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके दार में अधोहस्ताक्षरी
जोनता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 340 व. ग. है जो सुन्दर नगर अमृतसर
में है जैसा संल डीड नं. 4179/19-5-81 राजस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई आर एम

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 8-1-82

मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निदेश नं. ए एस आर/81-82/336—यतः मुझे, आनंद
सिंह आई आर एस,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं. एक प्लाट है तथा जो गुमटाला में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई,
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का निवारण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या .

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः नब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, दृष्ट अधिनियम की धारा 260-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नांकित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जसवंत सिंह पुत्र संगल सिंह वासी गुमटाला
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री जतिद्रंजीत सिंह रंधवाला पुत्र गुरदीप सिंह रंधवा
रानी का बाग वासी अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैमा उजपर सं. 2 में कोइ किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ओर कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 2 कनाल जो गुमटाला अमृतसर में है
जैसा सेल डीड नं. 2116/4-5-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई आर एस

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 8-1-82

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निवेश नं. प.एस आर/81-82/337—यतः मर्भे, आमंद सिंह आई.टी.एन.एस. 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. एक प्लाट है तथा जो गुमटाला में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्भे, यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकल्प नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

१. श्री जसवंत सिंह पुत्र मंगल सिंह वामी गुमटाला अमृतसर।

(अन्तरक)

२. मंजर मनजीत सिंह रघवा पुत्र गुरदीप सिंह रानी का द्वाग, अमृतसर।

(अन्तरिती)

३. जैसा उत्पर म. २ में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

४. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 3 कनाल जो गुमटाला अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 2115/4-5-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह आई.टी.एन.एस.,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 8-1-82
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रँज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निवेदित नं. प.एम.आर/81-82/338—यतः म.भ्र., आनंद
सिंह आई.टी.एन.एस.,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को
धारा 269-घ के धर्मीन् प्रभ्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि यथावत् सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी नं. प.एक प्लाट है तथा जो गूमटाला में स्थित है
(और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते पद विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल गे, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पदह
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

बताया था, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, नं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जसवंत सिंह पुत्र मंगल सिंह वासी गूमटाला
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री तजिद्रं सिंह पुत्र मनजीत सिंह वासी अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जंसा उपर म. 2 में कोइं किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोइं।
(वह व्यक्ति, जिनके द्वारा में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदध है)
को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20 के परिभासित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 3 कनाल जो गूमटाला अमृतसर में है
जैसा सेल डोड नं. 2117/4-5-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में वर्ज है।

आनंद सिंह आई.टी.एन.एस.,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रँज, अमृतसर

तारीख : 8-1-82

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की।
धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निवेश नं. ए एस आर/81-82/339—यतः मूझे, आनंद सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसको इसं पूर्ण रूप से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पथ्यपूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नव पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्निन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में मुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अर्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता जाहिए था, छिराने में
मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

20-456GJ/81

1. श्री समीर सिंह पुड़ हजार सिंह वासी सूलतान विंड
तहसील अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री नगीर चंद पुत्र शाम सिंह वासी कोट बाबा दीप
सिंह गली नं. 5 मकान नं. 4145 अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हैं।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्तवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रञ्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रञ्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक शोड जो मुलतानविंड सब अरबन अमृतसर में है जैसा सेत
डोड नं. 2517/8-5-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में
दर्ज है।

आनंद सिंह
संधार अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, अमृतसर

तारीख : 8-1-82

मोहर :

प्रस्तुप आइ० टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निवेश नं. ए एस आर/81-82/341—यतः मूर्ख, आनंद सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लाट है तथा जो आबादी बाबा इशार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती क्षेत्र प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः वब, उक्त अधीन यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. चेयरमेन इम्प्रेवमेट टरमट अमृतसर।
(अन्तरक)
2. श्री जोगिंद्र लाल वासी 35 मामने रेंजवे सदौशन अमृतसर।
(अन्तरिती)
3. जैसा उपर सं. 2 में कोइं किरायेदार है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. आर कोइं।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आदेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 417-64 व. मी. है जो बाथा इशार हास अमृतसर में सेल डील नं. 2285/6-5-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

तारीख : 8-1-82

मोहर :

आनंद सिंह,
मध्यम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री प्रेम नाथ पृष्ठ धर्म चन्द 8 जोशी कलोनी, अमृतसर।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा

(अन्तरक)

269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री भोला नाथ पृष्ठ किशन चंद लीला वसी पल्ली भोला नाथ कटरा दूलो अमृतसर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

3. जैसा उत्पर सं. 2 में कोई किरायेवार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निदेश नं. ए.एस.आर/81-82/342—यतः मुझे, आनंद मिंह आई आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक दुकान है तथा जो मिशनी बाजार में स्थित है (और इसमें उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाष में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हाई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था

अनुसूची

एक दुकान जो मिशनी बाजार अमृतसर में है जो जैसा सेल डोड नं. 2506/8-5-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आनंद सिंह, आई आर एस
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 3 चंद्र पूरी अमृतसर

मतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 8-1-82

मोहर :

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

सहायक आद्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निदेश नं. ए प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस. 81-82/340—यतः मूर्ख, आनंद
मिंह आइ.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवाह संकरने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिमकी सं. एक प्लाट है तथा जो कीरणाना सकेयर अमृतसर
में स्थित है (और इसमें उपालदध अनुगच्छी में और पूर्ण रूप में
दर्शित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के द्वारा नियम, अमृतसर में
राजस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
नामिक महां, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की पढ़ी है और मूर्ख यह विवाह
करने का कारण है कि यथाप्रदेवक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से ऊर्ध्व अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़े किसी भाव की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भूमि या अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
वाया या या किया जाना आविहए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमीर चन्द्र पुत्र मूल चन्द्र वासी ओंक पासीयों
कूचा मसी वाला अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री बी. डी. जोशी पुत्र एन. सी. जोशी विमल
जोशी बी. डी. जोशी वासी गुरु नानक बाज़ा मकान
नं. 1573/23, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जेमा उम्पर सं. 2 में कोइ फिरायेदार हूँ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. और कोइ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कर्तव्याधियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की दामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 311-11 ब. ग. जो कीरणाना सकेयर
शिवाला भाड़ियों अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 2937/
15-5-81 राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद मिंह, आइ.टी.एन.एस.
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, 3 चंद्र पुरी अमृतसर

तारीख : 8-1-82
मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

भारतीय बन सेवा परीक्षा, 1982

सं० एफ० 13/4/81-प०-१ (ब)

नई विल्सी-110011, विनांक 13 फरवरी 1982

भारत के राजपत्र विनांक 13 फरवरी, 1982 गह मंदालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार भारतीय बन सेवा में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अगरतला, अहमदाबाद, इलाहाबाद, एजल, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचीन, कटक, विल्सी, विस्पुर (गोहाटी), हैवराबाद, इमालाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कांहिमा, लखनऊ, मद्रास, मामपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्टब्लैयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर तथा शिवेन्द्रम में, 25 जूलाई, 1982 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों की उक्त परीक्षा के लिए उनकी प्रवेश के कदम देने की सभी प्रयाप किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार की अपनी विभाग पर प्रवेश केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्प्लस (स्प्लो) की जानकारी दे दी जाएगी (अनुबंध I, पैरा 11 विषेष)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित सं० 100 है (इनमें अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 15 रिक्तियाँ और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 8 रिक्तियाँ सम्मिलित हैं) इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले, उम्मीदवार को निर्धारित प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, घौलपुर हाउस, नई विल्सी-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये (रु० 2.00) भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, घौलपुर हाउस, नई विल्सी-110011, को मनीग्राहर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नहीं विल्सी जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल प्राईंस द्वारा मेंजो जानी चाहिए। मनीग्राहर, पोस्टल प्राईंस के स्थान पर बैंक या कर्सो नोट स्वीकार नहीं किये जाएंगे। ये आवेदन प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नक्क भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये (रु० 2.00) की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट :—उम्मीदवारों को येतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र भारतीय बन सेवा परीक्षा, 1982 के लिए निर्धारित मुक्ति प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भारतीय बन सेवा परीक्षा, 1982 के लिये निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. उम्मीदवार उक्त सेवा के जिस राज्य/संयुक्त संघर्ष में आवंटन हेतु विचारण का इच्छुक है उसे उसके बारे में आवेदन-प्रपत्र के कालम 25 में अपना वरीयता क्रम लिखना चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा आवेदन-प्रपत्र में निर्दिष्ट राज्य/संयुक्त संघर्ष हेतु वरीयता क्रम में परिवर्तन के अनुरोध पर कोई व्याप्त तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक ऐसे परिवर्तन का अनुरोध आयोग के कायालय में उक्त परीक्षा के सिविल भाग के परिणाम के “रोजगार समाचार” में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर प्राप्त नहीं हो जाता है।

आयोग या भारत सरकार उम्मीदवारों को कोई ऐसा पत्र नहीं भेजेगा, जिसमें उनसे उनके आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद विभिन्न राज्य/संयुक्त संघर्षों के लिए परिशोधित वरीयता, यदि कोई है, निर्दिष्ट करने को कहा गया हो।

5. भारत द्वारा पत्र आवेदन-पत्र आवश्यक प्रतिक्षेपों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, घौलपुर हाउस, नई विल्सी-110011 को 5 मार्च, 1982 (5 अप्रैल, 1982 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह, लक्षद्वीप, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम तथा जम्मू और कश्मीर के लद्दाख डिवीजन में रहने वाले उम्मीदवारों और जिनके आवेदन-प्रपत्र उपर्युक्त में से किस एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 19 अप्रैल, 1982) तक या उससे पहले डाक द्वारा आश्य भिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउंटर पर आकर जमा करा दिया जाए तो उन्हें निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम और जम्मू तथा कश्मीर राज्य के लद्दाख डिवीजन में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 5 अप्रैल, 1982 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम और जम्मू एवं कश्मीर राज्य के लद्दाख डिवीजन में रह रहा था।

नोट (i) जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहाँ के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख क्षेत्र आदि) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा ही सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

(ii) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्रों को स्वयं सं० ३० लो० से० आ० के काउंटर पर जमा कराएं अथवा रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी अन्य वामचारी को दिए गए आवेदन-पत्रों के लिए आयोग उत्तरदायी नहीं होंगा।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को रु० 48.00 (रु० ४८.०० रुपये) [प्रत्युत्तर जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 12.00 (रु० बारह) का शुल्क भेजना होगा] कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई विल्सी के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल प्राईंस या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आक ईडिया को मुक्य पाला, नई विल्सी में देय स्टेट बैंक आक ईडिया की किसी भी वाला से आरी किए गए रेखांकित बैंक ब्राउन के रूप में हैं।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों का निधारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह “०५१ लोक सेवा आयोग—परीक्षा शुल्क” के नोकाशीय में जमा हो जाए और आवेदन-पत्र के साथ उसकी सारी लगा कर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह भवेषा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्तीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लगा नहीं होता जो नीचे के पैरा ७ के अंतर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. प्रायोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क में छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 अनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के दीवान की अधिकारी में भूत-पूर्व पुर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित अवित है या वहाँ से वास्तविक रूप में प्रायोगिक तौर पर भारतीय अवित है और 1 जून, 1963 को या उसके बाबू भारत में आया है या वह एक मूर्धतः भारतीय अवित है, जो प्रत्युत्तर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाबू भारत आया है या आने वाला है।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो तो उसे ६० ३०/- (रुपये तीस) [अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामलों में ६० ८.०० (रुपये आठ)] की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त उपबन्धित व्यवस्था को लोडकर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या व्यवस्था के लिए आवधित रखा जा सकेगा।

9. यदि कोई उम्मीदवार 1981 में भारतीय बन सेवा परीक्षा में बैठा है और वह इस परीक्षा में प्रवेश का इच्छुक हो, तो वह परीक्षा परिणाम का अधिकार नियुक्ति प्रस्ताव की प्रीरिता किए बिना अपना आवेदन-पत्र निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में प्रस्तुत कर दें। यदि 1981 के परीक्षा परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेतु उनकी अनुशंसा हो जाती है, तो 1982 की परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी उनके अनुरोध पर रद्द कर दी जाएगी और उन्हें परीक्षा शुल्क वापस कर दिया जाएगा, किन्तु शर्त यह है कि उम्मीदवारी रद्द करने तथा शुल्क वापसी के बारे में उनका अनुरोध आयोग के कार्यालय में 25 जून, 1982 तक प्रवर्षण पहुंच जाए।

10. आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाबू उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

11. जसा कि परीक्षा नियमाली के परिशिष्ट 1 में उल्लिखित परीक्षा योजना में निविष्ट किया गया था, सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्र में वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएंगे। तभी के प्रश्न सहित वस्तुपरक परीक्षण सम्बन्धी घोरे के लिए कृपया "उम्मीदवार-सूचना-विवरणिका" के अनुबंध II का प्रदर्शन करें।

विनय जा, संयुक्त सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

अनुबंध-I

उम्मीदवारों को अनुरोध

1. उम्मीदवार को आवेदन पत्र भरने से पहले अपनी पात्रता समझ लेने के लिए नोटिम और नियमाली को ध्यान से पढ़ लेना चाहिए। निर्धारित घटों में कोई छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भरने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैशाफ 1 में दिए गए कंद्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से छुन लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि कंद्र में परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध की सामान्यता स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु यदि कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन जाहिर है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निविष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा शोचित बताते हुए एक पत्र रजिस्टर डाक से प्रवर्षण भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों जाहिर है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किय

जाएगा किन्तु 25 जून, 1982 के बाबू पात्र अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावसी-कार्ड अपने हाथ से ही स्थानी से या बाल एक्सेस पेन से भरने चाहिए। अद्वृता या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र प्रस्तुतीकार कर दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन पत्र भरते समय उन्हें भारतीय अंकों के केवल अनरीट्रोय रूपों का ही आयोग करना है। आहे माध्यमिक शूल ठोड़ने के प्रमाण-पत्र या इनके समतुल्य प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में वर्ज ही तो भी उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर ले कि वे आवेदन-प्रपत्र में प्रविष्ट करते समय इसको भारतीय अंकों के केवल अन्तर्राष्ट्रीय रूप में ही लिखे वे इन बारे में विशेष सावधानी बरतें कि आवेदन-पत्र में कोई गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुगम हों। यदि ये प्रविष्टियां प्राप्त या आमक हो तो उनके निवंवन में होने वाली अंतिम या संदेह के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होंगे।

उम्मीदवार यह भी ध्यान रखें कि आयोग आवेदन-पत्र में प्रविष्टियों में परिवर्तन करते से सम्बद्ध तिसी भी पत्र व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगा। इन्हिं उन्हें आवेदन-पत्र मही रूप से भरने के लिए विशेष सावधानी बरतना चाहिए।

उम्मीदवारों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उन्हें तिसी भी परिस्थिति में उप विषय की बदलते को अनुमति नहीं दी जाएगी जो उन्होंने उक्त परीक्षा में अपने हाथ पर लिए निर्दिष्ट किया था।

सभी उम्मीदवारों को, जाहे वे पहले से भरकारी नौकरी में हीं या भरकारी ग्रीष्मीयिक उपकरणों में या इस प्रातः बात के अन्य संगठनों में हीं या पैस-सरकारी संस्थायों में नियुक्त हों, अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भरने चाहिए। प्रगत किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा ही और वह संघ लोक सेवा आयोग में बेर से पहुंचा हो तो उम आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही यह नियोक्त को आविष्कारी तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो अविन एक पत्र ने हीं भरकारी नौकरी में आकस्मिक या ऐनिक दर कमंचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैगियत से या कार्य प्रमारित कमंचारीयों की हैगियत में काम कर रहे हैं या जो लोक उच्चमों के अन्तर्गत सेवा कर रहे हैं उन्हें यह परिवर्तन (प्रैंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के प्रध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के माथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवधय भेजने चाहिए:—

(1) निर्धारित शुल्क के लिए रेबांकित किए हुए भारतीय पोस्टन भारंग या बैंक अकाउंट या शुल्क भेजने के आने वाले के गमर्हन में प्रमाण-पत्र की प्रमाणित/प्रभिप्रमाणित प्रतिलिपि (वेखिए नोटिय का पैरा 6 और 7 भी भेजने पैरा 6)।

(2) आयोग के प्रमाण-पत्र की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित/प्रतिलिपि।

(3) शक्तिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की प्रभिप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि।

(4) उम्मीदवार को अपने हाथ ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. × 7 सें. मी.) के फोटो की दो एक औसी प्रतियां भरकी जाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए, और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्र पर निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

(5) लगभग 11.5 सें. मी. × 27.5 सें. मी. आकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर प्राप्त किये जाएं।

- (6) जहाँ लागू हो वहाँ अनुचित जाति/अनुसूचित जन जानि का होने के दबे के समर्थन में प्रमाण-पत्र को अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (रेखिण, नीचे पैरा 4)।
- (7) जहाँ लागू हो वहाँ आयु में छठ के दबे के समर्थन में प्रमाण-पत्र को अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (रेखिण, नीचे पैरा 5)।
- (8) उपस्थिति पत्र (प्रावेदन-पत्र के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुआ है।

नोट (I) उम्मीदवारों को आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (2), (3), (6) और (7) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों को केवल प्रतियों हो प्रस्तुत करनी है जो सरकार के किसी नगरपाल अधिकारी द्वारा प्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवार द्वारा अपनी रूप में गतिपायित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर अधिकत्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये अहेतु प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के बाबत उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियों प्रस्तुत करनी होती है। लिखित परीक्षा के परिणाम नवम्बर 1982 महीने में घोषित की जाने की सम्भावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को अक्षित्य परीक्षण के समय प्रस्तुत करने ऐतू तैयार रखना चाहिए। जो उम्मीदवार उम्मीदवार करने होंगे और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होता।

नोट (II) आवेदन पत्रों के साथ भेजी नई सभी प्रमाण-पत्रों की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रति पर उम्मीदवार को हस्ताक्षर करने होंगे और तारीख भी देनी होगी।

उपर्युक्त पैरा 3 की गत (1) से (4) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे ओर पैरा 6 में दिए गए हैं और मद (6) और (7) के विवरण पैरा 4 और 5 में दिये गये हैं।

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए सारी पोस्टल आईंर।

प्रत्येक पोस्टल आईंर अनिवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा उस पर "स्थित संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय" लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आईंर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विलेखित या कटे-फटे पोस्टल आईंर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आईंरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मोहर हीनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य कोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आईंर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट:

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इण्डिया, मुख्य शाखा नई दिल्ली में देंग होना चाहिए तथा विधिवत् रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विकल्पित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर मिरे पर अपना नाम तथा पता लिखा चाहिए। पोस्टल आईंरों के मामले में उम्मीदवारों को पोस्टल आईंर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र:—आयोग जन्म की बहुतायि स्वीकार करता है जो मैट्रिक्युलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या उसी भारतीय विद्यालय द्वारा मैट्रिक्युलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण-पत्र या किसी विद्यालय द्वारा अनुचित मैट्रिक्युलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विविदियालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के सम्बन्ध में कोई अस्य वस्ताविज्ञ जाने जन्मकुछनी, शपथपत्र, नगर निगम से और देवा अभिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण, तथा अन्य मैमे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनुदेशों के इस भाग में आए हुए "मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र" बाकीयों के अन्तर्गत उपर्युक्त बंकलिपक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कमी-कमी मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के प्रतिरिक्ष उम्मीदवार के संस्थान के हेल्पमास्टर/प्रेसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से उसने मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्थान के विविला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को जेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र भस्त्रीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी 1:—जिस उम्मीदवार के पास पकाई पूरी करने के बाब आप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से सम्बन्ध प्रविष्ट वाले पृष्ठ की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी 2:—उम्मीदवारों को व्यापार रखना चाहिए कि आयोग जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की सारीबा को मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाब उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 3:—उम्मीदवार यह भी व्यापार रखें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाब उसमें बाब में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र:—उम्मीदवार को एक प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ताकि इस बाब का प्रमाण मिल सके कि नियम 5 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी

(प्रथम् विश्विदालय या किसी भूम्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिससे उसे घृण्याता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसा प्रमाण-पत्र संभेजा जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बतामा चाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने दावे के प्रमाण में कोई भूम्य साक्ष अस्तु फरना चाहिए। आयोग इस साक्ष्य की गुणवत्ता पर विचार करेगा, किन्तु यह उसे पर्याप्त भानने के लिए बाध्य नहीं है।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में दिनी परीक्षा में उत्तीर्ण होने के संबद्ध विश्विदालय के प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिये गये हों, तो उसे विश्विदालय के प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त, प्रिसिपल/विभागाध्यक्ष से इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए कि उसने नियम 5 में निविट विषयों में अर्हंक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

नोट:—उन उम्मीदवारों को जो ऐसी परीक्षा में बैठ चुके हों जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वे आयोग की उमस परीक्षा के लिए शैक्षिक दृष्टि से पाल हो जाते हैं किन्तु इस परीक्षा का परिणाम सूचित न किया गया हो तथा ऐसे उम्मीदवारों को भी जो ऐसी अर्हंक परीक्षा में बैठना चाहते हों, आयोग की इस परीक्षा में प्रवेश महीं दिया जाएगा।

(IV) फोटोग्राफः—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट फोटो (लगभग 5 सें. मी. 0 × 7 सें. मी. 0) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-प्रपत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थित पत्रक में निर्वाचित स्थान पर लिपिका देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थानी से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान में :—उम्मीदवारों को जेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ उपर्युक्त प्रियांगक 3(2),.. 3(3) और 3(4) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण-पत्र में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया गया हो तो उसे आवेदन पत्र अस्वीकार किया जाएगा तथा इस अस्वीकृति के विशद् किसी भी प्रोत्साहन पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का होने का दावा करें तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उनके माला पिता (या जीवित माला या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप मण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी भूम्य ऐसे अधिकारी, से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, जीवे विए गए कार्य में प्रमाण पत्र लेकर उसकी एक अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माला और पिता दोनों की मृदृश्य हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहाँ उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी भूम्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पर्याप्त नियमित के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :-

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती कुमारी*

सुपुत्र/सुपुत्री* /श्री

— जो गांव/कस्बा*/जिला/मण्डल*

— राज्य/संघ*/राज्य छोड़

— के/की निवासी है

जाति/जन जाति के/की *है जिसे निम्नलिखित के अधीन [अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति] के रूप में भान्यता दी गई है।

संविधान (अनुसूचित जातियां) भारत, 1950*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) भारत, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियां, संघ राज्य क्षेत्र) भारत, 1951*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) भारत, 1951*

[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशोधन) भारत 1956, बन्धव पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र पुनर्गठन अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां भारत (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित]

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां भारत, 1956*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां भारत, 1959* अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां भारत (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (दावरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां भारत

1962*

संविधान (दावरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां भारत,

1962*

संविधान (पंजिकेरी) अनुसूचित जातियां भारत, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) भारत, 1967*

संविधान (गोवा, दमन तथा दिल्ली) अनुसूचित जन जातियां भारत,

1968*

संविधान (गोवा, दमन तथा दिल्ली) अनुसूचित जन जातियां भारत,

1968*

संविधान (नागार्लैण्ड) अनुसूचित जातियां भारत, 1970*

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जातियां भारत, 1978*

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जातियां भारत, 1978*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी*

प्रीरया* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा*

में जिला/मण्डल* राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र में

रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर

**प्रदानम्

(कार्यालय की सूची)

स्थान _____

तारीख _____

राज्य*/संघ राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हो उम्ह कृपया काट दें।

नोट:—यह “आमतौर से रहते/रहती है” का शब्द वही होगा जो ‘प्रियजनेश्वर आफ पीपुल एक्ट, 1950’ की आरा 20 में है।

**अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सकाम अधिकारी :

(1) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलकटर/डिप्टी कलकटर/प्रथम श्रेणी का स्टाइर्सेंटरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिविजनल मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा कमिशनर।

(2) श्रीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल श्रीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/

प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट।

- (3) रेवेंग्रु भफसर, जिनका भोहदा तहसीलदार से कम न हो।
 (4) उस इलाके का सब-डिविजनल भफसर जहाँ उम्मीदवार और या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।
 (5) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट भफसर, लकड़ीप।

5. (1)(क) नियम 4 (ख) (2) अथवा 4 (ख) (3) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के परा 7 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (भव बंगला देश) के विष्यापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गये प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विवलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (भव बंगला देश) के वास्तविक विष्यापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में प्रब्रजन कर भारत आया है।

- (1) दृष्टिकारण्य परियोजना के ट्राइजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता यितरों के लैप्प करावें।
 (2) उम सब का जिला मजिस्ट्रेट जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है।
 (3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभागी प्रतिरक्षत जिला मैजिस्ट्रेट।
 (4) अपने ही कायमार के अधीन, संबद्ध सब-डिविजन का सब-डिविजनल भफसर।
 (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

(2) नियम 4 (ख) (4) अथवा 4 (ख) (5) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के परा 7 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीमंतों से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीमंतों में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिये गए इस आशय के प्रमाणपत्र वे अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विवलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो भ्रकुच्च, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(3) नियम 4 (ख) (6) अथवा 4 (ख) (7) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट और/या नोटिस के परा 7 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करने वाले वर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पर्यावरण अनुसार वे अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विवलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विवलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए, कि वह वर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(4) नियम 4 (ख) (8) अथवा 4 (ख) (9) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट वाले देवे उम्मीदवार को जो रका सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिवेशक, पुनर्वास, रका भवालय से नीचे दिये गये निर्धारित काम पर लिये गये प्रमाण-पत्र की एक अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विवलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रका सेवाओं में कार्य करते हुए, विदेशी शब्द देश के साथ संबंधी अथवा अपारिष्ठ शब्द में कौशी कार्रवाई के दोरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि मैनिटर रेक नाम से देवे श्री रका सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शब्द देश के साथ संबंध में

अर्थात् अप्रस्तुत *भेजे में कोजो कार्रवाई के दोरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर
पवनाम
तारीख

*जो ग्राम लागू न हो उसे कृपया काट द।

(5) नियम 4 (ख) (x) या 4 (ख) (xi) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले विवलानम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिल क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विवलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (भव बंगला देश) के वास्तविक विष्यापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में प्रब्रजन कर भारत आया है।

(6) नियम 4 (ख) (xii) या 4 (ख) (xiii) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानीका तथा जंजीबार) से प्रब्रजन कर आये हुए या जामिया, मलाई, जो तथा इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है, लिये गए प्रमाण-पत्र की एक अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विवलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से प्रब्रजन कर आया है।

(7) जो भूतपूर्व सैनिक तथा कमीशन प्राप्त अधिकारी (आपात-कालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों/प्रल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) नियम 4 (ख) (xiv) या 4 (ख) (xv) की शर्तों के अधीन आयु सीमाओं में छूट का दावा करते हैं उन्हें संबद्ध प्राधिकारियों से निम्नलिखित निर्धारित प्रपत्र में उन पर लागू होने वाले प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित/अधिप्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए।

(क) कायमुक्त/सेवा निवृत्त कार्मिकों पर लागू

प्रमाणित किया जाता है कि सं० रेक नाम तथा जिनकी जन्म की तारीख है, में तक सेना/नौसेना/वादु सेना में सेवा की है और वे निम्नलिखित में से एक शर्त पूरी करते हैं:—

(क) उन्होंने पांच या पांच से अधिक वर्षों तक सैनिक सेवा की है और कायकाल के समाप्त पर कवाचार या अक्षमता के कारण बर्खास्त या कायमुक्त होने के प्रलापा अन्य आधार पर कायमुक्त हुए हैं।

(ख) वे सैनिक सेवा के कारण हुई शारीरिक अपगता या अक्षमता के कारण को कायमुक्त हुए हैं।

सक्षम प्राधिकारी का नाम
तथा परनाम
मुहर

स्थान:

तारीख:

(ख) सेवारत कार्मिकों पर लागू

प्रमाणित किया जाता है कि सं० रेक नाम जिनकी जन्म तिथि है, से सेना/नौसेना/वायुसेना में सेवा कर रहे हैं।

2 उन्हें से कायमुक्त/सेवा निवृत्त होना है। उनका पांच वर्ष का कायकाल तक समाप्त होने की संमतता है।

3 उनके विस्तृ कोई प्रत्यासनाशक मामला लम्बित नहीं है।

सक्षम प्राधिकारी का
नाम तथा पदनाम

मृहर

स्थान:

तारीख:

प्रमाण-पत्र जारी करने वाले सक्षम प्राधिकारी निम्नलिखित हैः—

(क) कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों (आपान् कालीन कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों/अन्यकालीन सेवा कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों सहित) के मामले में—

सेना—कार्यक्रम सेवा निदेशालय, सेना मुख्यालय, नई दिल्ली।

नौसेना—कार्यक्रम सेवा निदेशालय, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली।

वायसेना—कार्यक्रम सेवा निदेशालय, वायु सेना मुख्यालय, नई दिल्ली।

(ब) नौसेना वायु सेना के भूत्यार कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों/

अन्य इन्हें तथा समकक्ष प्रधिकारियों के मामले में—

सेना—विभिन्न रेजिमेंट रिकार्ड कार्यालयों द्वारा

नौसेना—नौसेना रिकार्ड, बम्बई।

वायुसेना—वायु सेना रिकार्ड, नई दिल्ली।

6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5 (1) (2) और (3) में से किसी भी वर्ष के अन्तर्गत नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला प्रधिकारी या सरकार के राजपत्रित प्रधिकारी या संचर सरकार या राज्य विधान मंडल के सरकार से, यह दिक्काने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आवश्यक का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी होगी।

7. जिस व्यक्ति के लिये पालता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है कि तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार, गृह मंत्रालय (कार्यक्रम तथा प्रधानमंत्री सुधार विभाग) द्वारा आवश्यक पालता प्रमाण-पत्र जारी कर दिये जाने के बाद ही दिया जाएगा।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा व्योरा न दें और न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा व्योरा न दें और न ही किसी प्रतिलिपि भी किसी प्रविष्टि भी किसी भी स्थिति में न सो ठीक करें त उसमें परिवर्तन करें, और न कोई फरवरबल करें और न ही फेरवरबल किये गये/झूठा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई असुधि अवश्य विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देवी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि [आवेदन-प्रपत्र ही असूक्त तारीख को भेजा गया था।] आवेदन-प्रपत्र का भजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में भेजे का पात्र हो गया हो।

10. आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र की जिसमें देर से प्राप्त आवेदन पत्र भी सम्मिलित है पावती भी जाती है तबा आवेदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या सूचित कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिये नियारित अंतिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार आवेदन पंजीकरण संख्या सूचित कर दी गई है अपने आप यह अप नहीं है कि आवेदन पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे भी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के आवेदन-पत्र हीने की सारीबा से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को आपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने एसा न किया हो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दबे से दृष्टि हो जाएगा।

12. पिछली पाँच परीक्षाओं की नियमावली तथा प्रश्न-पत्रों से युक्त पुस्तिकार्य प्रकाशन नियंत्रक, भिविल लाइसेंस, विल्सो-110054 के यहाँ विक्री के लिये मिलती है और उन्हें उनके यहाँ से सीधे मेल थाईर मा नक्क भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। केवल नक्क भुगतान द्वारा यहाँ (1) किताब महत्व, रिकॉर्ड सिनेमा के सामने, इम्पोरियम बिल्डिंग, "सी" ब्लॉक, बाबा बड़ूँ राह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (2) विक्री केन्द्र, उद्धोग भवन, नई दिल्ली-110001 तथा (3) गवर्नर-मेट ब्राफ़ इंडिया ब्रुक डिपो, 8, केंद्र प्रसाद रोड, कलकत्ता-700001 से भी प्राप्त किया जा सकता है। ये पुस्तिकार्य विभिन्न सुफर्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती है।

13. आवेदन-पत्र से सम्बद्ध पत्र व्यवहारः—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आदि सबि, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई विल्सो-110011, की भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा व्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाएः—

(1) परीक्षा का नाम।

(2) परीक्षा का महीना और वर्ष।

(3) आवेदन पंजीकरण सं०/रोल नं० स्थाया उम्मीदवार की जन्म तिथि, यदि आवेदन पंजीकरण सं०/रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो।

(4) उम्मीदवार का नाम पूरा तथा वह अक्षरों में।

(5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दें (1) :—जिन पत्रों आदि में यह व्योरा नहीं होगा संभव है उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा

विशेष ध्यान (2) :—यदि किसी उम्मीदवार से कोई/पत्र संप्रेषण परीक्षा हो चुकने के बाब प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम व अनुक्रमक नहीं है तो इस पर ध्यान न देते हुए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

14. पते में परिवर्तनः—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर सेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित व्योरे के लाभ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग एसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का प्रश्न-पूर्या प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करता।

ग्रन्थालय II

उम्मीदवारों को सूचनापूर्वक विवरणका

(क) वस्तुपुरक परीक्षा:

आप जिस परीक्षा में बैठने वाल हैं वह "वस्तुपुरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आपे प्रश्नों कहा जाएगा) के लिये कई सूचाए गए उत्तर (जिसको आपे प्रश्नों कहा जाएगा) दिये जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नों के लिये आपको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

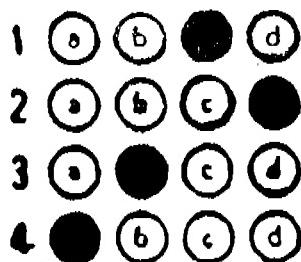
ब. परीक्षण का स्वरूप:

प्रश्न पत्र “परीक्षण पुस्तिका” के रूप में होते हैं। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3—आदि के क्रम से प्रश्नांश होते हैं। हर प्रश्नांश के लिये a, b, c, d, चिह्न के साथ सुधारए गए प्रत्युत्तर लिखे होते हैं। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्युत्तर सही लगे तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होता। (मृत में दिये गये नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्नांश के लिये आपको एक सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होता। यदि आप एक से अधिक चाहे लेते हैं तो आपका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

ग. उत्तर देने की विधि:

परीक्षा भवन में आपको अलग एक उत्तर पत्रक दिया जाएगा जिसकी एक नमूना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेजी जाएगी। आपको अपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होते हैं। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गये उत्तर नहीं जाओ जायेंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएँ 1 से 160 तक चार छोड़ों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d चिह्न वाले आयताकार स्थान छोड़ होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने प्रीत यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर वाले आयत को वैसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे मंकित कर देना है, जैसा कि (आपका उत्तर दर्शाने के लिये) नीचे दिया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला बनाने के लिये स्वाहों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि—

1. प्रश्नांशों के उत्तरों के लिये केवल यहाँ किसी की एच० [बी०] वैसिल (वैसिलें) ही लाई और उन्हीं का प्रयोग करें।

2. गलत निशान को बरलने के लिये उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दे। इसके लिये आप अपने साथ एक रख भी लाएं।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करने समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह फट जाये या उम्में मोड़ व सिलवट आदि पढ़ जाएँ या वह बारब हो जाए।

घ. कुछ महत्वपूर्ण विविधय:

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिये निर्धारित समय से बीस मिन पहल परीक्षा भवन में पहुँचना होता और पहुँचते ही अपना स्थान बदल करना होता।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक विरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन

से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर काम बंद दिया जाएगा।

5. आपको उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण परीक्षा भवन में भरना होता। आपको कुछ विवरण उत्तर पत्रक पर कूटबद्ध भी करने होते। इसके बारे में आपके नाम अनुदेश प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेजे जायेंगे।

6. परीक्षण-पुस्तिका में लिये गये सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी में पालन न करने से आपके नंबर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के प्रत्युत्तर के निये आपको कोई नम्बर नहीं मिलता। पर्यवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाएं, आपको अपने साथ एक बी० वैसिल, एक रखड़, एक पैसिल शार्पनर और नीली या काली स्पाली बाली कलम सी लाई होते हैं। आपको मताह भी जाती है कि आप अपने साथ एक एक किलो बोँड या बोँड-बोँड या काँड़ बोँड भी लाएं जिस पर कुछ लिखा नहीं। आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टुकड़ा या वैमाना या अर्टिक्यूलेट उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनको जरूरत नहीं होती। मांगने पर कुछे काम के लिये आपको एक भ्रान्त कागज दिया जाएगा। आप कुछा काम या शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण पुस्तिका के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को बापस कर दें।

इ. विषेश अनुदेश

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पत्रक देंगे। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यथा, उसे बदलवा दें। आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिये न कहें।

ज. कुछ उपयोगी सुझाव

यथोपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता की जाऊना है, फिर भी यह ज़रूरी है कि आप अपने समय का यथासंभव दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी ज़ल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो जितना न करें। आपको जां प्रश्न अत्यन्त कठिन भालूम पड़े उन पर समय अधिक न करें। इससे प्रश्नों की ओर बढ़ और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में बिकार करें।

सभी प्रश्नांशों के अंक समान होते हैं। उन सभी के उत्तर हैं। आपके द्वारा अकित सभी प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर हो आपको अंक दिये जायेंगे। गलत उत्तरों के लिये अंक नहीं काटे जायेंगे।

घ. परीक्षण का समाप्त:

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बद करने को कहें, आप लिखना बद कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठ रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्तुएं ले जायें और आपको हाल छोड़ने की अनुमति दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका, बी० उत्तर-पत्रक तथा कुछे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ने जाने की अनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(नोट--*सही/सर्वोत्तम उत्तर-विकल्प को निर्दिष्ट करता है)

1. सामान्य अवश्यकता:

बहुत ऊंचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त साव छोता है?

(a) रक्त का बाब बायमंडल के बाब से कम होता है।

- *(b) रक्त का दाढ़ वायुमंडल के दाढ़ से ग्राहिक होता है।
 (c) रक्त वाहिकाओं की अन्वर्णनी तथा वाहरी शिराओं पर दाढ़ समान होता है।
 (d) रक्त का दाढ़ वायुमंडल के दाढ़ के अनुरूप घटना बढ़ता है।

2. (क्रृति)

अरंहर में, फूलों का लड़ना निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है।

- *(a) बृद्धि नियंत्रक द्वारा छिकाश।
 (b) दूर-दूर पीढ़ी लगाना।
 (c) सही आरु में पीढ़ी लगाना।
 (d) घोड़े-घोड़े फाससे पर पीढ़ी लगाना।

3. (रसायन विज्ञान)

H_3VO_4 का एनहाइड्राइड निम्नलिखित में से क्या होता है?

- (a) VO_3
 (b) VO_4
 (c) V_2O_3
 *(d) V_2O_5

4. (ग्राम्यशास्त्र)

श्रम का एकाधिकार शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है?

- *(a) सीमांत राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।
 (b) मजदूरी तथा सीमांत राजस्व उत्पादन बोनों बराबर हों।
 (c) मजदूरी सीमांत राजस्व उत्पाद से ग्राहिक हो।
 (d) मजदूरी सीमांत भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

5. (धैर्यत, इंजीनियरी)

एक समाझ रेल्वे को अपेक्षिक परावैद्यताक 9 के परावैद्यत से सम्पूर्णित किया गया है। यदि C मूल धैर्यताल में संचरण बेग दर्शाता है तो लाइन में संचरण का बेग क्या होगा?

- (a) $3C$
 (b) C
 *(c) $C/3$
 (d) $C/9$

6. (भू-विज्ञान)

बेसाल्ट में लैलिगोफेस क्या होता है?

- (a) आर्लिगोफेस
 *(b) लेबूटेडोराइट
 (c) एल्बाइट
 (d) एनायाइट

7. (गणित)

$$\text{मूल बिन्दु से गुजरने वाला और } \frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = (\Phi$$

समीकरण को संगत रखने वाला बक-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्दिष्ट है?

$$(a) y = ax + b$$

$$(b) y = ax$$

$$(c) y = ae^x + be^{-x}$$

$$*(d) y = ae^x - a$$

8. (भौतिकी)

एक ग्रावर्टी ऊर्ध्वा इंजन $400^\circ K$ और $300^\circ K$ तापक्रम के मध्य काय करता है। इसकी अमता निम्नलिखित में से क्या होगी?

- (a) $3/4$
 (b) $(4-3)/4$
 (c) $4/(3+4)$
 (d) $3/(3+4)$

9. (सांकेतिक)

यदि ट्रिपद विचर का मात्र 5 है तो इसका इसरण निम्नलिखित में से क्या होगा?

- (a) 42
 *(b) 3
 (c) ∞
 (d) -5

10. (भूगोल)

बर्मा के विभिन्नी भाग की ग्राम्याधिक समस्ति का बारण निम्नलिखित में से क्या है?

- (a) यहाँ पर अनिज साधनों का विपुल मूल्य है।
 *(b) बर्मा की अधिकांश नदियों का बेस्टार्ड भाग है।
 (c) यहाँ शेष बन सम्पदा है।
 (d) देश के ग्राम्याधिक तेल खेत इसी भाग में हैं।

11. भारतीय इतिहास

ब्राह्मणवाद के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है?

(a) बोद्धमं के उत्कर्षकाल में भी ब्राह्मणवाद के मन्त्रायायियों की संख्या बहुत ग्राहिक थी।

(b) ब्राह्मणवाद बहुत अधिक कर्मकांड और आर्द्धवर से पूर्ण धर्म पा।

*(c) ब्राह्मणवाद के अध्ययन के साथ, बलि सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया।

(d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशाओं को प्रकट करने के लिये शास्त्रिक संस्कार निर्भरित थे।

12. (इर्षण)

निम्नलिखित में से निरीश्वरवादी इर्षण समूह कोन-सा है?

- (a) बोद्ध, न्याय, चार्याक, भीमांशा
 (b) न्याय, वैयोगिक, जैन और बोद्ध, चार्याक
 (c) अद्वैत, वेदांत, सांख्य, चार्याक योग
 *(d) बोद्ध, सांख्य, भीमांशा, चार्याक

13. (राजनीति विज्ञान)

"वृत्तिगत प्रतिनिधित्व" का धर्य निम्नलिखित में से क्या है?

*(a) अध्यासाय के ग्राधार पर विद्यालयपाठ्यक्रम में प्रतिनिधियों का निर्वाचन

(b) किसी समूह या किसी ध्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।

(c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव।

(d) अधिक संघों द्वारा ध्यावसायिक प्रतिनिधित्व।

14. (समोनोविज्ञान)

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को निर्देशित करती है?

- (a) लक्ष्य संबंधी आवश्यकता में धैर्य
 *(b) भावात्मक ध्यावसाय में धैर्यता
 (c) ध्यावहारिक ध्याविगम
 (d) पक्षपात धूर्ण ध्याविगम

15. (समाजशास्त्र)

भारत में वंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन-सी है?

*(a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमज़ोर वर्गों को शोषणात्मक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।

(b) छुआछूत कम हुई है।

(c) वंचित वर्गों के लोगों को भूस्वामित्व का लाभ मिला है।

(d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी:- उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त सभी के प्रश्नों (प्रश्न) के बाल उदाहरण के लिये दिये गये हैं और यह जहरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यक्रम के अनुसार हैं।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 21st January 1982

No. F.2/82-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed the following Officers of this Registry with effect from the forenoon of January 20, 1982 and appointed them substantively to the post shown against each:—

5. No., Name & Designation and Post in which confirmed

1. Mrs. Swaran Bali, Oilg. Chief Librarian—Chief Librarian.
2. Miss Maya Bose, Offg. Librarian—Librarian.

H. S. MUNJRAL
Deputy Registrar (Admn. J.)

New Delhi, the 22nd January 1982

No. F.6/82-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri R. S. Suri, P.P.S. to Hon'ble the Chief Justice of India as Officiating Deputy Registrar in the Registry of Supreme Court of India w.e.f. the forenoon of January 21, 1982 to February 6, 1982, until further orders.

R. NARASIMHAN
Registrar (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 10th January 1982

No. A.20014/104/76-Ad.I.—Shri G. S. Mirashi, an officer of the Maharashtra Police, on deputation to C.B.I. as Inspector of Police has been relieved of his duties in the C.B.I., GOW Bombay Branch on the afternoon of 31-12-81 on repatriation to the Maharashtra State Police.

The 23rd January 1982

No. PF-J-39/66-AD.V.—On the expiry of 3 months notice Shri J. G. Alimchandani, Deputy Legal Adviser, Central Bureau of Investigation, Bombay voluntarily retired from Government service from the afternoon of 5-1-1982.

No. A.20014/159/77-AD.I.—Shri P. M. Deshmukh, an officer of the Maharashtra State Police on deputation to C.B.I. as Inspector of Police, has been relieved of his duties in the C.B.I. GOW, Bombay Branch on the afternoon of 31-12-81 on the repatriation to the Maharashtra State Police.

The 15th January 1982

No. A-19035/3/80-AD.V.—The Director/CBI and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri T. Sudersana Rao, Crime Assistant as Office Superintendent/CBI on promotion on ad-hoc basis in the CBI for a further period of 16 days from 15-1-1982 to 30-1-1982.

HERO A. SHAHANEY
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110022, the 19th January 1982

No. O.II-1581/81-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. Kishore Sen Lashkar, GDO, Grade II of 49th Bn CRPF with effect from 13-11-1981 (A.N.).

The 21st January 1982

No. O.II-1575/81-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) Sadhna Gupta as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 4-1-1982 for a period of three months or till

recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 25th January 1982

No. O.II-220/69-Estt-I.—The President is pleased to invalid out Shri G. V. Rao, Dy.S.P. from C.R.P. Force with effect from 4-7-1981 (A.N.).

No. O.II-1155/73-Estt-I.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri Hareesh Kamath K. Dy. S.P. of C.R.P. Force, with effect from 26-11-81 (A.N.).

No. O.II-1589/81-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Ranbir Singh as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 15-1-82 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. SURI
Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the January 1982

No. E-16013(1)/1/81-PERS.—On transfer on deputation, Shri Madan Gopal, IPS (WB : 64) assumed the charge of the post of DY IG & COS, CISF, BSL Bokaro with effect from the forenoon of 21st December 1981, vice Shri Baljit Rai Sur, IPS (MT : 54) who on transfer to Delhi relinquished the charge of the said post from the same date.

SURENDRA NATH
Director General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 20th January 1982

No. 11/2/80-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated the 3rd December, 1980, the President is pleased to appoint Shri Nageshwar Prasad, an Officer belonging to the Bihar Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna, by transfer on deputation, on ad-hoc basis, for a further period upto the 30th April, 1982 or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The head-quarters of Shri Prasad will be at Hazaribagh.

No. 11/74/80-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated the 26th November, 1980, the President is pleased to appoint on re-employment, Shri P. Bhaskaran Nair, an officer belonging to the Kerala Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Kerala, Trivandrum, for a further period of one year, with effect from the forenoon of the 1st December, 1981 to the 30th November, 1982.

2. The head-quarters of Shri Nair will be at Kottayam.

3. The services of Shri Nair may be terminated at any time before 30-11-1982 at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor,

The 21st January 1982

No. 11/37/80-Ad.I.—The President regrets to announce the death of Shri R. E. Choudhari working as Assistant Director of Census Operations (Technical) on ad-hoc basis in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay on the 30th November, 1981 at Bombay.

The 22nd January 1982

No. 11/25/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint by promotion Shri C. R. Mohanty, Investigator in the Office of the Director of Census Operations, Orissa, Bhubaneswar as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, with effect from the forenoon of the 28th December, 1981 for a

period not exceeding one year or till the post is filled in, on regular basis, whichever period is shorter.

2. The head-quarters of Shri Mohanty will be at Bhubaneswar.

3. The above-mentioned *ad-hoc* appointment will not bestow upon the officer concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by him on *ad-hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade of Assistant Director of Census Operation (Technical) nor for eligibility for promotion to the next-higher grade. The above mentioned *ad-hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing Authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

MINISTRY OF LABOUR

LABOUR BUREAU

Simla-4, the 6th February 1982

No. 23/3/81-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 decreased by two points to reach 460 (four hundred and sixty) during the month of December, 1981. Converted to base : 1949=100 the index for the month of December, 1981 works out to 559 (Five hundred and fifty nine).

A. S. BHARDWAJ
Director

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, GUJARAT

Ahmedabad-380 001, the 25th January 1982

The Accountant General-I, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint the following permanent members of the Sub-ordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officers in the office of the Accountant General, Gujarat with effect from 1-1-1982 (F.N.) until further orders.

1. Shri V. Krishnamurthy—Ahmedabad Office.
2. Shri A. Santhanam—Ahmedabad Office.
3. Shri H. S. Iyer—Ahmedabad Office.
4. Shri R. Krishnamurthy—Ahmedabad Office.
5. Shri C. M. Tripathi—Ahmedabad Office.
6. Shri M. N. Trivedi—Rajkot Office.

The above promotions have been made on *ad-hoc* basis and subject to the final orders of the Gujarat High Court in the special Civil Application No. 735 of 1980.

Sd/- ILLEGIBLE
Sr. Dy. Accountant General/Admin.
Office of the Accountant General-I.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 19th January 1982

No. Admn.I/8-132/81-82/467.—Shri N. Rama Rao, Accounts Officer, Office of the Accountant General-I, Andhra Pradesh, Hyderabad has retired from service with effect from 31-12-1981 (A.N.).

No. Admn.I/8-132/81-82/467.—Shri S. V. Ranganathan, Accounts Officer Office of the Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad has retired from service with effect from 1-1-1982 (F.N.).

R. HARIHARAN,
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT S. C. RAILWAY :

Secunderabad, the 23rd January 1982

No. An/Adm/XIII/59.—1. The Director of Audit, South Central Railway, Secunderabad, has been pleased to promote Sri S. H. Niralgikar, Selection Grade Section Officer, to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200. The promotion is effective from 29-9-1981, the date of taking over charge of the post at Secunderabad.

2. The Director of Audit, South Central Railway, Secunderabad, has been pleased to promote Sri S. N. Annaji Rao, Selection Grade Section Officer, in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 without prejudice to the claims of his seniors. The promotion is effective from 23-9-1981, the date of taking over charge of the post.

The Director of Audit, South Central Railway, Secunderabad, has been pleased to promote Sri G. V. Subba Rao, officiating Section Officer of this office, to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 21-5-1981 Forenoon, until further orders.

BHASKARA RAO.
Dy. Director of Audit.

DEPARTMENT OF SPACE

ISRO : SHAR CENTRE

SRIHARIKOTA COMMON FACILITIES PERSONNEL AND GENERAL ADMN. DIVN.

Sriharikota-524124, the 7th November 1981

No. S.C.F. : P&GA : ESTT : 1-72.—The Director is pleased to appoint on promotion on the following officials to the post of Sci/Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders.

Sl. No.	Name	Designation	Date of appointment
1.	P. Mathews . . .	Engineer—SB	1-10-1981
2.	C.C.R. Reddy . . .	Engineer—SB	1-10-1981
3.	V. Narayana Rao . . .	Engineer—SB	1-10-1981
4.	K. Bhaskara Rao . . .	Engineer—SB	1-10-1981
5.	S. Kumar . . .	Engineer—SB	1-10-1981
6.	T. M. Edward Das . . .	Engineer—SB	1-10-1981
7.	S. Narayanan . . .	Engineer—SB	1-10-1981

R. GOPALARATNAM
Head,
Personnel & General Admn.
for Director

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT CONTROLLER OF DEFENCE ACCOUNTS CENTRAL COMMAND

ORDER

Meerut Cantt, the 28th August 1981

No. AN/X-14/PC-244(A).—Whereas, in consideration of the record of disciplinary proceedings instituted against Shri Mohan Lal, Pt. Clerk/Ty. Auditor (A/C. No. 8304530), serving in the office of the Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut, the undersigned agrees with the findings of the Inquiry Officer and holds that the articles of charge are proved and is satisfied that good and sufficient reasons exist for imposing upon the said Shri Mohan Lal the penalty of removal from service.

Now, therefore, the undersigned hereby removes said Shri Mohan Lal from service with effect from 31-8-81 (AN).

B. N. RALLAN
Controller of Defence Accounts
Central Command Meerut

To
Shri Mohan Lal,
Pt. Clerk/Ty. Auditor,
(A/C. No. 8304530)
S/o Shri Lalji
Village Harsaru
P.O. GARHI HARSARU,
District Gurgaon (Haryana)

MINISTRY OF COMMERCE
(DEPARTMENT OF TEXTILES)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR
HANDLOOMS

New Delhi, the 16th November 1981

No. A-12025(i)/6/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 31st October, 1981 and until further orders Shri Ram Asrey Lal, as Assistant Director Grade-I (Processing) in the Weavers' Service Centre, Vijayawada.

P. SHANKAR

Additional Development Commissioner for Handlooms

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 22nd January 1982

No. A-17011/202-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri Dharam Vir Asri, permanent Examiner of Stores and officiating Junior Field Officer in the Office of Director of Supplies and Disposals, Bombay to officiate as Assistant Inspecting Officer (Met-Chem) in the Office of Deputy Director of Inspection (Met), Rourkela under Jamshedpur Inspection Circle w.e.f. the forenoon of 30th November, 1981 and until further orders.

M. G. MENON
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF STEEL)
IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-700020, the 12th January 1982

No. EI-12(23)/81(.).—Shri Harbans Singh, Asstt. Iron & Steel Controller has relinquished charge of the post with effect from the forenoon of 4-1-82.

The 21st January 1982

No. EI-3(1)/74(.).—Iron & Steel Controller hereby appoints Shri Nirmal Chakraborty, Assistant to officiate in the post of Senior Personal Assistant on deputation basis with effect from 18-1-1982 (FN) for a period of one year initially.

S. N. BISWAS
Jt. Iron & Steel Controller

(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 21st January 1982

No. 518B/A.19012(2-CB)/80/19B.—Shri C. Bhanu Murthy Assistant Geophysicist, GSI, relinquished charge of the post of Asstt. Geophysicist of this Department on 8-9-81 (A.N.) on resignation.

J. SWAMI NATH
Director General
Geological Survey of India

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 20th January 1982

No. 29/2/81-SIL.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri Ashok Kumar Nagaiach to officiate as Farm Radio Officer, All India Radio, Rewa with effect from 28-12-81 (F.N.).

S. V. SESHADRI
Deputy Director of Administration
For Director General

New Delhi-1, the 23rd January 1982

No. 4(41)/80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Alvan Noel, Kharkongor as Programme Executive, All India Radio, Shillong in a temporary capacity

with effect from 13th November, 1981, and until further orders.

H. C. JAYAL
Dy. Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-400 026, the 23rd November 1982

No. 5/30/60-E(I).—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri B. V. Krishnan officiating Maintenance Engineer in the Films Division, New Delhi to officiate as Laboratory Engineer, in the same office w.e.f. 30-9-81 (FN) vice Shri Y. J. Konny, Laboratory Engineer retired.

The 22nd January 1982

No. A-19012/1/75-F(I).—Shri K. Jagivanram, Officiating Cameraman, Films Division, New Delhi has been appointed as Newsreel Officer Ahmedabad w.e.f. 3-12-1981 (FN) vice Shri S. T. Bapat, Newsreel Officer, Ahmedabad retired.

The 23rd January 1982

No. A-12026/7/81-E(I).—The Chief Producer, Films Division, Bombay hereby appoints Shri A. K. Gchora as Newsreel Officer, Films Division, New Delhi in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-ER-40-1200/- w.e.f. 31-10-1981 (AN).

S. K. ROY
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 25th January 1982

No. A-12026/32/78(HQ) Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. Bipin Kumar Verma to the post of Director, Civil Defence (Medical), Directorate General of Health Services, New Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 13th January, 1982 and until further orders.

No. A.12023/5/81-Adm.I.—The Director of Administration and Vigilance is pleased to appoint Smt. M. K. Pillai to the post of Assistant Superintendent at Lady Reading Health School, Delhi on a purely ad hoc basis with effect from the forenoon of 4th January, 1982 and until further orders.

T. C. JAIN
Deputy Director Administration (O&M)

(STORE I SECTION)

New Delhi, the 25th January 1982

No. A.19012/18/80-SL.—On attaining the age of superannuation Shri K. D. Lahiri, Assistant Depot Manager, Government Medical Store Depot Calcutta retired from service on the afternoon of the 31st December, 1981.

No. A.32014/4/79-SL.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri B. K. Saphai, to the post of Assistant Depot Manager, Government Medical Store Depot, Calcutta purely on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 1st January, 1982 and until further orders.

SHIV DAYAL
Deputy Director Administration (Stores)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 16th January 1982

No. A-19025/19/81-A.III.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee (Group B), the following officers, who have been officiating on ad-hoc basis on the posts of Asstt. Marketing Officer, have been appointed to the posts of A.M.O. on regular basis w.e.f. 24-12-1981 and until further orders :—

1. Shri John P. Yarlagadda
2. Shri T. S. Johny
3. Shri N. K. Misra
4. Shri P. Satyanarayana
5. Shri A. K. Das

6. Shri H. C. Vatsal
7. Shri A. S. Sharma
8. Shri A. R. Mitra
9. Shri Jay Prakash
10. Shri Dev Kumar
11. Smt. Shakuntla Rani Juneja
12. Smt. Surandre Kaur

The 18th January 1982

No. A-19025/14/81-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group 'B'), S/Shri Mahendra Pal & K. C. Runwal, Senior Inspectors, have been promoted to officiate as Asstt. Marketing Officers at Faridabad w.e.f. 26-12-1981 (A.N.) until further orders.

No. A-19025/18/81-A.III.—S/Shri P. P. Mukhopadhyay and K. T. Rajurkar who were officiating as Assistant Marketing Officers (Group I) on ad-hoc basis have been reverted to the posts of Senior Inspector (Group I) w.e.f. 28-12-1981.

The 20th January 1982

No. A-12026/2/78-A.III.—The deputation of Shri S. K. Sood as Accounts Officers in this Directorate at Faridabad which was initially for a period of 2 years w.e.f. 19-11-1978 and subsequently was extended for the period from 19-11-1980 to 30-4-1981, has been extended for a further period from 1-5-1981 to 18-2-1982 on the existing terms and conditions of deputation

B. L. MANIWAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)**

Bombay, the 11th January 1982

Ref. PA/79(4)/80-R-II.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Karandikar Prabhakar Balwant, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 3-12-1981 (FN) to 2-1-1982 (AN).

The 14th January 1982

Ref. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Bhikaji Krishna Nachankar, Assistant Accounts Officer to officiate as Accounts Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 9-9-1981 (FN) to 21-12-1981 (AN).

Ref. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Smt. Padmavathy Velayudhan Nair, Assistant Accounts Officer to officiate as Accounts Officer-II (Rs. 840-1200) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 05-10-1981 (FN) to 21-12-1981 (AN).

The 19th January 1982

No. PA/34(2)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Shantaram Keshav Salunke, permanent Assistant Security Officer in Directorate of Estate Management, Department of Atomic Energy, Bombay to officiate as Security Officer in this Research Centre at Bombay with effect from the forenoon of January 7, 1982 until further orders.

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES**

Bombay-400001, the 20th January 1982

No. Ref. DPS/2/1(16)/77-Adm./1666.—In continuation of this Office Notification No. DPS/2/1(16)/77-Adm./18419, dated 15-9-1981, the Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri M. R. Prakash, Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer

(ad-hoc) for a further period upto the forenoon of December 28, 1981.

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

NUCLFAR FUEL COMPLEX

Bombay, the 7th January 1982

No. PAR/0704/69.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Shri P. Rajagopalan, Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer on ad-hoc basis, against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 1-12-81 to 19-12-81.

G. G. KULKARNI
Manager, Personnel & Admn.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 18th January 1982

No. AMD-16(3)/82-Recd.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri P. O. Karunakaran, a permanent Senior Stenographer and officiating Stenographer-III, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad-hoc basis for a period of 61 days with effect from the forenoon of December 29, 1981 to February 27, 1982 vice Shri J. R. Gupta, Assistant Personnel Officer, proceeded on leave.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
CIVIL AVIATION**

New Delhi, the 8th January 1982

No. A-19011/4/80-E.I.—On attaining the age of superannuation Shri P. K. Ramachandran, Deputy Director General of Civil Aviation in the Civil Aviation Department relinquished charge of his duties on the afternoon of 30th November, 1981.

S. GUPTA
Deputy Director of Administration

New Delhi-110066, the 15th January 1982

No. A-19011/21/80-E.I.—On attaining the age of superannuation Shri B. Hajra, Regional Director, Calcutta in the Civil Aviation Department retired from Government service on the afternoon of 31-12-1981.

S. GUPTA
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi-1 the 21st January, 1982

No. A. 32013/4/80-EC (Pt.).—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/4/80-E.C. dated 28-2-81 and 13-4-81, the President is pleased to sanction continuance of the ad-hoc appointments of the following two officers in the grade of Assistant Director of Communication for a further period and upto 31-12-1981.

Sl. No.	Name	Station of posting
1.	Shri S. K. Maheswari	D.G.C.A.(HQ)
2.	Shri B. N. M. Rao	D.G.C.A. (HQ)

No. A-38013/1/81-EC.—The undermentioned two officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on retirement

on attaining the age of superannuation on 31-12-81 (AN) at station(s) indicated against each :

S. No.	Name & Designation	Station of posting
1.	Shri P. K. Sen, Communication Officer	Aero. Comm. Stn., Calcutta.
2.	Shri A. K. Mutsuddi, Ass't. Comm. Officer.	Do. —

PREM CHAND
Assistant Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 21st January 1982

No. 16/261/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, has been pleased to accept resignation of Shri A. K. De as Assistant Engineer (Mech.) Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun w.e.f. the afternoon of 3-1-82 in order to enable him to take up appointment as Automobile Engineer under the P & T Board.

C. N. KAUL
Registrar
Forest Research Institute & Colleges

**COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE
AND CUSTOMS**

Madurai, the 15th January 1982

No. 1/82.—The following Inspectors of Central Excise (SG) are appointed to officiate, until further orders, as Superintendent of Central Excise Group 'B' in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. They have assumed charges as Superintendents in the places and on the dates noted against each.

Sl. No.	Name of the Officer	Place of Posting	Date of assumption of charge
S/Shri			
1.	C. Thiagaraj .	Customs Circle Rameswaram	12-10-81
2.	K. M. Balagopalan	Madurai II Division	17-10-80
3.	N. Rengabashyam	Sivakasi Range I	17-10-81
4.	S. S. Subramanian	Hqrs. Office, Madurai	9-11-81
5.	D. S. Radha Ragupathy	Tirunelveli Division	11-12-81
6.	R. Harikrishnan	Sattur Range II	19-12-81

The 25th January 1982

No. 2/82.—Shri D. Meenakshi Sundaram, Office Superintendent is appointed to officiate, until further Orders as Examiner (Group 'B') on ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

He has assumed charge as Examiner on 3-12-81 at Head Quarters Office, Madurai.

R. JAYARAMAN
Collector

22—456GI/81

**DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE**

New Delhi, the January 1982

No. 20/81.—Smt. S. S. Baliga, lately posted as Assistant Collector, New Delhi, on transfer to the Headquarters Office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, New Delhi vide Department of Revenue order No. 221/81 (F. No. A. 22012/105/81-Ad. II) dated 14-12-81, assumed charge of the post of Assistant Director on 19-12-81 (after noon).

The 21st January 1982

No. 1/82.—Shri Daljit Singh Marwaha, lately posted as Senior Technical Officer in the Department of Revenue New Delhi, on transfer to the Headquarters office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, New Delhi, vide Department of Revenue Order No. 230/81 (F. No. A. 22012/124/81-Ad. II) dated 24-12-81 assumed charge of the post of Assistant Director (Customs and Central Excise) Group 'A' on 1-1-1982 (After Noon).

S. B. SARKAR
Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 21st January 1982

No. A. 19012/1(8)81-Estt.I.—Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri S. P. Mittal, Senior Professional Assistance (Hydromet) to the grade of Extra Assistant Director (Hydromet) in an officiating capacity on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 5th Dec. 1981 (F.N.) for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

K. L. BHANDULA
Under Secretary
Central Water Commission

New Delhi-110066, the 21st January 1982

No. A-19012/957/81-Estt. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri G. C. Roy, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 17th November, 1981.

A. BHATTACHARYA
Under Secretary
Central Water Commission

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 15th January 1982

No. 22/1/81-Adm.i(B).—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri K. L. T. Gyaman, Technical Assistant, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority on a regular basis with effect from the forenoon of the 29th October, 1981, until further order.

S. BISWAS
Under Secretary

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act 1956 and of
M/s. Obil Reddy (Madras) Private Limited.*

Madras-600 006, the 21st January 1982

No. DN/1945/560/82.—Notice is hereby given pursuant

to sub-section (3) of Sec. 560 (3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Obul Reddy (Madras) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd. Illegible
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of Companies Act 1956 and of
M/s. O. M. Investments and Chit Funds Private Ltd.*

Bangalore, the 23rd January 1982

No. 1896/560/8-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. O. M. Investments and Chit Funds Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
Registrar of Companies

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2233.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Half portion of Krishna Theatre, situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 19-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Abaji Rao Phalke
S/o Shri Annand Rao Phalke,
R/o Phalke Bazar, Gwalior.
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Madhuri Devi Mukharia
W/o Shri Rajendra Kumar Mukharia,
R/o Chowk Bazar, Biaora, M.P.
2. Smt. Meera Devi Mukharia
W/o Shri Prem Chand Mukharia,
R/o Chowk Bazar, Banda, U.P.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Half portion of Krishna Theatre (Talkies) Phalke Bazar, Gwalior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-1-1982
Seal :

FROM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2234.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Half portion of Krishna Talkies, situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 19-5-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (1) 1. S/Shri Chandrasui Rao,
2. Shivravji Rao,
3. Shambhaji Rao,
4. Abaji Rao,
All S/o Late Shree Anand Rao Phalke,
5. Smt. Kanchan Mala Phalke,
W/o Late Appaji Rao Phalke,
All R/o Phalke Bazar, Gwalior.
(Transferor)

- (2) 1. Smt. Madhuri Devi Mukharia
W/o Shri Rajendra Kumar Mukharia,
R/o Chowk Bazar, Biawara M.P.
2. Smt. Meera Devi Gupta
W/o Shri Prem Chand Gupta,
R/o Chowk Bazar, Banda, U.P.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Half portion of Krishna Theatre (Talkies) Phalke Bazar, Gwalior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal

Date : 7-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Saraswati Bai Trivedi
Wd/o Shri R. G. Trivedi,
Wd/o Shri R. G. Trivedi,
E-1/160, Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi,
R/o Sadar Bazar, Jabalpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2235.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of Plot No. 48, Sheet No. 70, situated at Gole Bazar, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 29-5-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 48, Sheet No. 70, situated at Gole Bazar, Jabalpur.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-1-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 7th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2236.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of Plot No. 48, Sheet No. 70, situated at Gole Bazar, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 29-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Saraswati Bai Trivedi
Wd/o Shri R. G. Trivedi,
R/o E-1/160, Arera Colony, Bhopal,
(Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Jain & Smt. P. Dutta,
Jabalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 48, Sheet No. 70, at Gole Bazar, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-1-1982

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Saraswati Bai Trivedi
Wd/o Shri R. G. Trivedi,
E-1/160, Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri R. D. Arjaria,
S/o Shri Madhusudan Arjaria,
S/o 11, Gole Bazar, Jabalpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 7th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2237.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of Plot No. 48, Sheet No. 70, situated at Gole Bazar, Jabalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 29-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1911) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHFDULE

Part of Plot No. 48, Sheet No. 70, at Gole Bazar, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal

Date : 7-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Saraswati Bai Trivedi
Wd/o Shri R. G. Trivedi,
E-I/160, Arera Colony, Bhopal

(Transferor)

(2) Shri S. D. Mehta,
2210, Wright Town, Jabalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2238.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of Plot No. 48, Sheet No. 70, situated at Gole Bazar, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 29-5-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 48, Sheet No. 70, at Gole Bazar, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 7-1-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Saraswati Bai Trivedi
Wd/o Shri R. G. Trivedi,
E-1/160, Arera Colony, Bhopal

(Transferor)

(2) Shri R. D. Arjaria
Cherital, Jabalpur
Shri S. D. Mehta,
2210, Wright Town, Jabalpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2239.—Whereas, I,
D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act)), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of Plot No. 48, Sheet No. 70, situated at Gole Bazar, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Jabalpur on 29-5-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 48, Sheet No. 70, at Gole Bazar, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
23—456GI/81

Date : 7-1-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2240.—Whereas, I,
D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of Plot No. 48, Sheet No. 70, situated at Gole Bazar, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 29-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Saraswati Bai Trivedi
Wd/o Shri R. G. Trivedi,
E-I/160, Arera Colony, Bhopal

(Transferor)

(2) Smt. Sadhana Shukla
W/o Shri N. P. Shukla,
Cheritalp, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 48, Sheet No. 70, at Gole Bazar, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal

Date : 7-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Jamshadji M. Duwas
S/o Shri Nasarvaji M. Duwas,
Near Gajanand Talkies, Katni.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Kamnibai
D/o Sunderlal Rajak,
Rly. Colony.
2. Smt. Sham Bai
D/o Hiralal Rajak,
Police Line, Jabalpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1982

Ref. No. JAC/AC&/BPL/2241.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 908/1 situated at Napier Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 25-5-1981 Jabalpur on 25-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 908/1 situated at Subhash Nagar, Napier Town, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-1-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Jamshedji M. Duwas
S/o Shri Nasarvaji M. Duwas,
Near Gajanand Talkies, Katni.

(Transferor)

(2) Smt. Jyoti Rani Singhai,
W/o Chandra Prakash Singhai,
Hanumantal, Jabalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2242.—Whereas, I,
D. P. PANTA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
House No. 378/2 & Plot No. 908/1 situated at
Napier Town, Jabalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jabalpur on 25-5-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 378/2, Plot 908/1, situated at Subhash Nagar, Napier Town, Jabalpur. (St. No. 773).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-1-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL-2243.—Whereas I,

D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot Kh. No. 439/1 situated at Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Raipur on 11-5-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kantibhai S/o Shri Rudhabhai Savaria, Naharpura, Raipur.
(Transferor)
- (2) Shri Kanu Bhai S/o Shri Nathubhai, Indravarma Colony, Raipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot Kh. No. 439/1 situated at Jawahar Nagar Ward, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 5-1-1982
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL-2244.—Whereas I,
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of Plot Kh. No. 439/1 situated at Jawahar Nagar, Nagar, Ward, Raipur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 11-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Kanti Bhai S/o Rudhabhai Savaria, Naharpura, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Haribhai S/o Shri Nathubhai, Indravarna Colony, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of Plot Kh. No. 439/1 situated at Jawahar Nagar Ward, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-1-1982
Seal :

FORM ITN8**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 5th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL-2245.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 17/17, Block No. 15 situated at Raipur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Raipur on 15-5-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Sardar Tara Singh S/o Late Sardar Indersingh
2. Sardar Gurmail Singh S/o Late Sardar Indersingh.
3. Smt. Chintkaur Wd/o Late Sardar Indersingh, Ali R/o 64, Anand Nagar, Raipur.
- (Transferor)

- (2) 1. Smt. Radhalata Sardar W/o Shri Satya Narain Sardar.
2. Master Vijay Kumar Sardar S/o Satya Narain Sardar, R/o 25, Panchsheel Nagar, Raipur.
3. Smt. Uma Devi Sardar W/o Kamal Kishore Sardar.
4. Master Pankaj Sardar S/o Kamal Kishore Sardar.
5. Mast. Manish Sardar, S/o Jugal Kishore Sardar, 21 H/IG Shankar Nagar, Raipur.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House at Plot No. 17/77, Block No. 15, situated at Civil Station Ward, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 5-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s Dayalal Meghji & Co., Malviya Road, Raipur.
(Transferor)(2) M/s Thackers H.P. & Co., Chhotapara, Raipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2246.—Whereas I,
 D. P. PANTA,
 being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. House, land Kh. No. 2/1 & 2/3 situated at Mahasamund, Raipur,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 21-5-1981,
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Pucca built house with godowns and court yard over land bearing Kh. No. 2/1 and 2/3 at village : Tendu Kona, Tah. Mahasamund, Raipur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

Date : 7-1-1982

Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s Dayalal Meghji & Co., Malviya Road, Raipur.
(Transferor)
(2) M/s Everest Leaves Co., Malviya Road, Raipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 7th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL-2247.—Whereas I,

D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Double Storeyed House situated at Sadar Bazar, Dhamtari,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhamtari on 29-5-1981,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of an income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—456GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pucca Built Double storeyed house with court yard in Sadar Bazar, Dhamtari—situated in Baniapara, Dhamtari, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 7-1-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Laxman S/o Fakirchand,
R/o Karmadi, Ratlam.
(Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Devi
w/o Badrilal Punjabi,
R/o Chowmukhi Phul,
Ratlam.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2248.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land Kh. No. 19/2 situated at Village Hafukhedi, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 11-5-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 19/2—Rekba 0.750 Hectare at Village Hafukhedi, Ratlam.

D. P. PANTA
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-1- 1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Laxman s/o Fakirchand,
R/o Karamdi, Ratlam.

(Transferor)

(2) Sh. Sankumar s/o Radhakrishan Punjabi
R/o Chowmukhi Phul,
Ratlam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2249.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land Kh. No. 19/2 situated at Village Hafukhedi, Ratlam,

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 11-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 19/2, Rekba 0.790 Hectare situated at Village Hafukhedi, Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-1-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Ramsukhi Bai w/o Ram gopal,
College Road, Ratlam.
(Transferor)
- (2) Kalyani Paper Product Ltd.,
Registered Office, Atmaram House, 1. Tolstoey Marg,
New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2250.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 181/11 situated at Vill. Desigaon, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 2-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the transferee for Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 181/11 situated at Village Desigaon, Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-1-1982
Seal :

FORM IINS—

(1) Smt. Kaushaliya Bai w/o Mathuralal,
R/o College Road, Ratlam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kalyani Paper Product Ltd.,
Registered Office, Atmaram House, 1, Tolstoey Marg,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2251.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 181/9 situated at Vill. Desigaon, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ratlam on 2-5-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 181/9 situated at Village Desigaon, Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-1- 1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 6th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2252.—Whereas, I, D. P.

PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr.

Land Kh. No. 181/10 situated at Vill. Desigaon, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 2-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Vidya Bai w/o Bhagwatilal Beradiya, C/o Ramchandra s/o Dhoolji Barodiya, College Road, Ratlam.

(Transferor)

(2) Kalyani Paper Product Ltd., Registered Office, Atmaram House, 1, Tolstoev Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 181/10 situated at Village Desigaon, Ratlam.

D. P. PANTA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,
 4th Floor, Gangotri Building,
 T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 6-1-1982
 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Km. Parveen d/o Shri Esach Shahchaina,
5/2, Manoramaganj, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th January 1982

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/2253.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 4/2 situated at Manoramaganj, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17-5-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Plot No. 4/2 situated at Manoramaganj, Indore.

D. P. PANTA
Inspecting Assistant Commissioner of
of Income-tax,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 6-1-1982
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Laxmandas Rochaldas Rochalmi,
117, Triveni Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shrichand s/o Oaimal,
(2) Chetankumar s/o Daimal Kukreja,
49, Triveni Colony, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 6th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2254.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House on Plot No. 49, situated at Triveni Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 19-5-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on plot No. 49, at Triveni Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-1-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Dr. Shankerlal S/o Sakheram Bhonsale
1/6, Ajay Apartments, Senapathi Bapat Road,
Puna.
(Transferor)
- (2) Laxminarayan S/o Shivcharanlal Hadiya,
Krishnapura, Dewas.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
Bhopal, M.P.**

Bhopal, the 6th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2255.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 45, situated at Krishnapura Road, Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dewas on 7-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 45, situated at Krishnapura Road, Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—456GI/81

Date : 6-1-1982
Seal :

FORM ITNS(1) Shri Shiv Narain s/o Jaganath Sharma,
R/o Dewas.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Shri Jagdishkumar
S/o Jaidayal Madan,
R/o Dewas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.,**

Bhopal, the 7th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2256.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 7, situated at Padamahan Colony, Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dewas on 16-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the esaid property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 7, situated at Padamahan Colony, Dewas.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 7-1-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Babulal S/o Manoolal Agarwal,
R/o Chowk, Burhanpur.

(Transferor)

(2) Firm **M& Venketeshware Cotton Co.**
Burhanpur through Partner—
Shri Chhaganlal Pannalal Agrawal,
R/o Chowk, Burhanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
Bhopal, M.P.**

Bhopal, the 6th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2257.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land Kh. No. 201 situated at LalBag, Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Burhanpur on 1-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Khasra No. 201—Rekba 2,015 Hector with Motor Pump 5 HP—situated at Lalbag, Burhanpur.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-1- 1982
Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) Shri Jitendra Kumar s/o Kanji Bhai,
R/o Naharpura, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2258.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land Kh. No. 302/5 situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 2-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M. P. Agric. Pvt. Ltd.,
Through Director—
Shri Rajendra Kumar S/o Biharilal Jain,
Near Sindhi School, Ramsagarpara,
Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2.12 Acres—Kh. No. 302/5, at Ramsagarpara, Raipur.

D. P. PANTA
Inspecting Assistant Commissioner of
of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-1-1982
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Murarilal S/o Late Ghisaram Agarwal,
R/o Azad Nagar, Magan Ganj,
Bilaspur.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Kumar Bhaduri,
R/o Gondapara, Bilaspur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2259.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of Plot No. 22/1 Sheet No. 29 situated at Magan Ganj, Azad Nagar, Bilaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 5-5-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 22/1 Sheet No. 29, at Magan Ganj, Azad Nagar, Bilaspur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-1-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
Bhopal, M.P.****Bhopal, the 5th January 1982**

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2260.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of Plot No. 22/1 Sheet No. 29, situated at Azad Nagar, Magan Ganj, Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 6-5-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Murarilal S/o Late Ghisaram Agarwal, R/o Azad Nagar, Magan Gap, Bilaspur.

(Transferor)

(2) Smt. Renuka Dutta w/o S. K. Dutta, Jarah Bhata, Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Part of Plot No. 22/1, Sheet No. 29, situated at Magan Ganj, Azad Nagar, Bilaspur.

D. P. PANTA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 5-1-1982
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 5th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2261.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of Plot No. 22/1, Sheet No. 29, situated at Magan Ganj, Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 6-5-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Murari Lal S/o Late Ghasiram Agarwal, R/o Azad Nagar, Bilaspur.

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Ranjan Chakravarthy, R/o Jaraha Bhata, Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 22/1, Sheet No. 29, situated at Magan Ganj, Bilaspur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 5-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) .

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2262.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of Plot of Bungalow No. 851 situated at Napier Town, Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 9-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Eastern Oxygen & Acetylene Ltd.,
851, Napier Town, Jabalpur
At present Industrial Area Adhartal, Jabalpur.
(Transferor)

(2) 1. Smt. Phoola Bai w/o Mansingh
1110, Aandherdeo, Jabalpur.
2. Smt. Savitri Bai wd/of Surein Kumar Gupta,
304/2, Karamchand Chowk Jabalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of plot of Bungalow No. 851, Plot No. 23, Block No. 5, situated at Napier Town, Jabalpur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-1-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 7th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL-2263.—Whereas I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Part of Plot Bungalow No. 851 situated at Napier Town,
Jabalpur,
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jabalpur on 9-5-81,
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property,
and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (1) M/s Eastern Oxygen & Acetylene Ltd., 851, Napier Town, Jabalpur—At present Industrial Area. Adhartal, Jabalpur.
(Transferor)
- (2) Smt. Salima Bi W/o Sheikh Rehman, 897/3, Marhatal, Jabalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of plot of bungalow No. 851, situated at Napier Town, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building
T. T. NAGAR, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—456GJ/81

Date : 7-1-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) M/s Eastern Oxygen & Acetylene Ltd., 851, Napier Town, Jabalpur—At present Industrial Area, Adharatal, Jabalpur.
(Transferor)
- (2) Smt. Sharda Sachdeva M/o Shri R. C. Sachdeva, 792, Wright Town, Jabalpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL-2264.—Whereas I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Part of Plot Bungalow No. 851, situated at Napier
Town, Jabalpur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jabalpur on 9-5-1981,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Plot Bungalow No. 851, situated at 851, Napier
Town, Jabalpur.

Date : 5-1-1982
Seal :

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, Bhopal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 5th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL-2265.—Whereas I,
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of Plot of Bungalow No. 851 situated at Napier Town, Jabalpur,
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 9-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Eastern Oxygen & Acetylene Ltd., 851, Napier Town, Jabalpur—At present Industrial Area, Adharatal, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Mehmod S/o Mohd. Isa and Smt. Khursheed Begum W/o Mohd. Mahmood, R/o 278, Hanumanthal, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Plot of Bungalow No. 851, situated at Napier Town, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, Bhopal

Date : 5-1-1982
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) M/s Eastern Oxygen & Acetylene Ltd., 851, Napier Town, Jabalpur.
(Transferor)

(2) Smt. Savitri Bai Gupta, Wd/o Suresh Kumar Gupta, R/o Ganjipura, Jabalpur C/o Gupta Hotel, Karamchand Chowk, Jabalpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL-2266.—Whereas I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under
Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Part of Plot of bungalow No. 851 situated at Napier
Town, Jabalpur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jabalpur on 9-5-1981,
for an apparent consideration which is less than fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Plot of Bungalow No. 851, situated in Napier Town, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-1-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Eastern Oxygen & Acetylene Ltd., 851, Napier Town, Jabalpur.
(Transferor)

(2) Shri Pyarelal Lukhanpal, 353-A East Ghamapur, Jabalpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 5th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL-2267.—Whereas I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Part of Plot of Bungalow No. 851, situated at Napier
Town, Jabalpur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Jabalpur on 9-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefore more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot of Bungalow No. 851, Napier Town, Jabal-
pur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, Bhopal

Date : 5-1-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) Laxmandas Agrawal, 1/1, Old Palasia, Indore,
(Transferor)
- (2) Shri Nandlal Bajaj & Pratap Bajaj, Maharani Road,
Indore.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE
BHOPAL.**

Bhopal, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL-2268.—Whereas I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 1, Survey No. 412/3 situated at Choti Khajrani, Indore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Indore on 20-3-1981,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and explanation used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 1, Survey No. 412/3, at Choti Khajrani, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1982

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sampath Devi Agrawal, 1/1 Old Palasia,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Nandlal Bajaj & Pratap Bajaj, Maharani Road,
Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE
BHOPAL**

Bhopal, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL-2269.—Whereas I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 2, Survey No. 412/3 situated at Choti Khajaran, Indore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 20-5-1981,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 2, Survey No. 412/3, at Choti Khajaran, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL-2270.—Whereas I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 4, Survey No. 412/4 situated at Choti Khajarani, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20-5-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Vijay Kumar Agrawal, 1/1, Old Palasia, Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Laxmandas Bajaj & Harish Bajaj, Maharani Road, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- 'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 4, Survey No. 412/4, situated at Choti Khajarani, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, Bhopal

Date : 11-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Ramnath Agrawal, 1/1, Old Palasia, Indore.
(Transferor)(2) Shri Nandlal Bajai & Pratap Bajai, Maharani Road,
Indore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPI-2271.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 3, Survey No. 412/3 situated at Choti Khajarani, Indore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 28-5-1981,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 3, Survey No. 412/3, at Choti Khajarani, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, Bhopal

Date : 11-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
27—456G1/81

FORM ITNS

- (1) Shri Vimalchand Sethi S/o Shri Ma'halal Sethi,
R/o Kanchan Bagh, Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Rajendrakumar and Sso/ Shri Sampatkumar
Both R/o 31, Sir Seth Hukamchand Marg, Indore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL-2272.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Moul H. No. 31 situated at Seth Hukam Chand Marg, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 6-6-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Municipal H. No. 31, Sir Seth Hukam Chand Marg, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Ganotri Building
T. T. NAGAR, Bhopal

Date : 11-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Sampatsingh Sancheti S/o Shri Subhasingh Sancheti, 57, Sanyogitagani, Indore.
(Transferor)

(2) Smt. Aban Walia W/o Shri Manjit Singh Walia, 3, New Palasia, Indore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL-2273.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7 situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 30-5-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 7, Division No. 3-A, Dr. Roshansingh Bhandari Marg, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kailash Singh, Subhash Singh, Both S/o Ram Lal, R/o Piplani, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Nirmal Kumar S/o Mammal, Ramprasad S/o Kanhaiya, Prahlad S/o Ghisu Singh, Sewaram S/o Ghisilal, R/o Piplani, Bhopal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE

BHOPAL,
Bhopal, the 5th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL-2274.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. Land situated at Piplani, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 20-5-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Agricultural land admeasuring 51.60 Acres situated at Piplani, bearing Kh. No. 428.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, Bhopal

Date : 5-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 6th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL-2275.—Whereas I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. House No. 378/2, Plot No. 908/1 situated at Napier Town, Jabalpur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 25-5-1981,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jamshedji M. Duwas S/o Shri Nasarvanji M. Duwas, Near Gajanand Talkies, Katni.
(Transferor)

(2) Shri Ramkishan S/o Narayandas Agrawal, Hanumantal, and Shantidevi D/o Shiv Kumar Gupta, Lajpat Kunj, Napier Town, Jabalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House No. 378/2, and Plot No. 908/1, at Subhash Nagar, Napier Town, Jabalpur St. No. 773.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date : 6-1-1982
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD.**

Ahmedabad-380 009, the 23rd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1520-Acq.23-I. 81-82.—Whereas, I. G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 831, situated at Village Makarba, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-5-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Karamshi Jeshingbhai; Near S.T. Bus Stand, Ahmedabad.
(Transferor)

(2) 1. Shri Dahyabhai Jethabhai, Village Lambha, Dist. Ahmedabad.
2. Shri Tulshibhai Vithalbhai, Village Vejalpur, Distt. Ahmedabad.
3. Shri Kantibhai Vithalbhai, Village Vejalpur, Distt. Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 7502 sq. yds. bearing S. No. 831, situated at village Makarba Dist. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 4905/18-5-1891 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 23rd December, 1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 23rd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1521-Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. 409-Sub-Plot No. 6, TPS.3, situated at Mithakhuli, Changispur, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-5-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Shobhankumar Shantilal Kusungar; through: Power of Attorney Holder—Shri Satishchandra Budhalal Shah, Near Gita Baug, Opp. Nutan Society, C.G. Road, Paldi, Ahmedabad-9.
(Transferor)
- (2) Shri Pravinchandra Nemchand Shah; 10-A, Vasant Vihar Society, Mithakhali, Six Road, Navrangpura, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 6 of 2nd floor—adm. 107 sq. yds.—bearing F.P. No. 409 sub-plot No. 6, TPS., situated at Nithakhali Changispur, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 5556/13-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I,
Ahmedabad.

Date : 23rd December, 1981.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Mafatlal Naraindas Prajapati; Sabarmati, Ramnagar, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Parasmal Dolatray Bagmar, C/o, Rajendra-kumar Gulabchand; 705, New Cloth Market, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 23rd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1522-Acq.23-I '81-82.—Whereas,
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 107-5 paiki situated at Achier, Sabarmati, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 8, adm. 102 sq. yds.—bearing S. No. 107-2/5 paiki situated at Achier, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale-deed No. 5025/2-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 23rd December, 1981.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 23rd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1523-Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 107-2 paiki situated at Achier, Sabarmati, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 2-5-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Mafatlal Narandas Prajapati; Sabarmati, Ramnagar, Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Shri Lunchand Motilal—HUF, Karta Shri Lunchand Sevaramji, C/o. Hiralal Lalchand & Co. 704-A-14, Sindhi Market, Ahmedabad-2.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 6--adm. 102 sq. yds.—bearing S. No. 107/2 paiki situated at Achier Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 5027/2-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
Ahmedabad.

Date : 23rd December, 1981.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
28—456G1/81

FORM ITNS—

- (1) Sh. Mafatlal Narandas Prajapati; Sabarmati, Ramnagar, Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Shah Madanlal Champalalji Sharaf; Thakurdas Bldg., Mirghawad, Ahmedabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 23rd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1524-Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 107-2/55 paiki situated at Achier Sabarmati, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, adm. 102 sq. yds. bearing S. No. 107-2/5 paiki situated at Achier, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 5026/2-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23rd December, 1981.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Vimlaben daughter of Patel Parshottamdas Karsandas; 'Gauri', Pravin Colony, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Lalbhai Apartments Coop. H. Society Ltd., Promoter & Chairman, Shri Pramodbhai Kuberdas Patel; Hansola Pole, Dariapur, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 23rd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1525-Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 57-1 paiki situated at Wadaj sim, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 11-5-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 968 sq. yds. bearing S. No. 57-1, A.O. 32 paiki situated at Wadaj, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 2804/11-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
Ahmedabad.

Date : 23rd December, 1981.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Kumudini Rajikant Lakhia; New Brahamkshtriya Society, Ellisbridge, Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Miraben Sncalbhai Lakhia; Navrangpura, Ahmedabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 23rd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1526-Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 443, 444, Plot No. 8 paiki Sub-Plot No. 8/3, situated at Village Bodakdev, Dist. Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Ahmedabad on 4-5-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 935 sq. yds, bearing S. No. 443 and 444 sub-plot No. 8 paiki sub-plot No. 8/3, situated at Bodakdev, Dist. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 50999/4-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
Ahmedabad.

Date : 23rd December, 1981.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 23rd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1527-Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F.P. No. 101, Sub-Plot No. 1, 2 & 3, TPS.3, situated at Navrangpura, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 11-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Gulabchand Karodimal Dhut, HUF, Karta Shri Gulabchand Karodimal Dhut, T-37, Shantinagar, Vadaj, Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Harisiddh Coop. H. Society Ltd., through : Manager: Shri F. C. Trivedi, Harisiddh Coop. Bank Ltd. Harisiddh Chambers, Ashram Road, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 15—adm. 309 sq. ft. bearing P. No. 101, Sub-Plot No. 1, 2 & 3 paiki—standing on land 4590 sq. yds. situated at Navrangpura, Ahmedabad vide sale-deed No. 5439 dt. 11-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23rd December, 1981.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Dhanlaxmiben Ramchandra Tripathi; 12, Kishore Colony, Nr. Sanghavi High School, Nawa Wadaj, Ahmedabad
(Transferor)
- (2) Samyuktaben Shirishkant Tripathi; Mukhivas, Village : Saijpur Bogha, Ahmedabadd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 23rd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1528-Acq.23-I/81-82.—Whereas, I,

G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 368, Hissa No. 11, C. No. 326 situated at Wadaj, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 927 sq. yds. bearing S. No. 368, Hissa No. 11, C. No. 326, situated at Wadaj, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 5253/7-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23rd December, 1981.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Babaldas Naraindas Patel; Ambawadi, Nar-sinhbaug, Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Shri Rameshchandra Jadavji Patel; Charul Flate, Ambawadi, Ahmedabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 23rd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1529-Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 186, Sub-Plot No. 5, F.P. 589, situated at Paldi, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Ahmedabad on 21-5-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bldg. bearing S. No. 186, Sub-Plot No. 5, F.P. No. 589 standing on land 612 sq. mts i.e. 734 sq. yds. situated at Paldi, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 5913/21-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23rd December, 1981.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1530 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 29-A/1/1/1, Sub-Plot No. 16 paiki
16/A situated at Achier, Sabarmati, Ahmedabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 16-5-1981,
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (1) 1. Shri Chunilal Chhagaji;
2. Shri Dhanjibhai Ganeshbhai;
3. Shri Sarmel Kishanlal, Sabarmati, Ramnagar,
Ahmedabad.

(Transferors)

- (2) 1. Shri Rameshchandra Ratilal Shah;
2. Shri Chandrakaben Gajeshkumar Shah;
Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 562 sq. yds. bearing S. No. 29/A/1/1/1 paiki
Sub-Plot No. 16, paiki 16-A situated at Achier, Sabarmati
Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad
vide sale-deed No. 5007/16-7-81 i.e. property as fully described
therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date : 23rd December, 1981.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Vinodiben Bhagwatiprasad Shah & others;
12, Virvijay Society, Naranpura, Ahmedabad.
(Transferors)
- (2) Shri Rajnikant Chunilal Patel; 11, Harsiddh Society,
Navrangpura, Char Rasta, Ahmedabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1531 Acq. 23.I/81-82.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding S. No. 31 paiki Sub-Plot No. 8, 9 & 10, FP. 93, TP S. 15, situated at Wadej, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Ahmedabad on 26-5-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 209 sq. mts. i.e. 250 sq. yds.—bearing S. No. 31, paiki Sub-Plot No. 8, 9 and 10, TP S. 15,—FP. No. 93, situated at Wadej, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 6064/26-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29—456GI/81

Ahmedabad : 23-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1532 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,
 being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 128-1 & 128-2-2 paiki Private Plot No. 1 & 2 situated at Naroda, Ahmedabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-5-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) 1. Draupadi Valiram;
 Gol Limbda, Maninagar, Ahmedabad.
 2. Parpayomal Jagumal,
 Gol Limbda, Maninagar, Ahmedabad.
 (Transferors)

- (2) Swami Shantiprakash Apartments Coop. H. Society Ltd. (Proposed);
 Shri Parshottam Neherchandas,
 Sohrabjee Compd., Wadaj, Ahmedabad.
 (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 469—469 i.e. 938 sq. yds. bearing S. No. 128-1, 128-2-2 paiki—private Plot No. 1 & 2 Panchayat No. 609/2/24 & 25, situated at Naroda, Dist. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 5826 and 5827/20-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 23-12-1981
 Seal :

FORM ITNS—
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1533 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
F. No. 852 (Part), M.C. No. 852/B/5/5 situated at TPS. 3,
Ahmedabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 5-5-1981,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(1) Shri Ashokkumar Jaswantlal Modi; Tankshal, Kalu-
pur, Ahmedabad.
(Transferee)
Silip Ambalal Modi; R. No. 15, P.G. Hospital, New Civil
Hospital; Asarva, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat at second floor of blg. No. 2, of Mewawalla Flat,
adm. 105 sq. yds. FP No. 852 (Part) M.C. No. 852/B/5/5,
situated at TPS. 3, Ahmedabad, duly registered by Sub-
Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 5013/5-5-81 i.e.
property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23-12-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

FORM ITN¹

- (1) Smt. Snehlata Chandrakant Ajmera; Jintan Road, Surendranagar,
(Transferees)
- (2) Shri Bipinchandra Jayantilal Shah; Jintan Road, Nr. Sharda Society, Surendranagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1534 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
S. No. 5223 situated at Jintan Road, Surendranagar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at
Wadhawan on 16-5-1981,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 200 sq. yds. bearing S. No. 5223
situated at Jintan Road, Surendranagar duly registered by
Sub-Registrar, Wadhawan, vide sale-deed No. 2131/4/16-5-
81 i.e. property as fully described therein.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 24-12-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1535 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 609 paiki situated at Dhrangadhara, Dist. Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Dhrangadhara on 28-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Zala Harishchandrasinh Ajitsinh; Near Devala's Chora, Dhrangadhara, Dist. Surendranagar.

(Transferor) (s)

(2) Bhargavi Coop. Housing Society Ltd., through : President; Shri Gagji Shamjibhai Solanki, Dhrangadhara.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land adm. 5587.14 sq. mts. i.e. 6704 sq. yds. bearing S. No. 609 paiki situated at Dhrangadhara, duly registered by Sub-Registrar, Dhrangadhara vide sale-deed No. 1192/28-5-81 i.e. property as fully described therein.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24th December, 1981.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Zala Harishchandra Ajitsinh;
Near Depala's Chora;
Dhrangadhara.

(Transferee)(s)

(2) Shri Krishnanagar Coop. H. Society Ltd. through
Shri Krishna Vijaysinh Natwarsinh; Swaminarayan
Compound, Dhrangadhara.

(Transferee)(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1536 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 609 paiki situated at Dhrangadhara, Dist. Surendranagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Dhrangadhara on 7-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 5645.35 sq. mets. i.e. 6774 sq. yds. bearing S. No. 609 paiki situated at Dhrangadhara, duly registered by Sub-Registrar, Dhrangadhara, vide sale deed No. 1062/7-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24th December, 1981.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Hasmukhlal Labhachandra through P.A. Holder; Shri Kashiram Manilal Adeshara, 5, Saramangal Society, Ahmedabad.
 (Transferor) (s)
- (2) 1. Sushilkumariba Sursinhji Zala;
 2. Sudhirsinhji Sursinhji Zala;
 both at "Sunder Bhawan", Wadhawan City,
 Dist. Surendranagar.
 (Transferee) (s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I,
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1537 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

C.S. No. 221, situated at Wadhawan, Dist. Surendranagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Wadhawan on 14-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 221—Adm. 505 sq. mts. i.e. 606 sq. yds. situated at Wadhawan, Dist. Surendranagar duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan vide sale deed No. 2100/14-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 24th December, 1981.
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1538 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I.

G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 222, situated at Wadhawan, Dist. Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Wadhawan on 14-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kashiram Manilal Adeshara;
5, Sarvamangal Society, Navrangpura,
Ahmedabad.
(Transferor)(s)
- (2) 1. Sushilakumariba Sursinhji Zala;
2. Sudhirsinhji Sursinhji Zala;
both at "Sunder Bhawan",
Wadhawan City, Dist. Surendranagar.
(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Land bearing S. No. 222—adm. 496.48 sq. mts. i.e. 595 sq. yds. situated at Wadhawan Dist. Surendranagar duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan, vide sale deed No. 2101/14-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24th December, 1981.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDBLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1539 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingS. No. 4066, Ward-G, situated at Surendranagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Surendranagar on 6-5-1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (1) Shri Mahendra Kantilal Parikh;
Karta of H.U.F Family;
Vadipara, Sheri, No. 2, Surendranagar.
(Transferor) (s)
- (2) Sanghvi Indira Arvindkumar;
1, Merchant Society, Jintan Road,
Surendranagar.
(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land adm. 29300 sq. mts. bearing S. No. 4066, Ward-G,
situated at Surendranagar, duly registered by Sub-Registrar
Wadhawan, vide sale deed No. 2008/6-5-81 i.e. property as
fully described therein.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys of other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923
(11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
30—456GI/81

Date : 24th December, 1981.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Kanabhai Malabhai Gadhavi;
Village : Nana Madhad, Post Nana Madhad,
Tal. Wadhwana.
(Transferor)(s)
- (2) Shri Mahendrasinh Narsinh Padhiar,
Jintan Road, Surendranagar.
(Transferee)(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1540 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 97 paiki situated at Wadhwana, Dist. Surendranagar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Wadhwana on 15-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 97 paiki—8093 sq. mts. for industrial purpose and 8295 sq. mts. for residence purpose, situated at Wadhwana—Surendranagar duly registered by Sub-Registrar, Wadhwana vide sale deed No. 2125/15-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24th December, 1981.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 28th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1541 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 124-2, FP. 110, Sub-Plot No. 2, paiki 2-A-1 situated
at Navrangpura, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 18-5-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(1) Ratilal Park Coop. H. Society Ltd.,
through : Secretary : Shri Arvind A. Shah,
Panchrasta, Navrangpura, Ahmedabad.
(Transferor)

(2) Shri Shivabhai Behchardas Patel;
Rang-Upyan Society, Nr. Sardar Patel Stadium,
Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 299 sq. yds. situated at Navrangpura, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 5748/18-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dt. : 28th December, 1981.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380-009, the 28th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1542 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, J. G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 124-2, FP. 110, Sub-Plot No. 2 paiki 2-A-2 situated at Navrangpura Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 18-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ratilal Park Coop. H. Society Ltd., through : Secretary : Shri Arvind A. Shah, Panchrasta, Navrangpura, Ahmedabad.
(Transferor) (s)

(2) Smt. Pratimaben Shivabhai Patel; Rangupvan Society, Nr. Sardar Patel Stadium, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 299 sq. yds. situated at Navrangpura, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, A'bad, vide sale deed No. 5749/18-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28th December, 1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Ratilal Park Coop. H. Society Ltd. through: Secretary : Shri Arvind A. Shah, Panchrasta, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Babubhai Becharbhai Patel; Rangupvan Society, Nr. Sardar Patel Stadium, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1543 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 124-2, FP. 110, SP. No. 2 paiki, 2-B-1, situated at Navrangpura, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-5-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 299 sq. yds. situated at Navrangpura, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, vide sale deed No. 5748/18-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 28th December, 1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Ratilal Park Coop. H. Society Ltd., through : Secretary : Shri Arvind A. Shah, Panchrasta, Navrangpura, Ahmedabad.
 (Transferor)
- (2) Shri Lalitkumar S. Patel; Rangupvan Society, Nr. Sardar Patel Stadium, Ahmedabad.
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
 HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
 Ahmedabad-380 009, the 28th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1544 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, J. G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 124-2, FP. No. 110, SP. No. 2 paiki 2-B-2, situated at Navrangpura, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-5-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 299 sq. yds. situated at Navrangpura, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale-deed No. 5751/18-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28th December, 1981
 Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1545 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A.1 & A.3 situated at Race Course, Vithal Apartment, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 27-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Vithal Construction Co. Partner Shri Pranlal Vithaldas Rajdev & others; Race Course, Rajkot. (Transferor)
- (2) Shri Bhikhilal Ramjibhai Patel; A-3, Vithal Apartment, Race Course, Rajkot. Smt. Minaxiben H. Sanghvi, A-1, Vithal Apartment, Race Course, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flats bearing No. A-3 & A-1, situated at 7 Vithal Apartment, at Race Course, Rajkot adm. 1543.12 sq. ft. as fully described in the sale-deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 4277 & 4276 dated 27-5-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 30th December, 1981.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Bharwad Ghelabhai Sindhubhai; Bamanbor.
(Transferor)
- (2) Shri Bijalbhai Dungarhai Toria; Ramnagar Sheri
No. 6, Rajkot.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1546 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Rajkot on 13-5-1981,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 91571 sq. yds. as fully described in the sale
deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn.
No. 3799, dated 13-5-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I. Ahmedabad

Date : 30-12-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Shri Bhimshibhai Khetashibhai; Shramlivi Society, Rajkot.
 (Transferor)
 (2) Shri Shantilal Jaiambhai Saparia; Bajrenewadi, Rajkot.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009. the 30th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1547 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 489, Plot No. 59, situated at Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 13-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land situated at Rajkot bearing S. No. 489, paiki, Plot No. 59 adm. 930.8 sq. yds. as fully described in the sale-deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 3805 dated 13-5-1981.

G. C. GARG
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 30-12-1981
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—456GI/81

FORM ITNS—

- (1) Shri Bharatkumar Amratlal Mehta; Kul-Mukhatiar Shri Laxmidas Hirachand Lakhani, Darapith, Rajkot.
(Transferor)
- (2) Shri Gordhandas Mavjibhai Patel; Nandkishor Society, Rajkot.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1548 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 86, Plot No. 15, situated at Raiya, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot in May 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Raiya, Rajkot bearing S. No. 86, Plot No. 15, adm. 557-3 sq. yds. as fully described in the sale-deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 2643 in the month of May 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 30-12-1981
Seal

FORM ITNS

- (1) Shri Nanalal Dahyabhai Natali; Maniben Nanalal Natali, Chambur, Bombay-74.
(Transferor)
- (2) Shri Mulchand Vadhulal Jethani; Ramnath Para, Rajkot.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1549 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 90 paiki, Plot No. 10, situated at Nana Mava, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 27-5-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land situated at Nana Mava, Rajkot bearing S. No. 90 Plot No. 10, adm. 600 sq. yds. as fully described in the sale-deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 4305 dated 27-5-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-12-1981
Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1550 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 96, Plot No. 9, situated at Village Nava Unava,
 Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Rajkot on 27-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Maniben Nanabhai Natali; Shri Madanlal Nanabhai Natali; 122, Collector Colony, Chambur, Bombay.
 (Transferor)

(2) Shri Mohanbai Naranbhai Tank; Sorathjiawadi, Raikot and Amratlal Liladhar Mehta, 'Mani Bhavan', Charalgam, Ghatkopar, Chambur, Bombay.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Nana Nava, Rajkot bearing S. No. 96, Plot No. 9, adm. 485.5 sq. yds, as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 4304 dated 27-5-1981.

G. C. GARG
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 30-12-1981
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pravinchandra Ramanlal Parekh; Smt. Bharati Ben Pravinchandra Parekh; 3-Vaishali Nagar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Habib Abdul Rahim Shaikh; Nehrunagar, Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1551 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

S. No. 145, paiki Plot No. 7, situated at Village Raiya Seem,
Rajkot,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Rajkot on 30-5-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land situated at the village Raiya Sim, Rajkot bearing S.
No. 145 paiki, Plot No. 7, Adm. 404-5-0 sq. yds. as fully
described in the sale deed registered by the Sub-Registrar,
Rajkot vide Regn. No. 2709 on 30-5-1981.

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 30-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1552 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

S. No. 77 paiki, Plot No. 13 paiki situated at Nana Mava,
Rajkot,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at
Rajkot in May 1981,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Sudhirchandra Chunilal Mehta; 1, Sardarnagar, Rajkot.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Bharatkumar Chamanlal; 1, Sardar Nagar, Rajkot.
2. Shri Kantilal Chamanlal; Mochi Bazar, Rajkot.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land situated at Nana Mava, Rajkot bearing S. No. 77,
plot No. 13 paiki adm. S. Yds. 306-8-72 + 306-8-72 as
fully described in the sale-deeds registered with the Sub-
Registrar, Rajkot vide Regn. No. 3364 & 3365 in the month
of May 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

Date : 30-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 29th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1553 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing No.

S. No. G-4-1 paiki, Plan No. 11, Plot No. 23, situated at
 Jampuri Estate, Jamnagar,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 Jamnagar on 15-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and
 that the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

- (1) Shri Arvind Liladhar Varia; Varia-no-Dehlo, Nr.
 Jain Derasar, Jamnagar.
 (Transferor)
 (2) Shri Anil Jethanand Parvani; 8, Kala Sadan, 66,
 Jyotiba Kore Road, Naigav, Bombay.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever
 period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of publication
 of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Jamnagar bearing S. No. G-4-1 paiki
 Plan No. 11 of Jampuri Estate, Plot No. 23, adm. 336.76 sq.
 mts. as fully described in the sale-deed registered with the
 Sub-Registrar, Jamnagar vide Regn. No. 1754 dated 15-5-81.

G. C. GARG
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 29-12-1981
 Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Varshaben Harshvadan Varla: Near Aandbava Chakla, Jamnagar.
2. Shri Girdhari Devji Pattani, 3. Patel Colony, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Girjashanker Govindram Joshi; Bombay at present : Jamnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 29th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1554 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Main Part G-5, S. No. 39, Plan B-4, Plot No. 27B situated at paiki 27-A situated at Jamnagar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 30-5-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land situated Opp. Motor House, bearing Main Part at Sheet No. 5, S. No. 39 paiki Plan No. B-1, Plot No. 27-B, paiki 27A, adm. 2747.76 sq. yds. i.e. 255.26 sq. mts. as fully described in the sale-deed registered with the Sub-Registrar, Jamnagar vide Regn. No. 1966 dated 30-5-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-12-1981
Seal :

FORM ITNS

- (1) Bhai Jiji widow of Manaji Gagaji; Village Vejalpur,
Dist. Ahmedabad.
(Transferee)
- (2) Rameshwari Vihar Coop. Housing Society Ltd. Chair-
man : Shri Govindbhai Ambalal Patel; 2/1, Kamesh-
war Apartments, Ambawadi, Ahmedabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1555 Acq.-23-I/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 325/1 paiki situated at Vejalpur, Ahmedabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 5-5-1981,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 937.75 sq. yds. bearing S. No. 325/1 paiki
situated at Village Vejalpur, Dist. Ahmedabad, duly registered
by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 5111/5-5-
81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 30-12-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
32--456GI/81

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th December 1981

Ref. No. RAC 225/81-82.—Whereas, I

S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Pender ghast road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in May 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Ratan Bai Meghji W/o Meghji C/o M/s Premji Bhanji & Co. Door No. 29 Chinch Bunder P.B. No. 5032, Bombay-9.
(Transferor)

- (2) 1. Smt. G. Anasuya Bai W/o Sri Ambaji Rao 3-4-659/6&7 First floor, Narayanguda, Hyderabad-29.
2. Smt. G. Ambika Bai W/o G. Pandharinath 21-1-206/A Ricab gunj, Hyderabad-2.
3. Smt. G. Nirmala Bai W/o G. Narsing Rao 21-1-463 to 465 Ricab gunj, Hyderabad.
4. Smt. G. Meera W/o G. Kishen Rao.
5. Smt. G. Meera Bai S/o G. Shankar Rao.
6. Sri G. Babu Rao.
7. Sri G. Suresh Kumar S/o G. Yelloji Rao.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 64 M, No. 1-8-31 to 41 and 131 and 141 Bapu bagh penderghast Road, Secunderabad area 380 sq. yards registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 292/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 14-12-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Sri T. Ramaiah Chowdary S/o late Sri Laxmi Perumallu 1-294 Tarnaka Secunderabad.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sri M. Sashidar Reddy S/o M. Chenna Reddy 28 Jalaguda, Scounderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 14th December 1981

Ref. No. RAC 226/81-82.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agl. land situated at Peerzadi guda Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Uppal in May 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Agricultural land 2.84 acres part of sy. No. 64 at peerzadiguda village Hyderabad East taluk Hyderabad registered with Sub-Registrar Uppal vide Doc. No. 1625/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-12-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 14th December 1981

Ref. No. RAC 227/81-82.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agl. land situated at Peerzadiguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Uppal in May 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri T. Ramaiah Chowdary S/o late Laxmi perumalla 1-294 Tarnaka Secunderabad.
(Transferor)

(2) Kum M. Anandamaji D/o Sri M. Sashidhar reddy 28, Jalaquda, Secunderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 3 acres part of survey No. 64 at peerzadiguda village Hyderabad East Taluk registered with Sub-Registrar Uppal vide Doc. No. 1428/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 14-12-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 14th December 1981

Ref. No. RAC 228/81-82.—Whereas, I,
S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Open land situated at Bashirbagh Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May 1981,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Smt. Abida Zaar Ali W/o Syed Zafar Ali 5-9-43 Bashir bagh, Hyderabad GPA Syed Asgar Hussain S/o Syed Tasaduq Hussain 2. Shri Zohra Begum w/o Syed Asghar Hussain 3. Sri Jafar Hussain S/o late Rahmat Ali Ali Lodji, Darusara, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Rajaram S/o late Sri Ishwardas and Sri Suresh-kumar S/o late Ishwardas 5-9-42/6 Bashirbagh, Hyderabad,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land area 340 sq. yards part of plot nos. 1&2 (part of Sy. No. 206) gaganmahal village M. No. 5-9-46/5 Bashirbagh, Hyderabad along with Tin sheds registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 2787/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 14-12-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Waloda Hussain Ali Fathima Begum
W/o Abdullah,
3-5-780/4 Kingkothi Road,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ahmed Bin Salam Alias Eman Ali
S/o Sri Salam Bin Husan
3-5-144/3 Narayanguda,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 2nd January 1982

Ref. No. RAC 229/81-82.—Whereas, I,
S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
3-5-144/1 & other at Kingkothi Road, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1981
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House M. No. 3-5-144/1 Mulgies 3-5-143/A/60, 61, 62, 63 area 500 sq. yards Kingkothi Road, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 3182/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 2-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 2nd January 1982

Ref. No. RAC 230/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land at situated at Muttangi Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangareddy on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Sri R. Bal Reddy S/o Pulla Reddy
2. Sri R. Malla Reddy S/o Bal Reddy
3. Sri R. Manik Reddy S/o Bal Reddy
4. Sri R. Hanumanth Reddy S/o Bal Reddy
Muttangi village, Sangareddy Taluk,
Medak District.

(Transferor)

- (2) M/s. Aleca Aluminium Pvt. Ltd.
102, Kala Mansion S.D. Road,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 1 Act 17 guntas in Survey No. 104E Muttangi Village, Sangareddy Taluk Medak district registered with Sub-Registrar Sangareddy vide Doc. No. 1537/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-1-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1982

Ref. No. RAC 231/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land at situated at Muttangi Village Sangareddy (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sangareddy on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sri Kadagoni Mallaiah S/o Latchaiah
Muttangi Village, Sangareddy Taluk,
Medak District.

(Transferor)

(2) M/s. Alera Aluminium Pvt. Ltd.
102, Kala Mansion S.D. Road,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 1 Ac. 15 guntas in Survey No. 111B Muttangi Village, Sanareddy Taluk Medak district registered with Sub-Registrar Sangareddy vide Doc. No. 1538/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date : 4-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Sri Tirumali Durgaiah S/o Balaiah,
Muttangi Village, Sangareddy Taluk,
Medak District.
(Transferor)
- (2) M/s. Alera Aluminium Pvt. Ltd.
102, Kala Mansion S.D. Road.
Secunderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1982

Ref. No. RAC 232/81-82.—Whereas, I,
S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land at situated at Muttangi Village Sangareddy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sangareddy on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 1 Acre 16 guntas in survey No. 111A Muttangi Village, Sangareddy Taluk, Medak district registered with Sub-Registrar Sangareddy vide Doc. No. 1539/81.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
33—456GI/81

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 4-1-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1982

Ref. No. RAC 233/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Muttangi Village Sangareddy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangareddy on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Sri R. Malla Reddy S/o Yella Reddy
2. Sri R. Manick Reddy S/o Malla Reddy
3. Sri R. Madhav Reddy S/o Malla Reddy
4. Sri R. Raja Reddy S/o Malla Reddy
Muttangi village, Sangareddy Taluk, Medak District.

(Transferor)

- (2) M/s. Alera Aluminium Pvt. Ltd.
102, Kala Mansion S. D. Road,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 0.35 guntas in survey No. 102A Muttangi Village Sangareddy Taluk Medak district registered with Sub-Registrar Sangareddy vide Doc. No. 1540/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 4-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1982

Ref. No. RAC 234/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing and situated at Muttangi Village Sangareddy taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sangareddy on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sri R. Hanumanth Reddy S/o Latchi Reddy
Sri R. Prabhakar Reddy S/o Hanumanth Reddy
Sri R. Shashidev Reddy S/o Hanumanth Reddy
Sri R. Mahender Reddy S/o Hanumanth Reddy
Muttangi village, Sangareddy Taluk,
Medak District.

(Transferor)

(2) M/s. Alera Aluminium Pvt. Ltd.
102, Kala Mansion S.D. Road,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 0-30 guntas in Survey No. 94-B Muttangi Village, Sangareddy Taluk Medak district registered with Sub-Registrar Sangareddy vide Doc. No. 1549/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-1-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 4th January 1982

Ref. No. RAC 235/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land situated at Muttangi Sangareddy (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangareddy on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri R. Gopal Reddy S/o Sai Reddy
2. Sri R. Prabhakar Reddy S/o Gopal Reddy
3. Sri R. Narayan Reddy S/o Lakshman Reddy
4. Sri R. Janga Reddy S/o Narayan Reddy
5. Sri R. Narayan Reddy S/o Narayan Reddy
6. Sri R. Srinivas Reddy S/o Narayan Reddy
Muttangi village, Sangareddy Taluk,
Medak District.

(Transferor)

- (2) M/s. Alera Aluminium Pvt. Ltd.
102, Kala Mansion S.D. Road,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 0-35 guntas in Survey No. 103-B Muttangi Village, Sangareddy Taluk Medak district registered with Sub-Registrar Sangareddy vide Doc. No. 1609/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 4-1-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) 1. Sri R. Malla Reddy S/o Yella Reddy
 2. Sri R. Manick Reddy S/o Malla Reddy
 3. Sri R. Madhav Reddy S/o Malla Reddy
 4. Sri R. Raj Reddy S/o Malla Reddy
 Muttangi village, Sangareddy Taluk,
 Medak District.

(Transferor)

- (2) M/s. Alcra Aluminium Pvt. Ltd.
 102, Kala Mansion S.D. Road,
 Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1982

Ref. No. RAC 236/81-82.—Whereas, I,
 S. GOVINDARAJAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing No.

land situated at Muttangi Village
 (and more fully described, in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the Office of the Registering Officer at
 Sangareddy on May 1981
 for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent
 consideration and that the consideration for such transfer
 as agreed to between the parties has not been truly stated in
 the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
 defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Land 0.35 guntas Sy. No. 103A Muttangi
 Village, Sangareddy Taluk Medak district registered with Sub-
 Registrar Sangareddy vide Document No. 1610/81.

S. GOVINDARAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
 Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of section 269D of the said Act to the following
 persons, namely :—

Date : 4-1-1982
 Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1982

Ref. No. RAC 237/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Muttangi Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangareddy on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Sri R. Gopal Reddy S/o Sai Reddy
2. Sri R. Prabhakar Reddy S/o Gopal Reddy
3. R. Narayan Reddy S/o Laxma Reddy
4. Sri R. Janga Reddy S/o Narayan Reddy
5. Sri R. Narasimha Reddy S/o Narayan Reddy
Muttangi village, Sangareddy Taluk, Medak District.

(Transferor)

- (2) M/s. Alera Aluminium Pvt. Ltd.
102, Kala Mansion S.D. Road,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land 0.35 guntas in Survey No. 102B Muttangi Village, Sangareddy Taluk Medak district registered with Sub-Registrar Sangareddy vide Doc. No. 1551/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 4-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) 1. Sri R. Bal Reddy S/o Pulla Reddy
 2. Sri R. Malla Reddy S/o Bal Reddy
 3. Sri R. Manick Reddy S/o Bal Reddy
 4. Sri R. Hanumanth Reddy S/o Bal Reddy
 Muttangi village, Sangareddy Taluk,
 Medak District.

(Transferor)

- (2) M/s. Alera Aluminium Pvt. Ltd.
 102, Kala Mansion S.D. Road,
 Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1982

Ref. No. RAC 238/81-82—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Muttangi Village Sangareddy (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangareddy on September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 1 Acre guntas in Survey No. 94C Muttangi Village, Sangareddy Taluk Medak district registered with Sub-registrar Sangareddy vide Doc. No. 3620/81.

S. GOVINDARAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 4-1-1982
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 4th January 1982

Ref. No RAC 239/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Muttangi Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangareddy on September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Tirumala Durgaiah S/o Baliah
Muttangi village, Sangareddy Taluk,
Medak District.
(A.P.)

(Transferor)

(2) M/s. Alera Aluminium Pvt. Ltd.
102, Kala Mansion S.D. Road
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX^A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 1 Acre 15 guntas in S.Y. 111C Muttangi Village, Sangareddy Taluk Medak district registered with Sub-Registrar Sangareddy vide Doc. No. 3261/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 4-1-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th January 1982

Ref. No. RAC 240/81-82.—Whereas, I,
S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Land situated at Bhagwantapura, Secunderabad
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Secunderabad on May 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) 1. Mr. Amaram Penta Reddy
2. Mr. Amaram Narayan Reddy
3. Mr. Amaram Vitthal Reddy
1-11-266, 270, 271 Bhagwantapura
Prakash Nagar, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Indian Airlines Employees Co-operative Housing
Society, Reg. No. TA 484
President Sri D. B. Bhide S/o B. V. Bhide
37 Vimana Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or
a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons, whichever
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said
Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 59/60 area 2,800 sq. yards situated
at Bhagwanta Pura, Prakasam Nagar Secunderabad registered
with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 323/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
34—456GI/81

Date : 5-1-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 5th January 1982

Ref. No. RAC 241/81-82.—Whereas, J. S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bholakpur situated at Bhagwantpura Hamlet (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Sri Prubhanjan Reddy
Sri Ravikiran Reddy
Sri Unnatasan Reddy
1-11-267 Bhagwantpura Begumpet
Secunderabad.
(Transferor)
- (2) Indian Airlines Employees Co-operative Housing Society. Reg. No. TA 484
President Sri D. B. Bhide S/o B. V. Bhide
37 Viman Nagar, Hyderabad.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot in Survey No. 60 of Bholakpur Bhagwantpura Hamlet area 2100 sq. yards registered with Sub-Registrar Secunderabad Doc. No. 322/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-1-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Amaram Nirajpan Reddy
H. No. 1-11-267 Bhagwantpura Begumpet
(Transferor)

(2) Indian Airlines Employees Co-operative Housing Society. Reg. No. TA 484
President Sri D. B. Bhide S/o B. V. Bhide
37 Viman Nagar, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.).**

Hyderabad, the 5th January 1982

Ref. No. RAC 242/81-82.—Whereas, I,

S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot situated at Bhagwantpura, Secunderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot in Survey No. 60 of Bholakpur Bhagwantpura Hamlet area 2100 sq. yards registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 321/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-1-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, 5th January 1982

Ref. No. RAC-243/81-82.—Whereas, I, S. Govindarajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Bhagawata Pura Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sri Amaram Anji Reddy
H. No. 1-11-295 Bhagawata Pur
Begumpet Secunderabad.
(Transferor)
- (2) Indian Air Lines Employees Co-op. Housing Society
Reg. No. TA 484
President Sri D. B. Bhide S/o Sri B. V. Bhide
37 Vimannagar Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot in Survey No. 60 of Bholakpur Bhagatpura hamlet area 3,500 sq. mts registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 320/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-1-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Suman Madhukar Joshi W/o M. K. Joshi
Road No. 5 Naier Lines, Tarbund
Secunderabad.
(Transfcor)
- (2) Smt. C. Ramadevi W/o Dr. C. Ramaiah
Begumpet, Secunderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, 5th January 1982

Ref. No. RAC-244/81-82.—Whereas, I, S. Govindarajan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open Plot situated at Shaikpet Village, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot No. 83 & 84 in Survey No. 403/29 Shaikpet Village Hyderabad area 5417 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 2758/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date : 5-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, 5th January 1982

Ref. No. RAC-245/81-82.—Whereas, I, S. Govindarajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-2-350/5/A/1 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Vikram Rao S/o G. M. Rao
G. P. A. Sri V. Rajeshwar Rao IAS (Retd.)
S/o Late Veera Raghava Rao
8-2-617/A/4 Road No. 11
Banjara Hills, Hyderabad 500034.

(Transferor)

(2) Sri G. V. Dharma Reddy
S/o Late Sri G. Venkata Krishna Reddy
8-2-350/5/A/1 Road No. 3
Banjara Hills, Hyderabad 500034.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 8-2-350/5/A/1 area 732 sq. mts. at Road No. 3 Banjara Hills Hyderabad registered with Sub Registrar Hyderabad vide Doc. No. 2985/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date : 5-1-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Sri Gurdip Singh Aurora
S/o Tirath Singh Aurora
H. No. 38 Santosh Nagar
Mehdipatnam Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Nceraj Rawal S/o M. L. Rawal
1-1-93/67B R. P. Road
Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, 5th January 1982

Ref. No. RAC-246/81-82.—Whereas, I, S. Govindarajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot situated at Shaikpet Village, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 1,210 sq. yds in survey No. 330 (Old No. 129/49) Shaikpet Village Hyderabad registered with Sub-Registrar Khairatabad vide Doc. No. 963/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-1-1982
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sri B. V. Prakash Reddy & two others
Bownpally Secunderabad.
(Transferor)
- (2) M/s. Amar Jyothi Weaker Section Co-operative
Housing Society
Chilkalguda, Secunderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th January 1982

Ref. No. RAC-247/81-82.—Whereas, I, S. Govindarajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Chinnathokatta Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land 1 acre 18 guntas in Survey No. 91 Chinnathokatta Village Bownpally Secunderabad registered with Sub-Registrar Maredpally vide Doc. No. 1423/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date : 5-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 369D(1) (43 OF 1961)
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6
Madras-6, the 4th January 1982

Ref. No. F. 11411.—Whereas, I, R. Ravichandran, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1053/2A, 1055, situated at Madukkarai (Doc. 2195/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) E. Appavu Chettiar C. Ramaswamy
C/o. Chinnappa Chettiar
Kurumpalayam Road, Madukkarai
Coimbatore Tk. (Transferor)
(2) A. Abdul Hameed S/o Abdul Wahab
Okkilai St., Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 1055, 1053/2A, Madukkarai.
(Doc. 2195/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

35—456GI/81

Date : 4-1-1982

Seal :

FORM ITNS

(1) J. H. Tarapore 7, Tarapore Avenue,
Madras-31.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nargesh Kenu,
6, Tarapore Avenue, Madras-31.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th January 1981

Ref. No. F. 11490.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 491 situated at Nilagiri (Doc. 1842/81)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 49, Nilagiri.
(Doc. 1842/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 4-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-2
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th January 1981

Ref. No. I. 16583.—Whereas, I, R. Ravichandran, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS 3082 situated at (part) and RS No. 3062 (part) Purasawalkam, Brick Kiln Road, Madras 7 (Doc. 1924/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. Ramakrishna Mudaliar
R. Manoharan
10, Muthial Niakcen St.,
Madras-600 006.

(Transferor)

(2) C. M. Vijayakumari
56, Sami Pillai St., Choolai
Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS. No. 3082 and 3062, Brick Kiln Road, Purasawalkam, Madras-7.

(Doc. No. 1924/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 4-1-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) P. L. Mareddi
33, Madhavan Nair Road,
Madras-34.

(Transferor)

(2) Jamuna Bai,
1/32, General Muthia Mudali St.,
Madras-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-2
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th January 1981

Ref. No. F. 16417.—Whereas, I, R. Ravichandran, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33 situated at Madhavan Nair Road, Madras-34 (Doc. 1238/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and building at 33, Madhavan Nair Road, Madhavan Nair Colony, Madras-34.
(Doc. No. 1238/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-1-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) E. Janaki Ammal
199A, Nethaji Road, Manjakuppam
(Transferor)
- (2) Samsad Rahman & K. Hameed Ghose Maraiyakar
2, Beach Road, Cuddalore-1.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6
Madras-6, the 4th January 1981

Ref. No. F. 9379.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22 situated at Nethaji Road, Manjakuppam (Doc. 1017/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddalore on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 22, Nethaji Road, Manjakuppam, Cuddalore.
(Doc. 1017/81) (Item No. 117/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-1-1982
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Asia Bibi w/o late S. K. Sheik Dawood Sahib
128, Nethaji St., Erode Town.
(Transferor)
- (2) Athayee w/o Doraiswamy
2A, Balasubbarayalu Naidu St.,
Erode.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th January 1981

Ref. No. F. 9350.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 108A situated at Surampatti, Erode Tk (Doc. 1631/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Land at 108A, Surampatti, Erode.
(Doc. 1631/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 4-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M. M. P. Vadivel Chettiar,
V. Ravindran, V. Rajendran
Heclar Road, Palakkai, Trichy.
(Transferor(s))
(2) Amirthavalli W/o A. Muthuswamy Gr.
Nawab Thottam, Uraiur, Trichy-3.

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-2
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6
Madras-6, the 4th January 1982

Ref. No. F. 945J.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 3539 situated at Thamalavarubayam Uraiur (Doc. 1081/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uraiur on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at No. TS 3539, Thamalavarubayam, Uraiur.
(Doc. 1081/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-1-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Asia Bibi, W/o. S. K. Sheik Dawood Sahib, 128, Nethaji St., Erode.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Saraswathy Veerayyan W/o. Dr. Veerayyan N. M. Sengottayyan S/o Marappa Gr. 114, Bruff Road, Erode.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

Madras-6, the 4th January 1982

Ref. No. F. 9350.—Whereas, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1315 situated at Surampatti (Doc. 1632/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Erode on May 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 1315/1, Surampatti (Doc. 1632/81).

R. RAVICHANDRAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date : 4.1.82.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

- (1) M. M. P. Vadivel Chettiar, V. Ravindran, V. Rajendran Heelar Road, Palakkara, Trichy-1,
(Transferor)
- (2) Minor Parameswari C/o. Amirthavalli Nawab Thottam, Uraiayur, Trichy-3.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

Madras-6, the 4th January 1982

Ref. No. F. 9451.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS 3539, situated at Thamalavarubayam Uraiayur (Doc. 1080/81),
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uraiayur on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at TS 3539/Thamalavarubayam, Uraiayur (Doc. 1080/81).

R. RAVICHANDRAN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
36—456GI/81

Date : 4.1.82.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

Madras-6, the 4th January 1982

Ref. No. F. 9371.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3/158, situated at, Kaja Nagar, K. Abishekapuram, Trichy (Doc. 1938/81),
(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy on May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Nalini Unni, 3/158, Kaja Nagar II St., K. Abishekapuram, Arichy.
(Transferor)

(2) Divyamani, Pachaimuthu W/o. Pachaimuthu, Ramudayanur, Pudupatti, Namakkal, Salem.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at 3/158, Kaja Nagar, K. Abishekapuram, Trichy (Doc. 1938/81).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Dated : 4-12-81
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) M. Arumugham, 79F, Tam Colony, Town Police Station Road, Kilavasal, Tanjore.
(Transferor)

(2) P. S. Manohara Nadar, 14/1961—Bazaar, Karandi, Tanjore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

Madras-6, the 4th January 1982

Ref. No. F.9372.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS 2835/27, situated at Palopanandavanam Keeralkollai (Doc. 853/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karuthattankudi on May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interest in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at TS 2835/27, Palopanandavanam Keeralkollai (Doc. 853/81).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4.1.82.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

Madras-6, the 4th January 1982

Ref. No. F. 9372.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS 2835/28, situated at Palopanandavanam, Keeraikollai (Doc. 854/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karuthattankudi on May 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M. Arumugham, 79F, Tam Colony, Town Police Station Road, Kilavusal, Tanjore. (Transferor)
- (2) P. S. Baskaran, 14/1961, Bazaar St., Krandai, Tanjore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at TS 2835/28, Palopanandavanam Keeraikollai (Doc 854/81).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Dato : 4.1.82.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) M. Arumugham 79F Tam Colony, Town Police Station Road, Kilavasal, Tanjore.
(Transferor)
- (2) B. Nirmala, 14/1961, Bazaar St., Karandai, Tanjore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

Madras-6, the 4th January 1982

Ref. No. F. 9372.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS 2835/28, situated at Palopanandavanam Keeraikollai (Doc. 835/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karuthattankudi on May 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at TS 2835/28, Palopanandavanam Keeraikollai (Doc. 835/81).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-1-82.
Seal :

FORM ITNS

- (1) M. Arnumugham, 79F, Tam Colony, Town Police Station Road, Kilavasal, Tanjore.
(Transferor)
- (2) M. Kasturi 14/1961, Bazaar St., Karandai, Tanjore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

Madras-6, the 4th January 1982

Ref. No. F. 9372.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS 2835/28, situated at Palopanandavanam, Keeraikollai (Doc. 856/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karuthattankudi on May 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Land and building at TS 2835/28, Palopanandavanam Keeraikollai (Doc 856/81).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date : 4-1-82.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD,
 MADRAS-6.

Madras-6, the 5th January 1982

Ref. No. 175/May/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 778, situated at Poonamalle High Road, Madras (R.S. No. No. 154/16-B), (Document No. 622/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras on 15-5-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (1) (1) K. M. Aiana, (2) S. Aiana, (3) Amita Aiana and (4) Kushi Belliappa Aiana, All are residing at No. 16, Block X, Anna Nagar, Madras-40.
 (Transferor)
- (2) Shri T. V. Venkataraman, C/o. M/s. Hindustan Lever Ltd., Back bay Reclamation, Bombay-400 020.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Vacant site at No. 778, Poonamalle High Road, Madras—Document No. 622/81).

R. RAVICHANDRAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-2,
 Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-1-82
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th January 1982

Ref No. 176/May/81.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 154/16-B, situated at No. 778, Poonamalle High Road, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pariamet, Madras (Document No. 623/81) on 15-5-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) (1) K. M. Aiana, (2) S. Aiana, (3) Amita Aiana and (4) Kushi Belliappa Aiana, No. 16, Block X, Anna Nagar, Madras-40.
(Transferor)

(2) Mr. Minmil Menon, No. 63, Sterling Road, Madras-34.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Vacant site at No. 778, Poonamalle High Road, Madras—Document No. 623/81).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-1-82
Seal :

FORM ITNS—

(1) (1) K. M. Aiana, (2) S. Aiana, (3) Amita Aiana and (4) Kushi Belliappa Aiana, No. 16, Block X, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) (i) Mr. Ladham M. Bajaj, (ii) Mrs. Kamala Ladham, No. 196, N.S.C. Bose Road, Madras-4.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006
Madras-600 006, the 5th January 1982

Ref. No. 177/May/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 154/16-B, situated at No. 778, Poonamalle High Road, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras (Document No. 624/81) on 15-5-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Vacant site at No. 778, Poonamalle High Road, Madras. R.S. No. 154/16-B—Document No. 624/81).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
37—456GI/81

Date : 5-1-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

Madras-6, the 5th January 1982

Ref. No. 178/May/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,200/- and bearing No. R.S. No. 154/16-B, at No. 778, Poonamalle High Road, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras on 15.5.81, (Document No. 625/81).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) (1) K. M. Aiana, (2) S. Aina, (3) Amita Aiana and (4) Kushi Belliappa Aiana, No. 16, Block X, Anna Nagar, Madras-40.
(Transferor)

(2) Smt. Saroj Mahalingam, W/o. Sri K. P. Mahalingam, APT 9, 3rd Floor, 6 Sunny Peak, Calcutta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site at R. S. No. 154/16-B, No. 778, Poonamalle High Road, Madras—Document No. 625/81).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date : 5.1.82.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 621, MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

Madras-6, the 5th January 1982

Ref. No. 179/May/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 154/16-B, situated at No. 778, Poonamalle High Road, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Periamet, Madras on 15.5.81,

(Document No. 626/81),

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) K. M. Aiana, (2) S. Aina, (3) Amita Aiana and (4) Kushi Belliappa Aiana, No. 16, Block X, Anna Nagar, Madras-40.
(Transferor)

(2) Mr. Ajit Kumar De, No. 6-B, Ram Mansion, No. 387, Pantheon Road, Madras-8.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site in R.S. No. 154/16-B, No. 778, Poonamalle High Road, Madras-6.—Document No. 626/81).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-6.

Date : 5.1.82.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) (1) K. M. Aiana, (2) S. Aina, (3) Amita Aiana and (4) Kushi Bellappa Aiana, No. 16, Block X, Anna Nagar, Madras-40.
 (Transferor)
- (2) Dr. A. Gopal Menon, No. 19, Ganapathy Nagar, Cenetahp II Lane, Madras-18.
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 621, MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

Madras-6, the 5th January 1982

Ref. No. 180/May/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 154/16-B, situated at No. 778, Poonamalle High Road, Madras,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras on 15.5.81.
 (Document No. 627/81).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site in R.S. No. 154/16-B, No. 778, Poonamalle High Road, Madras-40—Document No. 627/81).

R. RAVICHANDRAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I
 Madras-6.

Date : 5.1.82.
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) (1) K. M. Aiana, (2) S. Aina, (3) Amita Aiana and (4) Kushi Belliappa Aiana, No. 16, Block X, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) Mr. S. P. Jamal, 10, 11th Avenue, Harington Road, Madras-30.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 621 MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

Madras-6, the 5th January 1982

Ref. No. 181/May/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 154/16-B, situated at No. 778, Poonamalle High Road, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras on 15.5.81.

(Document No. 628/81).
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Vacant site in R.S. No. 154/16-B, No. 778, Poonamalle High Road, Madras—Document No. 628/81).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-1-82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
KANNAMMAI BUILDING II ND FLOOR
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th January 1982

Ref. No. 182/May/81.—Whereas, I,
R. RAVICHANDRAN
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 154/16-B, situated at No. 778, Poonamalle High Road, Madras, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet, Madras on 15-5-1981 (Document No. 630/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (1) 1. K. M. Aiana
2. S. Aiana
3. Amita Aiana and
4. Kushi Belliappa Aiana
No. 16, Block X, Anna Nagar,
Madras-40.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. N. Rameeza
2. Smt. Thameez
3. Smt. Nassem
4. Smt. Sumaira Parvin
No. 3, II Crescent Park Road,
Gandhi Nagar, Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Vacant site in R.S. No. 154/16-B, No. 778, Poonamalle High Road, Madras—Document No. 630/81)

R. RAVICHANDRAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 5-1-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) 1. K. M. Aiana
 2. S. Aiana
 3. Amita Aiana and
 4. Kushi Belliappa Aiana
 No. 16, Block X, Anna Nagar,
 Madras-40.
 (Transferor)
- (2) 1. Shri K. Chandrashan,
 2. Smt. Vaisha Chandrashan,
 No. 3, General Muthia Mudali Street,
 Sowcarpet, Madras-1.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
 KANNAMMAI BUILDING IIIND FLOOR,
 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th January 1982

Ref. No. 183/May/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 154/16-B, situated at No. 778, Poonamalle High Road, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras on 15-5-1981 (Document No. 631/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Vacant site in R.S. No. 154/16-B, No. 778, Poonamalle High Road, Madras—Documents No. 631/81).

R. RAVICHANDRAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 5-1-1982
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I,
KANNAMMAL BUILDING IIND FLOOR,
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 5th January 1982

Ref. No. 184/May/81.—Whereas, I,
R. RAVICHANDRAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 154/16-B, situated at No. 778, Poonamalle High Road, Madras, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras on 15-5-1981 (Document No. 632/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. K. M. Aiana
2. S. Aiana
3. Amita Aiana and
4. Kushi Belliappa Aiana
No. 16, Block X, Anna Nagar,
Madras-40.

(Transferor)

- (2) Smt. Kamala Ramanathan,
11, 1st Cross, Karpagam Gardens,
Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site in R.S. No. 154/16-B, No. 778, Poonamalle High Road, Madras.—Document No. 632/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 5-1-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
KANNAMMAI BUILDING IIIND FLOOR,
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th January 1982

Ref. No. 185/May/81.—Whereas, I,

R. RAVICHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 154/16-B, situated at
No. 778, Poonamalle High Road, Madras,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Periamet, Madras on 15-5-1981
(Document No. 633/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. R. M. Aiana
2. S. Aiana
3. Amita Aiana and
4. Kushi Belliappa Aiana
No. 16, Block X, Anna Nagar,
Madras-40.

(Transferor)

(2) Shri A. V. Menon,
C/o Hindustan Petroleum Corporation Ltd.,
Budge Budge instalation (P.O.)
24-Parganas—Pin : 743319.
(West Bengal).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Vacant site in R.S. No. 154/16-B, No. 778, Poonamalle High Road, Madras—Document No. 633/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
38—456GI/81

Date : 5-1-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. K. M. Aiana
 2. S. Aiana
 3. Amita Aiana and
 4. Kushi Belliappa Aiana
 No. 16, Block X, Anna Nagar,
 Madras-40.

(Transferor)

- (2) Shri John Vincent,
 No. 93, Anna Nagar,
 Madras-40.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
 KANNAMAI BUILDING IIIND FLOOR,
 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th January 1982

Ref. No. 186/May/81.—Whereas, I,
 R. RAVICHANDRAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing No.

R.S. No. 154/16-B, situated at
 No. 778, Poonamalle High Road, Madras,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908), in the office of the Registering Officer at
 Periamet, Madras on 15-5-1981
 (Document No. 634/81)

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Vacant site in R.S. No. 154/16-B, No. 778, Poonamalle
 High Road, Madras—Document No. 634/81).

R. RAVICHANDRAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Madras-6,

Date : 5-1-1982
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/323.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot on Circular Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on May 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Kamla Wati
w/o Shri Mohan Lal
r/o Kucha Ardasian,
Charusti Attari, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Radha Arora
w/o Shri Sham Sunder Arora
20/Majitha Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned
knows or be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 302 sq. yds situated on Circular Road, (Garden colony) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 5009 dated 28-5-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 6-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,

TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/324.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One building in Katra Baghian situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Smt. Pram Lata
w/o Sh. Nagar Mal
r/o H. No. 1627, Katra Baghian,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Kuldip Kumar
s/o Shri Amrik Chand
r/o Sultanwind, Amritsar. (Transferee)
- (3) S/Shri Vijay Kumar, Vijay Kumar, Chun Lal,
Babu Ram, Gurdial Chand, Buta Mal,
Sant Ram, Dewan Chand & Babu Ram.
Total rent Rs. 720/- (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

One building No. 1627 situated in Katra Baghian, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2715 dated 12-5-1981 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 6-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR
Amritsar, the 6th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/325.—Whereas, J.
ANAND SINGH IRS
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
One building in Katra Baghian situated at Amritsar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the Office of the Registering Officer at
SR Amritsar on May, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (1) Shri Nagar Mal
s/o Shri Sardha Ram
r/o Katra Baghian, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Faqir Chand
s/o Pt. Kashi Ram
r/o Sultanwind Amritsar. (Transferee)
- (3) S/Shri Vijay Kumar, Vijay, Chuni Lal,
Babu Ram, Gurdial Chand, Buta Mal,
Sant Ram, Dewan Chand & Babu Ram.
Total rent Rs. 720/- (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One bldg. No. 1627 situated at Katra Baghian, Amritsar
as mentioned in the sale deed No. 5233 dated 29-5-81 of the
registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 6-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/3266.—Whereas, I,

ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section

269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One building in Katra Baghian situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Prem Lata
w/o Shri Nagar Mal
r/o Katra Baghian, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Indra Wati
w/o Shri Faqir Chand
r/o Sultanwind Amritsar. (Transferee)
- (3) S/Shri Vijay Kumar, Vijay Kumar, Chuni Lal, Babu Ram, Gurdial Chand, Buta Mal, Sant Ram, Dewan Chand & Babu Ram.
Total rent Rs. 720/- (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One bldg No. 1627 situated in Katra Baghian, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4056/dated 18-5-1981 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 6-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/327.—Whereas, I,

ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One building in Katra Baghian situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Nagar Mal
s/o Shri Sahardha Ram
r/o Katra Baghian, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Faqir Chand
s/o Shri Kashi Ram
r/o Sultanwind Amritsar.
(Transferee)
- (3) S/Shri Vijay Kumar, Vijay Kumar Chuni Lal,
Babu Ram, Gurdial Chand, Buta Mal,
Sant Ram, Dewan Chand & Babu Ram.
Total rent Rs. 720/-
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

One building situated in Katra Baghian, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 5871/dated 5-6-1981 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 6-1-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/81-82 328.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One building in Katra Baghian situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Nagar Mal
s/o Shri Shardha Ram
r/o Katra Baghian, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Dharam Pal
s/o Shri Faqir Chand
r/o Sultanwind Amritsar.
(Transferee)
- (3) S/Shri Vijay Kumar, Vijay Kumar, Chun Lal, Babu Ram, Gurdial Chand, Buta Mal, Sant Ram, Dewan Chand & Babu Ram.
Total rent Rs. 720/-
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One building situated in Katra Baghian, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 5374/dated 1-6-1981 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-1-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 18th January 1981

Ref. No. ASR/81-82/329.—Whereas, I,

ANAND SINGH IRS
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot Outside Hall Gate situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on May, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Gopal
s/o Shri Chuni Lal Sapra
r/o Katra Hari Singh,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Balwant Singh
s/o Shri Lachhman Singh
r/o Dialpur Teh. Amritsar,
Shri Surinder Singh
s/o Shri Tara Singh
r/o Patti Distt. Amritsar,
Shri Joginder Singh
s/o Shri Balwant Singh
r/o Sarai Talwandi PO Bhorsi Rajputan Teh.
Taran Taran Distt. Amritsar,
Shri Gurjot Singh
s/o Shri Jarnail Singh
r/o Sammewali Muktsar Distt. Faridkot.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 802 sq. yds. situated inside Sarain Sant Ram O/S Hall Gate Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4639 dated 25-5-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 8-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
39—456GI/81

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 8th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/330.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property on Taran Taran Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Teja Singh
s/o Shri Saran Singh alias Sarni Singh
r/o Amritsar Chowk Manna Singh
through Shri Sajjan Singh
s/o Shri Teja Singh
Chowk Muna Singh.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Singh
s/o Shri Sajjan Singh
r/o Taran Taran Road,
Outside Chatiwind Gate, Amritsar,

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned
knows in the interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One property situated on Taran Taran Road, outside Chatiwind Gate Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4334/dated 20-5-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 8-1-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/331.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing
 One property on Taran Taran Road, situated at Amritsar,
 (and more fully described in the Schedule annexed
 hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 SR Amritsar on May, 1981
 for an apparent consideration
 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sh. Teja Singh S/o Saran Singh alias Sarni Singh R/o Chowk Manna Singh through S. Sajan Singh, Amritsar.
 (Transferor)

(2) Sh. Jagjit Singh S/o Darshan Singh R/o Outside Chatiwind Gate, Taran Taran Road, Amritsar.
 (Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated outside Chatiwind Gate, Taran Taran Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4335 dated 20-5-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 8-1-1982
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/332.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot in Krishna Square, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Rajinder Singh S/o Sunder Singh R/o Shaheed Bhagat Singh Colony Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Mohinder Pal Singh Malhotra S/o Sh. Inder Singh Malhotra R/o Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 250 sq. yds. situated in Abadi Krishna Square, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4015 / dated 18-5-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 8-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/333.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one plot at Fateh Chak Taran Taran situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Taran Taran on May, 81

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Ujagar Singh S/o Assa Singh R/o Fateh Chak Teh. Taran Taran. (Transferor)
- (2) Sh. Darbara Singh S/o Khajan Singh R/o Muradpur, Teh. Taran Taran. (Transferee)
- (3) As at Sr. No 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property interested in the property).
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 3K 10M situated in Fateh Chak Taran Taran as mentioned in the sale deed No. 697 dated 4-5-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 8-1-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/334.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one plot of land in East Mohan Nagar situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR Amritsar on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Chairman, Improvement Trust Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Narinder Singh, Amarjit Singh Harbans Singh
S/o Atma Singh Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 825 sq. yds. situated in East Mohan Nagar Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4793 dated 26-5-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 8-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/335.—Whereas, I,

ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land in Sunder Nagar situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on May, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Ram Singh S/o Sunder Dass R/o Gate Bhagtanwala, Gali pahalwana Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Pararajit Kaur W/o Sh. Ajit Singh Cheema & Balwinder Pal Kaur W/o S. Surat Singh Amritsar C/o Panjab & Sindh Bank Chowk Chintpurni Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHFDULE

One plot of land measuring 340 sq. yds. situated in Sunder Nagar Amritsar as mentioned in the sale deed No. 41797 dated 19-5-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 8-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sh. Jaswant Singh S/o Mangal Singh R/o Guntala Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Jatinderjit Singh Randhawa S/o Gurdeep Singh Randhawa, Ranika Bagh R/o Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/336.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot at Guntala situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on May, 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein in are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 2 kanals situated at Guntala Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2116/ dated 4-5-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 8-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sb. Jaswant Singh S/o Mangal Singh r/o Gumtala Amritsar.
(Transferor)

(2) Maj. Manjit Singh Randhawa S/o Gurdip Singh R/o Rani Ka Bagh Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 8th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/337.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot at Gumtala situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on May, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 3K situated in Gumtala Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2115/ dated 4-5-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
40—456GU/81

Dated : 8-1-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/338.—Whereas, I, ANAND SINGH I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot at Guntala situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on May, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Jaswant Singh S/o Mangal Singh R/o Guntala Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Tajinder Singh S/o Manjit Singh R/o Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 3K situated at Guntala Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2117 dated 4-5-81 of the registering Authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 8-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Samir Singh S/o Hajara Singh R/o Sultanwind
Teh. Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/339.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

One shed in Sultanwind Suburban situated at
Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
SR Amritsar on May, 81

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(2) Sh. Nagin Singh S/o Sham Singh R/o Kot Baba
Deep Singh Gali No. 5 House No. 4145 Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One shed situated in Sultanwind Suburban Amritsar as
mentioned in the sale deed No. 2517/ dated 8-5-81 of the
registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Dated : 8-1-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/341.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot in Abadi Bawa Isher Dass situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at SR Amritsar on May, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Chairman Improvement Trust Amritsar, (Transferor)
- (2) Sh. Joginder Lal, R/o 35-Oppst. Railway Station Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land (417.65 sq. mtrs.) situated in Abadi Bawa Isher Dass Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2285 dated 6-5-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 8-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/342.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
One shop in Misri Bazar situated at Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
SK Amritsar on May, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Prem Nath S/o L. Dhanam Chand R/o 8-
Joshi Colony Amritsar. (Transferor)

(2) Sh. Bhola Nath S/o Kishan Chand, Lila Vati W/o
Bhola Nath R/o Katara Dulo Amritsar. (Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One shop situated in Mistri Bazar Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2506 / dated 8-5-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
41—456GI/81

Dated : 8-1-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/340.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot in Krishna Square situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on May, 81
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Amir Chand S/o Mul Chand R/o Chowk Passian, Kucha Makhiwala, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. B. D. Joshi S/o Sh. N. C. Joshi & Smt. Vitthal Joshi W/o Sh. B. D. Joshi R/o Guru Nanakwara, House No. 1573/23 Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 311.11 sq. yds. situated in Krishna Square, Shivala Bhaian, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2937/ dated 15-5-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 8-1-1982
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1982

No. F 13/4/81-EI(B)

New Delhi, the 13th February 1982

A competitive examination for recruitment to the Indian Forest Service will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR, (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR and TRIVANDRUM commencing on the 25th July, 1982 in accordance with the Rules publishing by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India dated the 13th February 1982.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I, para 11).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination is 100. This number is liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two) which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders, Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 (Rupees two) will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1982. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1982 WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. A candidate should indicate in Col. 25 of the Application Form the order of preferences for State/Joint Cadres of

the Service to which he would like to be considered for allotment.

No request for alteration in the order of preferences for the State/Joint Cadres indicated in the Application Form would be considered unless the request for such alteration is received in the Office of the Union Public Service Commission within 30 days of the publication of the result of the written examination in the Employment News. No communication either from the Commission or from the Government of India would be sent to the candidates asking them to indicate their revised preferences, if any, for various State/Joint Cadres after they have submitted their applications.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 5th April 1982 (19th April, 1982 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 5th April, 1982 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 5th April, 1982.

NOTE (i) :—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time, (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

NOTE (ii) :—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 48.00 (Rupees fortyeight) Rs. 12.00 (Rupees twelve) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING PERMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

8. A refund of Rs. 30.00 (Rupees Thirty) [Rs. 8.00 (Rupees eight)] in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Schedule Tribes will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 9 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. If any candidate who took the Indian Forest Service Examination held in 1981 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1981 examination his candidature for the 1982 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office by 25th June, 1982.

10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

11. The question paper in General Knowledge as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates' Information Manual" at Annexure II.

VINAY JHA,
Joint Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will

be considered on merits but requests received after 25th June 1982, will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card, must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

Candidates should further note that under no circumstances will they be allowed a change in any of the subjects they have indicated in their application form for the Examination.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises, are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/attending at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

3. A candidate must send the following documents with his application—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 6 and 7 of Notice and para 6 below).
- (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.
- (v) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 x 27.5 cms.

- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vii) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5 below).
- (viii) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled.

Note (i)—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) AND (vii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF NOVEMBER, 1982. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

NOTE (ii):—Candidates are further required to sign the attested/certified copies of all the certificates sent along with application form and also to put the date.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) above are given below and in para 6 and those of items (vi) and (vii) are given in paras 4 and 5:—

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee*—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee*—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

NOTE:—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.

(ii) *Certificate of age*.—The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification*:—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 5. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular

qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified in Rule 5 must be submitted in addition to the attested/certified copy of University Certificate.

NOTE.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will *NOT* be eligible for admission to the Commission's examination.

(iv) *Photographs*.—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm × 7 cm. approximately), photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* _____ son/daughter* of _____ of village/town* _____ in District/Division* _____ of the State/Union Territory* _____ belongs to the _____ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe under:—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes List (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation

Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976].

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976.*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*.

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*.

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Orders, 1978*

2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* of District/Division* of the State/Union Territory* of.....

Signature.....

**Designation.....

Place.....

(with seal of Office)

Date.....

State/Union Territory*

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning, as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

- (iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Lakshadweep).

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concessions under Rule 4(b)(ii) or 4(b)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident;
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 4(b)(iv) or 4(b)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 4(b)(vi) or 4(b)(vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(iv) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 4(b)(viii) or 4(b)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Defence

Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature _____

Designation _____

Date _____

*Strike out whichever is not applicable.

(v) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 4(b)(x) or 4(b)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(vi) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under Rule 4(b)(xii) or 4(b)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident, to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(vii) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs claiming age-concession in terms of Rule 4(b)(xiv) or 4(b)(xv) should produce an attested/certified copy of the certificate, as applicable to them, in the form prescribed below from the authorities concerned.

(A) Applicable for Released/Retired Personnel.

It is certified that No. _____ Rank _____ Name _____ whose date of birth is _____ has rendered service from _____ to _____ in Army/Navy/Air Force and he fulfills ONE of the following conditions :—

(a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.

(b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment on _____.

Name and Designation
of the Competent Authority

Station _____

Date _____

SEAL

(B) Applicable for serving personnel.

It is certified that No. _____ Rank _____ Name _____ whose date of birth _____ is serving in the Army/Navy/Air Force from _____

2. He is due for release/retirement w.e.f. _____ is likely to complete his assignment of five years by _____.

3. No disciplinary case is pending against him.

Name and Designation
of the Competent Authority

Station

Date

SEAL

Authorities who are competent to issue certificate are as follows :—

(a) *In case of Commissioned Officers Including ECOs/SSCOs.*

Army — Directorate of Personnel Services, Army Hqrs. New Delhi.

Navy—Directorate of Personnel Services, Naval Hqrs. New Delhi.

Air Force—Directorate of Personnel Services, Air Hqrs. New Delhi.

(b) *In case of JCOs/ ORs, and equivalent of the Navy and Air Force.*

Army — By various Regimental Record Offices.

Navy—Naval Records, Bombay.

Air Force—Air Force Records, New Delhi.

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in paragraph 5(i), (ii) and (iii) above, and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Office or a Gazetted Officer or Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Home Affairs (Department of Personnel & Administrative Reforms).

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. Every application including late one, received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, *ipso facto* mean that

the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharak Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

13. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

1. NAME OF EXAMINATION.

2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.

3. APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.

4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—(i) COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B.—(ii) IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

14. *Change in address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE-II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

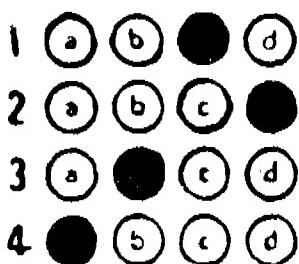
B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklets or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, rectangular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the rectangle, containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT—

1. You should bring and use only good quality B pencil(s) for answering the items.
2. To change a wrong marking, erase it completely and remark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.

4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PUNALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

5. You will be required to fill in the some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.

6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous, you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a B pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note :—*denotes the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers, because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure

- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a *record* turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

4. (Chemistry)

The anhydride of H_3VO_4 is

- (a) VO_3
- (b) VO_2
- (c) V_2O_3
- *(d) V_2O_5

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) $3C$
- (b) C
- *(c) $C/3$
- (d) $C/9$

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- *(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{dy}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) $y = ax+b$
- (b) $y = ax$
- (c) $y = ae^x + be^{-x}$
- *(d) $y = ae^{x^2} - a$

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures $400^\circ K$ and $300^\circ K$. Its efficiency is

- (a) $3/4$
- *(b) $(4-3)/4$
- (c) $4/(3+4)$
- (d) $3/(3+4)$

10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance is

- (a) 4*
- (b) 3
- (c) ∞
- (d) —5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion
- *(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following

- (a) Buddhism, Nyāya, Cārvāka, Mīmāṃsā
- (b) Nyāya, Vaisesika, Jainism and Buddhism, Cārvāka
- (c) Advaita, Vedānta, Sāṃkhya, Cārvāka Yoga
- *(d) Buddhism, Sāṃkhya, Mīmāṃsā, Cārvāka.

14. (Political Science)

'Functional representation' means

- *(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organization
- (d) indirect representation through Trade Unions

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

- *(a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses

Note:—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.